SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 83 | गुवाहाटी | बुधवार, 18 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एमएनएफ के सहारे मिजोरम में घुसना चाह रही भाजपा : राहुल — पेज 3
एक दशक में प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता हुई दोगुनी : प्रधानमंत्री — पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने बुलंदशहर में 631 करोड़ की परियोजनाओं का किया ... — पेज 5
केंद्र की सब्सिडी पर वाहवाही लूट रही गहलोत सरकार : डॉ. अल्का गुर्जर — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है, जब तक जीना, तब तक सीखना यहीं हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

– **स्वामी विवेकानंद**

राज्य मंत्रिमंडल ने दी चार सौ स्कूलों के नए भवन बनाने को मंजूरी

फाइल फोटो

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने राज्य में चार सौ स्कूलों के नए भवनों के निर्माण करने और 55 हजार से अधिक भूमिहीन परिवारों को भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए 2024 की छुट्टियों की सूची को भी मंजूरी दी गई। राजपत्रित अवकाश कुल 36 दिन रहेंगे। कामरूप (एम) जिले को छोड़कर सभी जिला आयुक्तों को स्थानीय महत्व के किसी भी दिन को स्थानीय अवकाश घोषित करने का अधिकार दिया गया है, जबकि कामरूप (एम) जिले में दो दिन का स्थानीय अवकाश घोषित किया जा सकेगा। कैबिनेट बैठक में ने स्वदेशी भूमिहीन परिवारों को राहत प्रदान करने के लिए मिशन बसुंधरा 2.0 के तहत घरों के निर्माण के लिए 123 स्वदेशी भूमिहीन परिवारों (चराईदेव में 105 और दरंग में 18) के पक्ष में भूमि का निपटान करने का निर्णय लिया गया। संबंधित जिला एसडीएलएसी की मंजूरी और संरक्षक मंत्रियों की निगरानी के बाद 55 हजार से अधिक भूमिहीन परिवारों को भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने आंगनवाड़ी कर्मियों और सहायिकाओं के लिए सेवानिवृत्ति तिथि तय कर दी है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद उस वर्ष की 30 अप्रैल को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी। इसके अलावा, वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए 31 मार्च तक 54 करोड़ रुपए के बकाया ऋण और 10.92 करोड़ रुपए के बकाया ब्याज को असम वित्त निगम की इक्विटी पूंजी में परिवर्तित किया जाएगा। इससे निगम के इक्विटी पूंजी आधार में अंतर कम हो जाएगा और उसे एमएसएमई, माइक्रोफाइनेंस, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ऋण देना जारी रखने और समय पर आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग के तहत डॉक्टरों को 1 जनवरी से हर पांच साल की सेवा में एक बार ऑप्ट-इन और नॉन-प्रैक्टिसिंग भत्ता देने का भी निर्णय लिया गया है। भारत के चुनाव आयोग के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सीमांकन के साथ असम के सिंचाई विभाग (छठी अनुसूची क्षेत्रों को छोड़कर) के प्रशासनिक समूहों (चक्र, डिवीजन और उप-डिवीजन) को पुनर्गठित करने का भी निर्णय लिया है। मंत्रिमंडल ने 417.32 करोड़ रुपए की संशोधित परियोजना लागत पर 24 मेगावाट की कार्बी लांग्पी मध्य-2 जलविद्युत परियोजना को लागू करने का भी निर्णय लिया। इससे बिजली की कमी को कम करने में मदद मिलेगी। राज्य में उच्च एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के चार सौ नये स्कूल भवनों का -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के सभी पूजा पंडालों को दस हजार का अनुदान आवंटित करेगी सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य भर में 6000 से अधिक दुर्गा पूजा पंडालों को सहायता अनुदान के पर्याप्त आवंटन की घोषणा की है। मंगलवार को गुवाहाटी में हुई कैबिनेट बैठक के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया गया कि 6,953 पूजा पंडालों में से प्रत्येक को 10,000 का अनुदान वितरित किया जाएगा। गुवाहाटी शहर में शुक्रवार से शुरू होने वाले दुर्गा पूजा समारोह के लिए तैयारी की जा रही है। हालांकि, -शेष पृष्ठ दो पर

योजनाओं के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए गांवों में पांच दिन बिताएंगे सभी मंत्री

गुवाहाटी। असम के सभी मंत्री विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के व्यावहारिक कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए वर्ष के अंत में एक-एक गांव में पांच दिन बिताएंगे। मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल के फैसले के मुताबिक, प्रवास के दौरान मंत्री चाय बागान क्षेत्रों में 100 विद्यालयों सहित 400 नए स्कूल भवनों की नींव भी रखेंगे। पुराने स्कूलों के नवीनीकरण के लिए प्रत्येक विद्यालय को सात करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय -शेष पृष्ठ दो पर

हमास का समर्थन

इजराइल ने कोलंबिया को सैन्य साजोसामान का निर्यात रोका

तेल अबीब। हमास के हमलों के बाद गाजा पट्टी की इजराइली घेराबंदी की तुलना नाजी जर्मनी की कार्रवाइयों से करने के कोलंबिया के राष्ट्रपति के ऑनलाइन संदेशों को लेकर दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद तेज हो गया। हमास का समर्थन करने पर इजराइल ने कोलंबिया को सैन्य साजोसामान का निर्यात रोक दिया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने गाजा में कार्रवाई को लेकर इजराइल की आलोचना की है। साथ ही उन्होंने कहा है कि उनका देश इजराइल के साथ राजनयिक संबंधों को निलंबित कर सकता है। वहीं उनके विदेश मंत्री ने सुझाव दिया है कि इजराइल के राजदूत को देश छोड़ देना चाहिए। रविवार को प्रकाशित एक बयान में, इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चार वीरता पदक का केंद्र सरकार ने किया एक में विलय

नई दिल्ली। केंद्र ने तत्काल प्रभाव से चार मौजूदा राष्ट्रपति वीरता पदक को एक पदक में विलय कर दिया है। अब ये *वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक* नाम से जाना जाएगा। बता दें कि ये चार पदक पुलिस, अग्निशमन सेवा, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा और सुधार सेवा के लिए दिया जाता है।

बदल रहा है मानसून वर्षा पैटर्न : विश्लेषण

नई दिल्ली (हि.स.)। वैज्ञानिकों के एक विश्लेषण में पाया गया है कि देश में दक्षिण-पश्चिमी मानसून में बदलाव हो रहा है, जिसका प्रभाव वर्षा पर पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका कारण जलवायु परिवर्तन हो सकता है। अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने वर्ष 2016 से 2020 तक मार्च से मई के महीनों के दौरान महाराष्ट्र के कोल्हापुर में बादलों की गति और हवा के पैटर्न का अध्ययन किया है। कोल्हापुर अरब सागर के करीब है। इससे पता चला है कि मानसून से पहले के बादलों और इसके प्रसार की दिशा में बदलाव हो रहा है। यह मानसून वर्षा पैटर्न में बड़े बदलाव का संकेत देता है। विज्ञान -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : एनएचआरसी ने केंद्र और राज्य को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने केंद्र सरकार मणिपुर सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी कर अशांत राज्य में शांति बहाली के लिए उठाए जा रहे कदमों को स्पष्ट रूप से बताने के लिए रिपोर्ट सौंपने को कहा है। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। हिंसा की घटनाओं से जुड़े विभिन्न मामलों में एनएचआरसी को अपने पिछले नोटिस के जवाब में मणिपुर सरकार से कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्राप्त हो चुकी है। एनएचआरसी ने मंगलवार को कहा कि राज्य में हिंसा -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम : राहुल ने सीएम पर सांस्कृतिक परंपरा नष्ट करने का लगाया आरोप

एजल (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेता और सांसद राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री और उत्तर-पूर्व डेमोक्रेटिक फ्रंट (नेडा) के संयोजक डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक परंपरा को नष्ट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने धार्मिक कार्ड खेलते हुए कहा कि मिजोरम में धर्म, भाषा सभी पर भाजपा-आरएसएस हमला कर रहे हैं। कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को मिजोरम पहुंचे। आज एजल में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस रणनीति और अन्य कार्यक्रमों के बारे में बात की। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर हमला किया और कहा कि वे पूर्वोत्तर की संस्कृति को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भाजपा मिजोरम को नष्ट करने के लिए क्षेत्रीय दलों का उपयोग कर रही है। सत्तारूढ़ एमएनएफ गठबंधन भागीदार भाजपा अपने व्यक्तिगत राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय दलों को गाली दे रही है। राहुल गांधी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे बंदूकों का प्रशिक्षण देते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और राज्य आरएसएस के अलग-अलग विचार हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

2040 तक चंद्रमा पर पहला भारतीय भेजने का लक्ष्य : पीएम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गगनयान मिशन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान वैज्ञानिकों से कहा कि भारत को 2040 तक चंद्रमा पर एक आदमी भेजने और 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखना चाहिए। वैज्ञानिकों से पीएम मोदी ने नए लक्ष्यों के तहत वीनस ऑर्बिटर मिशन और मंगल लैंडर पर काम करने के लिए भी कहा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि गगनयान मिशन पर पीएम मोदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान, अंतरिक्ष विभाग ने मिशन का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें अब तक विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियां जैसे मानव-रेटेड लॉन्च वाहन और सिस्टम योग्यता शामिल हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट, 18 की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु में शिवकाशी के पास पटाखा बनाने वाली फैक्ट्रियों में मंगलवार को एक के बाद एक दो विस्फोट हुए। इस दौरान कम से कम 18 लोगों की मौत होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, पहला विस्फोट विरुधुनगर जिले में शिवकाशी के पास हुआ। यहां अब तक पांच लोगों की मौत की खबर है। इसके बाद तत्काल अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। दूसरा विस्फोट उसी जिले के कम्मापट्टी गांव में एक अन्य इकाई में हुआ। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि -शेष पृष्ठ दो पर

मौका मिलते ही गुट बनाकर कीमतें बढ़ा देती हैं स्टील और सीमेंट कंपनियां : गडकरी

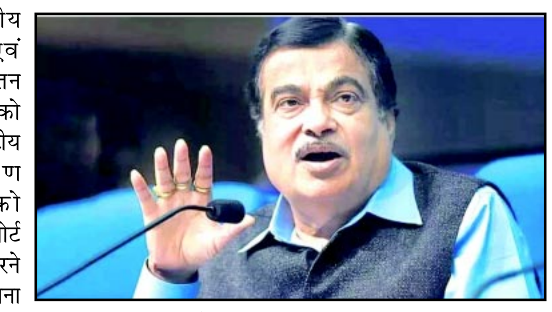

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि संबंधित कंपनियां नई प्रौद्योगिकी अपनाने को तैयार नहीं हैं। गडकरी ने कहा कि सरकार नई प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित कर रही है। *क्रिसिल इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर कान्क्लेव 2023* को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि इस्पात और सीमेंट उद्योग की बड़ी कंपनियां कीमतें बढ़ाने के लिए गुटबंदी (कार्टेल) कर रही हैं। उन्होंने कहा कि स्टील और सीमेंट इंडस्ट्री को जब भी मौका मिलता है, वे गुट बनाते हैं और कीमतें बढ़ा देते हैं। अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने वाले गडकरी ने कहा कि एनएचएआई -शेष पृष्ठ दो पर

समलैंगिक विवाह : एससी के फैसले से कई नाखुश तो किसी को बदलाव की उम्मीद

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह को कानूनी तौर पर वैधता देने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी वैधता देने से इनकार कर दिया है। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 3-2 के बहुमत के फैसले से कहा कि इस तरह की अनुमति सिर्फ कानून के जरिए ही दी जा सकती है और कोर्ट विधायी मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। गौरतलब है कि कोर्ट ने 10 दिनों की सुनवाई के बाद 11 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर याचिकाकर्ताओं की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले से नाखुश हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया कि फैसले में की गई कई टिप्पणियां हमारे पक्ष में थी। हमें इस बात पर खुशी है कि फैसले में मुख्य न्यायाधीश ने वास्तव में इसे *अधिकारों का बंडल* करार दिया। उन्होंने इस दौरान कहा कि हर विवाहित जोड़े के पास जो होना चाहिए वही -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइली हमले में मारा गया हमास का सबसे टॉप कमांडर

तेल अबीब। हमास की सैन्य शाखा *कसाम ब्रिगेड* ने कहा कि मध्य गाजा पट्टी में एक इजराइली हवाई हमले में उसका एक शीर्ष कमांडर मारा गया है। अयमन नोफेल अभी तक गाजा पट्टी पर इजराइली बमबारी में मारा गया हमास का सबसे कुख्यात आतंकवादी है। अबू मोहम्मद के नाम से पहचाना जाने वाला नोफेल मंगलवार को इजराइली हमलों में मारा गया, जिसमें मध्य गाजा पट्टी में बुरेजी शिविर को निशाना बनाया गया। उधर, इजराइल ने दक्षिणी गाजा के इलाकों में बमबारी की, जहां इसने फलस्तीनियों को अपने संभावित आक्रमण से पहले क्षेत्र खाली करने को कहा था। हमले में कई लोग मारे गए हैं। इस बीच, मध्यस्थों को क्षेत्र में परेशान लाखों नागरिकों को राहत सहायता मुहैया करने के लिए गतिरोध तोड़ने में संघर्ष करना पड़ रहा है। हमास चरमपंथियों के हमले के बाद से क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है और यह इजराइली बमबारी का सामना कर रहा है। लेबनान से लगी इजराइल की सीमा पर हिंसा बढ़ने से क्षेत्रीय टकराव का दायरा बढ़ने की चिंताएं पैदा हो गई हैं और राजनयिक इसे रोकने की जद्दोजहद कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि गाजा के दक्षिणी शहर राफा और खान यूनिस में हवाई हमलों में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया गया। हमास के एक शीर्ष अधिकारी और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बसमी नईम ने बताया कि राफा में 27 तथा खान -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कलाकार समाज विकसित भारत का निर्माण करने में अहम भूमिका निभाते हैं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2021 से वहीदा रहमान, आलिया भट्ट, पल्लवी जोशी और आर माधवन सहित फिल्मी जगत के कई कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार वहीदा रहमान को प्रदान किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहीदा रहमान सहित सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि उन्होंने अपनी कला और व्यक्तित्व से फिल्म उद्योग के शिखर पर खुद को स्थापित किया है। फिल्म बिरादरी और कलाकारों को परिवर्तन लाने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी फिल्मों के माध्यम से भारतीय समाज की विविध वास्तविकता का जीवंत परिचय देते हैं और विकसित भारत के निर्माण करने में अहम भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि फिल्मी कलाकारों ने अपने निजी जीवन में भी एक गरिमामय, आत्मविश्वसी और मौलिकता वाली महिला के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कई फिल्में चुनीं, जिनमें उनकी भूमिकाओं ने आमतौर पर महिलाओं से जुड़ी कई बाधाओं को तोड़ दिया। वहीदा जी ने एक मिसाल कायम की है कि महिला सशक्तीकरण के लिए महिलाओं को खुद भी पहल करनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि पुरस्कार समारोह भारत की विविधता और उसमें निहित एकता की तस्वीर पेश करता है। उन्होंने कहा कि समारोह में उपस्थित प्रतिभाशाली लोगों ने कई भाषाओं, क्षेत्रीय विशेषताओं, सामाजिक मान्यताओं, उपलब्धियों और समस्याओं को सार्थक अभिव्यक्ति दी है और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में कई पीढ़ियों और वर्गों के लोग एक साथ आए हैं। फिल्म बिरादरी और कलाकारों को परिवर्तन लाने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी फिल्मों के माध्यम से भारतीय समाज की विविध वास्तविकता का जीवंत परिचय देते हैं। उन्होंने कहा कि सिनेमा हमारे समाज का दस्तावेज भी है और उसे सुधारने का माध्यम भी है और उनका काम लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का भी है। उन्होंने विश्वस व्यक्त किया कि प्रतिभा से समृद्ध देश में सिनेमा से जुड़े लोग विश्व स्तरीय उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करते रहेंगे और विकसित भारत के निर्माण में फिल्में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारतीय फिल्म उद्योग पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि आज कुछ भी क्षेत्रीय नहीं है। यदि सामग्री अच्छी है तो क्षेत्रीय सामग्री को भी वैश्विक दर्शक मिलेंगे। वहीदा रहमान के बारे में अनुराग ठाकुर ने कहा कि चूंकि भारतीय फिल्में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को पार करती हैं, इसलिए प्रसिद्धि का दावा उनके लिए भी आरक्षित है। उन्होंने उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पाइरेसी को रोकने के लिए सरकार अपने प्रयासों में उद्योग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और वह सिनेमैटोग्राफ अधिनियम लेकर आई है, जो इस खतरे को रोकने के लिए एक बड़ा कदम है। भारत में एवीजीसी क्षेत्र की क्षमता के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार इस पर एक नीति लाने जा रही है और इससे भारत को *दुनिया के सामग्री केंद्र* के रूप में अपनी क्षमता को विकसित करने में मदद मिलेगी। समारोह में सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि साल 2021 में कोरोना का वर्ष था, जब सिनेमा हॉल बंद थे और उद्योग संघर्ष कर रहा था। इससे जल्दी ही उबर के आ गए। अब देश और फिल्म उद्योग दोनों विकास की राह पर वापस आ गए हैं और पिछली तिमाही भारत के फिल्म उद्योग के लिए सबसे अच्छी रही है। उन्होंने कहा कि जहां बॉक्स ऑफिस पर सफलता महत्वपूर्ण है, वहीं फिल्म पुरस्कार गुणवत्ता का जश्न मनाते हैं। इस मौके पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, जूरी के अध्यक्ष, पुरस्कार विजेता, अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

21 को इसरो लॉन्च करेगा पहली परीक्षण उड़ान

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि गगनयान मिशन के तहत 21 अक्तूबर को परीक्षण उड़ान लांच करेगा। टेस्ट व्हीकल अबार्ट मिशन-1 (टीवी-डी 1) के साथ क्रू एस्केप सिस्टम का इनफ्लाइट एबार्ट टेस्ट किया जाएगा। इसका उद्देश्य गगनयान मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। परीक्षण के दौरान माड्यूल को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा। इसके साथ इसे पृथ्वी पर वापस लाकर बंगाल की खाड़ी में उतारा जाएगा। गगनयान मिशन के तहत तीन अंतरिक्षयात्रियों के दल को 400 किमी की कक्षा में ले जाया जाएगा। इसके बाद उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाकर भारत मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करेगा। टीवी-डी1 परीक्षण उड़ान 21 अक्तूबर, 2023 को सुबह सात बजे से नौ बजे के बीच एसडीएससी-एसएचएआर, श्रीहरिकोटा से निर्धारित है। इससे पहले इसरो प्रमुख सोमनाथ ने शनिवार को कहा था, पहली परीक्षण उड़ान के बाद हमने तीन और परीक्षण मिशनों, डी2, डी3, डी4 की योजना बनाई है। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि शतरंज ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनानंद युवाओं के बीच विज्ञान व प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए इसरो के साथ काम करेंगे। उन्होंने युवा शतरंज खिलाड़ी प्रगनानंद से उनके आवास पर मुलाकात के बाद कहा, हमें गर्व है कि हमारे पास एक प्रज्ञान चंद्रमा पर है और जमीन पर प्रगनानंद हैं। हमने भारत के लिए जो चंद्रमा पर किया है, वह उन्होंने धरती पर किया है। मुझे खुशी है कि प्रगनानंद भारत को गौरवशाली व शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए हमारे साथ मिलकर युवाओं को पाठ्यक्रम में विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विषय लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

जंगली हाथी के हमले में महिला की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा के भालुकडूबी में आज एक दुखद घटना घटी। जंगली हाथी के हमले में एक महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान मेहबुबा आलम अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि महिला का घर ग्वालपाड़ा शहर के कल्पना नगर में है। जंगली हाथी ने आज उस समय हमला किया जब महिला मार्निंग वॉक कर रही थी।

जीडीएस के लिए भर्ती नियम में सुधार की अपील

इटानगर (हिंस)। डाक विभाग की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसीपीडीएफ) ने मंगलवार को राज्य सरकार से ग्रामीण डाक सेवा की भर्ती के लिए अगले विज्ञापन से पहले राज्य में ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) के लिए भर्ती नियम (आरआर) में सुधार करने की अपील की। अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए जेएसीपीडीएफ के सदस्य राज पाओ ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के इच्छुक उम्मीदवारों के कोटे के तहत भर्ती नियम में सुधार की आवश्यकता है। 2596 जीडीएस पदों की 5वीं चयन अधिसूचना को सूचीबद्ध करने से पहले सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अरुणाचल प्रदेश के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए अधिवास/निवास प्रमाण पत्र को शामिल करने के लिए डाक विभाग को एक सिफारिश भेजनी चाहिए। पाओ ने कहा कि 26 प्रमुख जनजातियों की स्थानीय बोलियों में से किसी एक के ज्ञान को शामिल करने की सिफारिश अनिवार्य की जानी चाहिए। राज्य के बेरोजगार युवाओं के व्यापक हित के लिए मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए राज्य सरकार को अनुस्मारक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करते हुए, जेएसीपीडीएफ के सदस्य जापोंग लोवांग ने राज्य सरकार को पूर्वी बंगाल फ्रंटियर विनियमन अधिनियम 1873 और चीन हिल्स अधिनियम 1896 का पालन करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार अन्य राज्यों से नियुक्त कई उम्मीदवारों के पास इनर लाइन परमिट (आईएलपी) नहीं था, जो राज्य में प्रवेश के लिए नियम का उल्लंघन है। इस बीच, जेएसीपीडीएफ ने राज्य के गांवबूढ़ा से केवल अरुणाचली उम्मीदवारों के लिए आरपीसी जारी करने की भी अपील की। अपने आरपीसी को रद्द करने के लिए जंतर मंतर (नई दिल्ली) में गैर-अरूणाचली द्वारा किए गए विरोध पर बोलते हुए, जेएसीपीडीएफ ने कहा कि उनके पास जीडीएस पदों के लिए आवेदन करने वाले बाहरी लोगों के प्रति कोई व्यक्तिगत शिकायत या दुश्मनी नहीं है, लेकिन वे सिस्टम के खिलाफ लड़ रहे हैं। प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को न्याय दिलाएं।

लुंगी-टोपी कहां पहनते हैं कांग्रेस जानती है : जयंतमल्ल

दरंग (हिंस)। असम सरकार के मंत्री जयंतमल्ल बरुवा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी यह एकदम सही जानती है कि चर (नदी का छाड़न वाला इलाका) के लोग लुंगी-टोपी कहां पहनते हैं। लेकिन, कांग्रेस को मिसिंग चांगों में घूमने से पहले कम से कम यह तो सीखना चाहिए था कि मिसिंग लोगों की क्या परंपराएं हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता परंपरा को नहीं जानने के कारण ही अपने सिर पर लिए जाने वाले कपड़े को बिछाकर बैठे। कांग्रेस नेता बांग्लादेशी मुसलमानों को संतुष्ट करते करते यह भूल गए हैं कि असमिया संस्कुति क्या है। इसलिए कांग्रेस नेता असमिया लोगों के बीच जाने के बजाय, चर के लोगों के पास जाएं। मंत्री जयंतमल्ल बरुवा ने दरंग जिले के मंगलदै कॉलेज मैदान में आयोजित महिला ऋण विमोचन समारोह के बाद में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए ये बातें कही।

नए पाठ्यक्रम का रोडमैप तैयार, दो हिस्सों में लागू होगा सिलेबस : केंद्रीय शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत तैयार किए जा रहे नए पाठ्यक्रम को स्कूली शिक्षा में बड़े गेमचेंजर के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में यह कब से और कैसे लागू होगी इसको लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को स्कूलों में इसके अमल का पूरा रोडमैप सामने रखते हुए बताया कि स्कूलों में वैसे तो शैक्षणिक सत्र 2024-25 यानी अगले साल से इसके अमल की शुरूआत हो जाएगी। लेकिन यह दो चरणों में लागू होगी। पहले चरण में इसे सिर्फ छह कक्षाओं में ही लागू किया जाएगा, जो तीसरी, चौथी, पांचवीं, छठी, नौवीं और ग्यारहवीं की कक्षाएं होगी। वहीं दूसरे चरण यानी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में इसे बाकी चार कक्षाओं में यानी सातवीं, आठवीं, दसवीं और बारहवीं में लागू किया जाएगा। इस तरह से स्कूलों में नए पाठ्यक्रमों को दो सालों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान मंगलवार को नए स्कूली पाठ्यक्रम सहित शिक्षा सुधार को लेकर चर्चा कर रहे थे। पाठ्यक्रम को तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। ऐसे में यह शैक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू होना शुरू हो जाएगी और अगले दो सालों में पूरी तरह से लागू कर दी जाएगी। नए ढांचे में स्कूली शिक्षा चार चरणों में हो गई है। पहला बुनियादी, दूसरा प्रारंभिक, तीसरी मिडिल और चौथा सेकेंडरी है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य मंत्रिमंडल ने ...

शिलान्यास करने का भी निर्णय लिया गया। इनमें से एक सौ का निर्माण चाय बागान क्षेत्रों में पूरी तरह से नए स्कूलों के रूप में किया जाएगा। साथ ही पुराने स्कूल भवनों के नवीनीकरण के लिए प्रत्येक को 7 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। इसका शिलान्यास 25 दिसंबर से 10 जनवरी के बीच किया जाएगा। इस अवधि के दौरान सभी कैबिनेट मंत्री नामित गांवों में पांच दिन और पांच रातें बिताएंगे। यह मंत्री कल्याणकारी योजनाओं के व्यावहारिक कार्यान्वयन का आकलन करेंगे। दुर्गा पूजा के अवसर पर 6,953 पूजा समितियों में से प्रत्येक को 10 हजार रुपए दिया जाएगा। यह अनुदान तीन वर्ष पुरानी पूजा समितियों को मिलेगा। एचपीसीएल की संपत्तियों के कुशल उपयोग के लिए परिसंपत्ति अधिग्रहण और सहायता पैकेज के पुनर्भुगतान के लिए असम सरकार ने एआईडीसी में असम सरकार के 758.75 करोड़ रुपए के निवेश को इक्विटी निवेश में परिवर्तित किया जाएगा। असम सरकार के प्रस्तावित निवेश के लिए एआईडीसी की अधिकृत शेयर पूंजी सीमा मौजूदा 150 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1 हजार करोड़ रुपए की जाएगी। यह कदम एआईडीसी को एक प्रमुख औद्योगिक विकास निगम के रूप में मजबूत करना है। कैबिनेट ने राज्य में केस प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए असम राज्य अनुकूलन सेवा नियम, 2023 तैयार करके अभियोजन सेवाओं का एक नया कैडर बनाने का भी निर्णय लिया। असम राज्य अनुकूलन सेवा के नियम तैयार करके प्रतिस्पर्धी वेतनमान के साथ सार्वजनिक अधिवक्ताओं, अतिरिक्त लोक अधिवक्ताओं, विशेष लोक अधिवक्ताओं और सहायक लोक अधिवक्ताओं का एक नियमित कैडर बनाया जाएगा।

राज्य के सभी पूजा ...

परंपरागत रूप से, दुर्गा पूजा पूरे 10 दिनों तक मनाई जाती है, आधिकारिक तौर पर पंडाल छठे दिन से सार्वजनिक दर्शन के लिए खुलते हैं, जिसे षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष, गुवाहाटी में विभिन्न उच्च-बजट थीम वाले पंडाल हैं जिनमें देवी दुर्गा और उनके चार बच्चों की मूर्तियां हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे पौराणिक लोककथाओं के अनुसार अपने मायके पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं।

योजनाओं के कार्यान्वयन ...

लिया गया कि सभी मंत्री 25 दिसंबर से 10 जनवरी के बीच पांच दिन और पांच रातों के लिए किसी एक विशेष गांव में रहेंगे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर लिखा कि पांच अलग-अलग क्षेत्रों से इन गांवों को चुना जाएगा। मंत्रिमंडल ने *मिशन वसुंधरा 2.0* के तहत शहरी क्षेत्रों में बसने के उद्देश्यों के लिए 123 आदिवासियों और भूमिहीन परिवारों के लिए भूमि की बंदोबस्ती को भी मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने सजा की दर बढ़ाने के लिए असम राज्य अभियोजन सेवा नियमावली, 2023 तैयार करके अभियोजन सेवा का एक नया कैडर बनाने को मंजूरी दी है, जिसमें नियुक्त किए गए लोग नियमित सरकारी कर्मचारी होंगे। एक अन्य फैसले में, मंत्रिमंडल ने 24-मेगावाट की कारबी लांगपी मिड्ल जलविद्युत परियोजना की संशोधित लागत के तौर पर 417.32 करोड़ रुपए को मंजूरी दे दी।

मणिपुर : एनएचआरसी ने ...

से जुड़ी घटनाओं के संबंध में कानून व्यवस्था को मजबूत करने, राहत शिविर व शांति कमेटी बनाने, कर्फ्यू में ढील देने, सीमित मात्रा में इंटरनेट व बैंकिंग सेवाओं को बहाल करने मृतकों के परिवारों को अनुग्रह राशि, घायलों के लिए मुआवजा पैकेज और क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण संबंधी आदि कदम उठाए गए हैं। यह भी बताया गया कि केंद्र ने संघर्ष के कारणों की तह तक पहुंचने के लिए जांच आयोग का गठन किया है और छह एफआईआर को जांच के लिए सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया गया है। आयोग ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के सचिव, मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव व डीजीपी से विभिन्न मामलों में एटीआर तलब की है।

मिजोरम : राहुल ने सीएम...

राहुल ने कहा कि वे *विपक्षी गठबंधन* के विचार को नष्ट करने के लिए काम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे विचार विकेंद्रीकृत हैं, जबकि भाजपा के सभी निर्णय केंद्र से लिए गए थे। उन्होंने धार्मिक कार्ड खेलते हुए कहा कि धार्मिक आधार, भाषा सभी पर आरएसएस द्वारा हमला किया जाता है। आरएसएस को लगता है कि देश को एक आदर्श द्वारा शासन किया जाना चाहिए। और हम चाहते हैं कि मिजोरम के लोग सीधे दिल्ली द्वारा संचालित किए बिना अपनी विचारधारा व्यक्त करें। गांधी ने कहा कि कांग्रेस सरकार विभिन्न राज्यों में चल रही है। सफल मॉडल राजस्थान में पारंपरिक स्वास्थ्य मॉडल जैसे कुछ अन्य राज्यों में काम कर रहे हैं। इसलिए अगर उनकी पार्टी मिजोरम में सत्ता में आती है, तो उन सफल मॉडलों को राज्य के लिए लॉन्च किया जाएगा। कर्नाटक का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हमने कर्नाटक में एक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाई है, जो राज्य के कमजोर हिस्से की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक क्विंटल चावल की कीमत दो हजार रुपए है, जो मुझे विश्वस है कि पूरे देश के किसानों के लिए सबसे अच्छी कीमत है। उत्साह और कमजोर वर्गों को बैंकिंग सहायता, तकनीकी सहायता के लिए सहायता प्रदान करना हमारे दृष्टिकोण का हिस्सा हैं। संवाददाता सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा मणिपुर में स्थानीय दलों का उपयोग करके हिंसा फैला रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजरायल के बारे में चिंतित हैं। हालांकि, मणिपुर के संदर्भ में उन्हें पिछले पांच महीनों में एक मिनट के लिए मणिपुर आने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। कुछ महीने पहले मैं मणिपुर गया था। तब मैंने जो देखा, उससे मैं हैरान था। भाजपा ने मणिपुर में व्यक्तिगत संस्कृति की अवधारणा को मार दिया है। मणिपुर को अब दो राज्यों में विभाजित किया गया है। राहुल ने कहा कि जब मैं 5 साल का था, तो मैं पहली बार मिजो संधि के बाद अपने पिता प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ मिजोरम आया था। उसके बाद मैं कुछ और बार आया हूं, मैंने सांस्कृतिक परंपरा, धर्म (ईसाई), भाषा के साथ एकजुट होने की कोशिश की है।

इजराइल ने कोलंबिया ...

सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का हालिया बयान यहूदी विरोधी भावनाओं को भड़काता है और कोलंबिया में रह रहे यहूदी समुदाय की सुरक्षा को खतरा है। इजरायली सरकार ने कहा कि कोलंबिया के राजदूत को एक बैठक में बुला कर बता दिया गया कि दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग निलंबित कर दिया जाएगा। कोलंबिया के वर्तमान में इजराइल और फलस्तीनी प्राधिकरण, दोनों के साथ राजनयिक संबंध हैं और पिछले दो दशकों से यह लातिन अमेरिका में इजराइल के करीबी साझेदारों में से एक रहा है।

2040 तक चंद्रमा...

पीएमओ के अनुसार, ह्यूमन रेटेड लॉन्च व्हीकल (एचएलवीएमएक्स) के तीन अनक्रूड मिशनों सहित लगभग 20 प्रमुख परीक्षणों की योजना बनाई गई है। बैठक में मिशन की तैयारियों का मूल्यांकन किया गया और 2025 तक इसके लॉन्च करने की पुष्टि की गई। बैठक में पीएम मोदी ने निर्देश दिया कि भारत को अब नए और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों पर काम करना चाहिए, जिसमें 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना और 2040 तक चंद्रमा पर इंसान को भेजना शामिल है। भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों के भविष्य पर एक बैठक के दौरान पीएम मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों से अंतरग्रहीय मिशनों की दिशा में काम करने का आह्वान किया, जिसमें एक वीनस ऑर्बिटर मिशन और एक मंगल लैंडर शामिल होगा।

पटाखा फैक्ट्रियों में ...

धमाकों से अब तक 13 लोगों की जान जा चुकी है। मौके पर अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौजूद हैं। विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इससे पहले अरियालूर जिले में नौ अक्तूबर को एक पटाखा इकाई में आग लग गई थी। इसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शोक व्यक्त कर पीड़ित परिवारों के लिए नकद राहत की घोषणा की थी। घटना जिले के विरागलुर गांव में एक निजी इकाई में हुई थी। मुख्यमंत्री ने बताया था कि पांच घायल लोगों को तंजावुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचाव और राहत गतिविधियों में तेजी लाने के लिए अपने कैबिनेट सहयोगियों एसएस शिवशंकर और सीवी गणेशन को तैनात किया था। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को तीन-तीन लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को एक लाख रुपए और सामान्य रूप से घायल हुए लोगों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी।

मौका मिलते ही ...

के लिए डीपीआर तैयार करना एक बड़ी समस्या है। किसी भी परियोजना में कहीं भी कोई सटीक डीपीआर नहीं है। उन्होंने कहा कि डीपीआर बनाते समय वे (डीपीआर बनाने वाली कंपनियां) नई प्रौद्योगिकी, नवाचार, नए शोध को अपनाने को तैयार नहीं हैं और यहां तक कि डीपीआर का मानक इतना कम है कि हर जगह सुधार की गुंजाइश है। गडकरी ने कहा कि एक समय 50 बड़े ठेकेदार थे, जिन्हें सड़क निर्माण का ठेका मिलता था। मुझे यह सही नहीं लगा, इसलिए मैंने प्रौद्योगिकी और वित्तीय मानदंडों को उदार बनाया, जिसके चलते आज हमारे पास 600 बड़े ठेकेदार हैं। गडकरी ने कहा कि हमें गुणवत्ता और लागत के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। यह एक बड़ी चुनौती भी है। उन्होंने बताया कि भारत में लाजिस्टिक्स लागत 14-16 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह 8-10 प्रतिशत है। गडकरी ने कहा कि हमारा लक्ष्य 2024 के अंत तक भारत की लाजिस्टिक्स लागत को एक अंक में लाना है। उन्होंने बताया कि सरकार देश में एथनाल पंप शुरू करने की योजना बना रही है।

समलैंगिक विवाह : एससी ...

इन समलैंगिक जोड़ों के लिए उपलब्ध होना चाहिए। मीडिया से बातचीत के दौरान गीता लूथरा ने यह बात कही। बता गीता लूथरा समलैंगिक मामले में कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुई थी। अन्य याचिकाकर्ता हरीश अय्यर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारे पक्ष में नहीं है, हालांकि मामले में की कई टिप्पणियां हमारे पक्ष में थी। जिसकी जिम्मेदारी भी केंद्र सरकार पर डाल दी है। अय्यर ने कहा कि हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी चुनी हुई सरकार, सांसदों और विधायकों के पास जाएं और उन्हें बताएं कि हम दो लोगों की तरह अलग हैं। इसमें कुछ समय लग सकता है लेकिन हमें सामाजिक समानता मिलेगी। अन्य याचिकाकर्ताओं में से एक और कार्यकर्ता अंजलि गोपालन ने कहा कि वह समलैंगिक विवाह समानता के फैसले से निराश हैं, लेकिन जो महत्वपूर्ण था वह यह था कि ट्रांस समुदाय के सदस्यों के विवाह की वैधता को स्पष्ट किया गया। मुझे लगता है कि कम से कम ट्रांस समुदाय के लिए, स्पष्टता है, जो कि एक अच्छी बात है, और साथ ही भेदभाव की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है।

इजराइली हमले में ...

यूनिस में 30 लोग मारे गए हैं। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक संवाददाता ने देखा कि करीब 50 शवों को खान यूनिस में नसीर हॉस्पिटल लाया गया। खून से सनी चादरों में लिपटे शवों को लेने के लिए परिवार के सदस्य वहां आये हुए थे। देइर अल बला में एक हवाई हमले ने एक मकान को मलबे में तब्दील कर दिया। उसमें रह रहे एक परिवार के नौ सदस्य मारे गए। गाजा सिटी से बचा कर लाये गए एक अन्य परिवार के तीन सदस्यों को इसके पड़ोस में स्थित एक घर में रखा गया था, वे भी इस हमले में मारे गए। मृतकों में एक पुरुष और 11 महिलाएं तथा बच्चे शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई थी। इजराइली सेना ने कहा कि वह हमास के ठिकानों, बुनियादी ढांचों और कमान केंद्रों को निशाना बना रही है। इजराइली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेच ने कहा कि जब हम एक लक्ष्य देखते हैं, जब हम किसी चीज को हरकत करते देखते हैं तो उसे हमास समझते हैं। हम इससे निपटेंगे। इजराइल ने अपने दक्षिणी हिस्से में सात अक्तूबर को हुए हमले में 1,400 से अधिक लोगों के मारे जाने के बाद से हमास शासित गाजा की घेराबंदी की और बमबारी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में इजराइली हमले में कम से कम 2,778 लोग मारे गए हैं और 9,700 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार, मृतकों में दो-तिहाई बच्चे हैं। अधिकारियों ने बताया कि गाजा में और 1,200 लोग मलबे में दफन हो गए। आपात सेवा दलों को लोगों को बचाने में मशक्कत करनी पड़ रही है क्योंकि ईंधन की कमी हो गई है और वे हवाई हमलों का सामना कर रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को इजराइली लड़ाकू विमानों ने गाजा शहर में नागरिक रक्षा मुख्यालय पर हमला किया, जिसमें सात चिकित्साकर्मी मारे गए। इसके अलावा, चिकित्सा सेवा प्रदान कर रहे 10 चिकित्साकर्मी और चिकित्सक भी मारे गए हैं। इजराइल ने जमीनी हमले के लिए सीमा पर काफी संख्या में सैनिकों को भेजा है, लेकिन हेच ने मंगलवार को कहा कि इस सिलसिले में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को तैयार किया जा रहा है। उन पर फैसला किया जाएगा, और हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पेश किया जाएगा। हवाई हमले, आवश्यक वस्तुओं की कमी, और नागरिकों को दिए गए गाजा पट्टी के उत्तरी क्षेत्र को खाली करने के इजराइल के आदेश ने 23 लाख की आबादी वाले इस क्षेत्र का संकट बढ़ा दिया है।

बदल रहा है ...

और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान (आईआईजी) के वैज्ञानिकों ने कोल्हापुर में क्लाउड ट्रेसिंग के लिए सभी स्काई इमेजर डेटा (एएसआई) का उपयोग किया है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि वर्ष दर वर्ष बादलों के प्रसार की दिशा दक्षिण की ओर मुड़ रही है। मार्च और अप्रैल महीने के आंकड़ों में यह अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इसका बड़े जलवायु परिवर्तन से संबंध हो सकता है।

सांसद प्रद्युत ने संसद पूंजी से मारवाड़ी शमशान परिसर पर खोड़ी के गोदाम की रखी नींव

होजाई (निसं)। जीवन की अंतिम यात्रा शमशान भूमि में आकर समाप्त होती है इसलिए इसके रख-रखाव में लोगों को सहयोग करना चाहिए उक्त बातें आज मारवाड़ी पंचायती द्वारा संचालित भूतनाथ शमशान में आयोजित सभा में नगांव के सांसद प्रदुत बरदलई ने संसद पूंजी से 10 लख रुपए से मारवाड़ी शमशान परिसर पर खोड़ी के गोदाम की नींव रखते हुए कही। उन्होंने कहा मेरे मित्र स्वर्गीय प्रदीप सुरेखा ने संसद पूंजी से शमशान के उन्नयन में सहयोग करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा की पहले मुझे मालूम नहीं था की मारवाड़ी पंचायती का अपना शमशान घाट है। इसके सौंदर्यकरण पर आप सब स्थानीय विधायक के साथ-साथ और भी लोगों से संपर्क कर आगे बढ़े तब कहीं जाकर यह योजना पूर्ण होगी। सांसद का दायरा काफी लंबा है जिसके चलते फिलहाल में इससे ज्यादा धन आवंटित नहीं कर सकता फिर भी इसके सौंदर्य करण हेतु 5 सोलर लाइट की व्यवस्था करूंगा। सांसद बरदलई ने यह भी कहा की संसद पूंजी का सदुपयोग करें ताकि शमशान का विकास सुंदर ढंग से हो सके। इस अवसर पर मारवाड़ी पंचायती के उपाध्यक्ष मोहन मोर की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कांग्रेस जिला सभापति के बिस्वजीत देव राय, होजाई पौरसभा के पूर्व सभापति अमरचंद दे, इस्लाम नगर के पूर्व कांग्रेस जिला परिषद के सदस्य नूर अहमद, कांग्रेस के पदाधिकारी देबू साह के साथ कई कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान समाजसेवी कामाख्या लाल सरावगी अभी मंच पर आसीन थे साथी मारवाड़ी समाज से कई विशिष्ठ जन उपस्थित थे व कार्यक्रम का संचालन मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निरंजन सरावगी ने किया।

एमएनएफ के सहारे मिजोरम में घुसना चाह रही भाजपा : राहुल

एजल (हिंस)। कांग्रेस नेता एवं सांसद रहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के कंधे पर सवार होकर राज्य में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। राहुल ने कहा कि भाजपा के लिए मतदान का अर्थ है, भाजपा (जोरामथांगा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी) या जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के लिए मतदान। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा को पता है कि एमएनएफ

या जेडपीएम, यदि इनमें से कोई भी समूह मिजोरम में सत्ता में बैठता है, तो राज्य में अपना काम करना आसान होगा। राहुल गांधी ने राज्य के लोगों को समझाने की कोशिश की है कि भाजपा लंबी योजनाओं पर काम करती है। राज्य में यदि एमएनएफ या जेडपीएम जीतता है तो भाजपा बहुत खुश होगी। नरेंद्र-अमित शाह की पार्टी आपकी संस्कुति, आपके धर्म, आपकी परंपरा पर आक्रमण करना जारी रखेगी। राहुल गांधी राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार अभियान पर थे। राहुल मंगलवार को एक स्कूटर से पूर्व मिजोरम के मुख्यमंत्री लाल थाहावाला के निवास पर पहुंचे। कांग्रेस ने इस साल के विधानसभा चुनाव में पांच बार के मुख्यमंत्री लाल थान्वाला को टिकट नहीं दिया।

सैकड़ों जानेमाने लोग भाजपा में हुए शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के वशिष्ठ स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता की उपस्थिति में एक समारोह आयोजित किया गया। भ्रष्टाचार विरोधी मंच के अध्यक्ष धर्मकांत गोगोई सहित सौ से अधिक कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों के साथ-साथ मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में मजबूत काम से आकर्षित होकर भाजपा के सदस्य के रूप में पदभार संभाला। पार्टी में नए चेहरों का स्वागत करते हुए भवेश कलिता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में देश आज दुनिया की सबसे शक्तिशाली ताकतों में से एक बन गया है। देश का हर नागरिक अब विकास का चेहरा देख रहा है।

अग्रवाल युवा परिषद ने मनाई अग्रसेन जयंती

गुवाहाटी (विभास)। अग्रवाल युवा परिषद(आयुप) गुवाहाटी ने हर्षोल्लास के साथ अग्रसेन जयंती मनाई। आयुप का अग्रसेन जयंती कार्यक्रम दो चरणो में आयोजित किया गया। प्रथम चरण में ध्वजारोहण और दीपप्रज्वलन का कार्यक्रम श्री गौहाती गौशाला में आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल ने स्वागत भाषण से किया और सभी समजबंधु और अग्रबंधु को अग्रसेन जी की बधाई से की। तत्पशचत ध्वजारोहण और दीपप्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में श्री गौहाती गौशाला के ट्रस्टी प्रदीप भुअलका ने मुख्य अथिति के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का द्वितीय चरण की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलन करके हुआ। कार्यक्रम में असम बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम अर्जित करने पर नन्हे अग्रवाल बच्चो को सम्मानित किया। सभी बच्चे को उनकी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी दिया गया। क्कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में राकेश अग्रवाल (आईएएएस) कमिश्नर ऑफ टैक्सेस एंड एक्साइज उपस्थित हुए। राकेश अग्रवाल ने सभी को अग्रसेन जयंती की बधाई दी और नन्हे बालकों को भी उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने लीक से हटकर उपलब्धि हासिल करने पर सभी बच्चों का उत्साह भी बढ़ाया। श्री अग्रवाल ने अग्रसेन जी मुल सिध्दांतों को याद करने और उनपर अमल करने पार जोर दिया। तत्पशचत कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण *अग्रसेन जी की जीवनी पर नित्य नॉटक* का आरंभ हुआ। नित्य नाटिका की टीम का नेतृत्व श्री विजय गर्ग, कोलकाता ने किया और बहुत ही अद्भुत कार्यक्रम पेश किया। कार्यक्रम में समाज बहुत से गणमान्य हस्तियां उपस्थित हुई। पूर्वोत्तर प्रदेशीय

मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कैलाश काबरा, पूर्वोत्तर पर्देशीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष पंकज जालान, महेन्द्र मित्तल, निरंजन सिकरिया, प्रदीप भुअलका, मनोज गोयल, सारण अधर बाजोरिया, सज्जन जाजोदिया आदि कार्यक्रम में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में परिषद के सालकर, पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ सदस्यों ने भी समारोह का आनंद लिया। तत्पशचत सदस्यों के लिए डांडिया का कार्यक्रम हुआ। अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल ने सभी समाजबंदुओं को कार्यक्रम में आने के लिए आभार व्यक्त किया। अंत में सचिव कुणाल जाजोदिया ने कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती श्रुति अग्रवाल संयोजक प्रतीक जालान और आयुष गुप्ता को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बहुत बधाई।

नगरबेड़ा एचएस स्कूल का नवागंतुक स्वागत समारोह

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्वागत सभा का आयोजन आज एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य धनेश्वर दास ने प्रात: 9 बजे ध्वजारोहण किया। इसके बाद वृक्षारोपण किया जिनमें सेवानिवृत्त विषय शिक्षक किशोर दास, विपुल कुमार मेधी, सेवानिवृत्त सहायक अध्यापक जय चंद्र कलिता, शिक्षक अब्दुल जब्बार, प्रणिता डेका, वंदना नाथ शामिल थे। सुबह 10.00 बजे विद्यालय के शिक्षक मंगल ठाकुर द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक अजीत कुमार दास, दीपाली नाथ, बिजोन दास, प्रतिभा दास, हेरम्बा पाठक, मोजम्मिल हक, कुष्णा ठकुरिया, पल्लबी दास, डली दास ने किया। इसके बाद दोपहर 12.00 बजे स्कूल के प्रिंसिपल धनेश्वर दास की अध्यक्षता में एक खुली बैठक और मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उद्देश्य छात्र एकता सभा के उपाध्यक्ष भार्गव तालुकदार ने समझाया, जबकि संस्थान के शिक्षक अब्दुल जब्बार ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर नगरबेड़ा डोकुची मॉडल स्कूल के प्राचार्य डॉ. रमन बायन, नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिनेश कलिता, नगरबेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पूर्व प्राचार्य मदन पाठक, विद्यालय की प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष कंदर्प कलिता, नगरबेड़ा मौजा समिति के सचिव भावेश तालुकदार अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बैठक में वर्ष 2022 में हायर सेकेण्डरी फाइनल एग्जाम पास करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बैठक के अंत में आयोजित संगीत कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकार राम किशन और सुमन सुरेजा ने प्रस्तुति दी।

महिलाओं को स्वावलंबी बना रही लायंस उमंग : अभिनेत्री निशिता गोस्वामी

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग शानदार कार्य कर रही है। यह बात जानी-मानी अभिनेत्री निशिता गोस्वामी ने कहीं। बतौर मुख्य अतिथि लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से आयोजित वार्डरोब स्टोरी 3.0 नामक प्रदर्शनी सह बिक्री का उद्घाटन करने पहुंची। निशिता ने लायंस उमंग के सामाजिक व मानव सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में महिलाएं किसी से कम नहीं है। लायंस उमंग ने इस प्रदर्शनी का आयोजन कर महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का कार्य हाथ में लिया है, वह काबिले तारीफ है। कार्यक्रम संयोजिका रितु बंका ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में एटी रोड स्थित होटल विश्वरत्न में एक दिवसीय वार्डरोब स्टोरी 3.0 नामक इस प्रदर्शनी का उद्घाटन अभिनेत्री निशिता गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर

लायंस वीडीजी प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका, पूर्व जिलापाल क्रमशः राजकुमार मौर, राधा अग्रवाल, सुधीर चौधरी, एलएन अग्रवाल, मंदिरा चंदा, जीएसटी समन्वयक दिलीप सराफ, कैबिनेट कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, जीएमटी समन्वयक सुरेश गग्गड़, सीआईएफ समन्वयक मनोज भजनका, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन (इंटरनेशनल कंवेंशन) रतन गोयनका, जीईटी समन्वयक सुजीत बुखरेड़िया, रिजन चेयरपर्सन तापश शाह, लायंस गौहाटी के अध्यक्ष अजय पोद्दार, लायंस सहयोग के अध्यक्ष शुकांत विश्वास सहित अन्य क्लबों से आए पदाधिकारी मौजूद थे। अध्यक्ष श्रीमती कंचन पोद्दार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के आह्वान का समर्थन करते हुए लायंस उमंग ने इसी थीम पर प्रदर्शनी आयोजित की। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी आज सोशल मीडिया पर वोकल फॉर लोकल का समर्थन किया, जो क्लब की दूरदर्शी सोच व कार्यप्रणाली पर मोहर लगाता है। उन्होंने बताया कि लायंस उमंग की ओर से इस एक दिवसीय प्रदर्शनी में स्थानीय पारंपरिक असमिया परिधानों से लेकर मौजूदा लेटेस्ट ट्रेंड के फैशनेबल परिधानों के स्टाल लगाए गए हैं। जिसमें बुटीक निर्मित साढ़ियां, सलवार सूट, फैंसी कुर्ती, आभूषण, बेड शीट, बेड कवर, बंदनवार सहित घरेलू सजा के सामान उपलब्ध थे। इस प्रदर्शनी में के माध्यम से महिलाओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया, जो उन्हें आगे बढ़ने में काफी मददगार साबित होगा। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती रितु बंका ने बताया कि इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में सह संयोजिका कुसुम जैन, सरिता गाड़ोदिया, आरुषी सोनी व अंजू अग्रवाल सहित उमंग की सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी से आय होने वाली संपूर्ण राशि को क्लब समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में वर्ष भर खर्च करती हैं।

बाल विवाह मुक्त असम के लिए 20 जिलों में निकाले मशाल जुलूस, लाखों ने ली शपथ

गुवाहाटी। किसी सामाजिक मुद्दे पर पहले शायद ही देखी गई इस तरह की एकजुटता और उसके साथ सरकार के मार्गदर्शन के नतीजे में असम के 20 जिलों के सैकड़ों गांवों में आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रमों को अभूतपूर्व समर्थन मिला। महिलाओं के नेतृत्व में प्रदेश के 20 जिलों में मशाल जुलूस निकाले गए और लाखों स्त्रियों, पुरुषों व बच्चों ने जाति-धर्म भूल कर असम से बाल विवाह के पूरी तरह खात्मे के लिए शपथ ली। इससे पहले, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों ने अधिकारियों और अन्य हितधारकों को पत्र लिख कर उनसे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने और असम को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए लोगों को शपथ दिलाने का निर्देश दिया था। नतीजे में कचहरी से लेकर पुलिस थानों, शहरों के चौराहों से लेकर गांव की चौपालों, पूरे देश में बच्चों से लेकर बाल विवाह की पीड़ित महिलाओं तक लाखों लोग इस अभियान से जुड़े और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान 2030 तक देश से बाल विवाह के पूरी तरह खात्मे के उद्देश्य से महिलाओं की अगुआई में 160 गैर सरकारी संगठनों द्वारा 300 से ज्यादा जिलों में चलाया जा रहा है। तमाम तरह के जागरूकता कार्यक्रमों की वजह

से असम के विभिन्न हिस्सों में पूरे दिन उत्सव और उल्लास का माहौल रहा और शाम ढलने के बाद महिलाओं के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला गया जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों ने *बाल विवाह बंद करो-बंद करो, बाल विवाह करवाओगे तो जाओगे जेल, मेरी बेटी अभी पढ़ेगी-ब्याह की शूली नहीं चढ़ेगी* के नारों के साथ यह संदेश दिया कि अब इस राज्य में बाल विवाह के लिए कोई जगह नहीं है। यूनीसेफ का अनुमान है कि अगर बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में भारत की प्रगति की यही दर जारी रही तो 2050 तक देश में लाखों और बच्चियों को बाल विवाह के दलदल में फंसने से नहीं बचाया जा सकता। लेकिन प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता भुवन ऋभु की किताब व्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन-टिपिंग प्वाइंट टू एंड चाइल्ड मैरेज जिसका अभियान के हिस्से के रूप में पिछले सप्ताह लोकार्पण किया गया 2030 तक ही बाल विवाह के खात्मे के लिए जरूरी टिपिंग प्वाइंट यानी वह बिंदु जहां से छोटे बदलावों और घटनाओं की श्रृंखला इतनी बड़ी हो जाती है जो एक बड़ा और आमूल परिवर्तन कर सकें, तक पहुंचने का खाका पेश करती है। इस किताब ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान से जुड़े 160 सहयोगी संगठनों की इस साझा लड़ाई को एक रणनीतिक औजार मुहैया कराया है और अभियान में नई जान फूंकी है। बाल विवाह की त्रासद सच्चाइयों और इसके दुष्परिणामों पर बेबाकी से बात करते हुए किताब कहती है, *बाल विवाह बच्चों से बलात्कार है। इसका परिणाम बाल गर्भावस्था के रूप में आता है जिसके नतीजे में बच्चे की मौत हो सकती है।* सरकार के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को मिले अपार जनसमर्थन पर खुशी जाहिर करते हुए कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन (केएससीएफ) के कंट्री हेड रवि कांत ने कहा कि बाल विवाह सदियों से हमारे सामाजिक ताने-बाने का हिस्सा रहा है और कानूनन अपराध होने के बावजूद इस पर विराम नहीं लग पा रहा है। लेकिन समाज के सभी वर्गों से मिले अप्रत्याशित और अभूतपूर्व समर्थन को देखते हुए मुझे लगता है कि हम नया इतिहास रचने की दहलीज पर हैं। आज यह अभियान जंगल की आग की तरह फैल रहा है और राज्य सरकारों ने इसके लिए जैसी प्रतिबद्धता दिखाई है, हमारे बच्चे अंतत: शायद एक ऐसे देश में पलें-बढ़ें जहां उनके अधिकार सुरक्षित और संरक्षित हों। यह प्रशंसनीय है कि सभी राज्य सरकारें बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य पर काम कर रही हैं जो इसे एक नई रफ्तार और विश्वास दे रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (एनएफएचएस 2019-21) के आंकड़े बताते हैं कि देश में 20 से 24 के आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु से पहले ही हो गया था जबकि असम में यह आंकड़ा 31.8 प्रतिशत है।

जेटा फार्म्स ने 2 और चाय बागानों की अतिरिक्त भूमि का किया अधिग्रहण

नगांव (मिसा)। देश की संस्कुति, कुषि बनाने के उद्देश्य से जेटा फार्म्स ने अब असम के नगांव जिले में 2 और चाय बागानों के लिए एक परिचालन समझौता किया है। एटीसीएल से संबंधित इन दो अतिरिक्त चाय बागानों को हाल ही में बोकाहोला टी प्राइवेट लिमिटेड को पट्टे पर दिया गया था। अब बोकाहोला ने जेटा फार्म्स को अपनी ओर से परिचालन भागीदार के रूप में उद्यान चलाने के लिए नियुक्त किया है। जेटा फार्म्स आधुनिक नवीन कुषि तकनीकों और देश भर में उत्कुष्ट वितरण नेटवर्क के साथ आता है, कंपनी को लगता है कि इस साझेदारी से बेहतर परिणाम मिलेंगे और उद्योग जिस चीज की तलाश कर रहा है, उसके अनुरूप चाय उद्योग को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। यह रणनीतिक सहयोग दोनों कंपनियों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो चाय उद्योग के लिए एक उज्जवल और अधिक समृद्ध भविष्य का वादा करता है। यह साझेदारी अपने उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने, दक्षता में सुधार और टिकाऊ प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए जेटा फार्म्स के समर्पण को दर्शाती है। जेटा फार्म्स पहले से ही अपने अभिन्न सहयोगियों - जयपुर चक्की और आरपीजे टी प्रा. लि., जो विपणन और खुदरा गतिविधियों में हैं, के माध्यम से उत्पादित चाय के लिए एक शानदार आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क बनाने के लिए आश्वस्त है। बोकाहोला टी प्रा. लि. के महाप्रबंधक प्रभात बेजबरुवा ने कहा कि मुझे लगता है कि ऋतुराज शर्मा, चेतन जोशी और विष्णु उपाध्याय की युवा और गतिशील टीम के साथ जुड़ने से कंपनी को बड़े पैमाने पर फायदा हो सकता है।

एसएसबी ने तस्करी की लकड़ी जब्त की

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। आज छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी सोनापुर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर तस्करी की जा रही जंगली लकड़ी को जब्त किया गया। सूत्रों ने बताया है कि सीमा चौकी सोनापुर एवं टुकराबस्ती ने मिलकर भारत-भूटान सीमावर्ती पिलर संख्या-166/4 से लगभग 4 किलोमीटर भारत की तरफ भूर नदी कुटी एरिया के जंगलों से गस्ती के दौरान एसएसबी की संयुक्त टीम के द्वारा 30 सीएफटी लकड़ी के साथ 7 साइकिल को जब्त किया। जब्त की गयी लकड़ी को वन विभाग रुनीखाता को अग्रिम कार्यवाही हेतू सौंप दिया गया। छठीं वाहिनी एसएसबी के द्वारा लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

बेहतर नेत्र स्वास्थ्य भारतीय अर्थव्यवस्था को 27 बिलियन डॉलर तक बढ़ा सकता है

गुवाहाटी। एक नए जारी किए गए शोध के अनुसार परिहार्य दृष्टि हानि भारत की अर्थव्यवस्था में प्रति वर्ष 27 बिलियन डॉलर (2.2 ट्रिलियन) को जोड़ देगा तब पर भाइज कंपेन इस बात पर प्रकाश डालने के लिए आंकड़े जारी कर रहा है कि बेहतर मंत्र स्वास्थ्य आखिर उत्पादकता को किस प्रकार बढ़ावा देता है। साथ ही, यह बिजनेस लीडर्स से आग्रह कर रहा है कि (कार्यस्थल के स्वास्थ्य एजेंडा में नेत्र स्वास्थ्य को शामिल करे। उक्त अध्ययन इंटरनेशनल एजेंसी फॉर प्रिवेशन ऑफ ब्लाइंडनेस (आईएपीबी) और जॉन्स हॉपकिन्स के प्रोफेसर केविन फ्रिक द्वारा किया गया। इसके तहत 50 से अधिक उम्र के लोगों के बीच दृष्टि हानि से बचाव की लागत की गणना की गई। इस अध्ययन में सभी देशों की तुलना में भारत में तीसरी सबसे अधिक संभावित बचत दर्ज की गई। जैसे जैसे टेक्नोलाजी के चलते काम करने के तौर-तरीको में बदलाव देखने को मिल रहे है। इसके फलस्वरूप भविष्य की अर्थव्यवस्था के तहत सेवा उद्योगों और कार्यालय आधारित नौकरियों के वर्चस्व में भी तेजी से इजाफा होगा, जिसमें लंबे समय तक स्क्रीन का उपयोग शामिल होगा। यदि उचित सावधानियां न बरती जाए, तो यह आंखों पर तनाव का बझ कारण बन सकता है और इसकी वजह से आंखों के स्वास्थ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ग्लोवल आई हला पर लेंसेट ग्लोबल या कमीशन के अनुसार दृष्टि हानि से वैक्षिक अवास्थाको प्रतिवर्ष 411 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। अनुमान है कि दृष्टि हानि वाले 30न्न लोगों को रोजगार की कमी का सामना करना पड़ता है। इसकी वजह से महिलाएँ ग्रामीण समुदायों के लोग और विभिन्न जातियों के अल्पसंख्यक समूह सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। हालांकि समय पर इसका पता चलने और उचित उपचार के माध्यम से दृष्टि हानि का 90 प्रतिशत तक बचाव किया सकता है। भारत में वर्तमान में 7 करोड़ लोग दृष्टिबाधित है। आंखों की स्थितियों, जिनमें मोतियाबिंद और गायोपिया

शामिल है, का शीघ्र पता लगाना और उपचार के साथ दृष्टि हानि को रोकना एक व्यापक माँग है, जो कि आजीविका की रक्षा करने और व्यवसाय को पनपने देने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। विनोद डेनियल, सीईओ, इंडिया विज्ञान इंस्टीट्यूट कहते हैं वंचित और ग्रामीण समुदायों के लोगों के पास आंखों की देखभाल के लिए पर्याप्त पहुंच नहीं है यही वजह है कि अक्सर के ...आखा की उचित जांच और जरूरत पड़ने पर इसमें सुधार के लिए चश्मे से बचित रह जाते हैं। इसका मतलब यह है कि उचित पहुंच में कमी और सुधार की कम गुंजाइश देश की उत्पादकता और प्रभावित व्यक्तियों की बहुमूल्य कमाई में अरबों का नुकसान करने की वजह बन रही है। दृष्टीहीनता को रोकने के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण इसका शीघ्र पता लगाना है। हम समुदायों स्कूलों और कार्यस्थलों के साथ प्रक्ष तौर पर काम करते हैं, ताकि उन लोगों को नि:शुल्क आंखों की जांच और चश्मे प्रदान किए जा सके, जिनके पास। इसकी उचित पहुंच की सुविधा नहीं है। दृष्टि हानि से बचाव उनके जीवन को पूरी तरह से बदल देने की ताकत रखता है और उन्हें काम के प्रति दृढ़ होने और जीवन में आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है। पीटर हॉलैंड, सीईजो जाईएपीबी और प्रवक्ता लव योर आइज कैंपेन कहते है। एक उत्तम आजीविका के लिए आंखों का स्वस्थ होना सबसे अधिक मायने रखता है। व्यक्ति विशेष के व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन पर दृष्टि हानि का गहरा प्रभाव पड़ता है। मोतियाबिद और पढ़ने के लिए उचित चरने का न होना, दृष्टि हानि के प्रमुख कारणों में से एक है। महिलाओं, ग्रामीण समुदायों और विभिन्न जातियों के अल्पसंख्यक समूहों के लोगों में दृष्टि हानि की संभावना अधिक होती है, यह एक बड़ा कारण है कि वे रोजगार और सेवाओं से वंचित रह जाते हैं। दृष्टि के अनुकुल कार्य वातावरण को स्थापित करने और एक कर्मचारी के स्वास्थ्य एवं खुशहाली के कई तरीके है। चाहे वह नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से हो। कर्मचारियों को नेत्र स्वास्थ सेवाओं से जोड़ना हो बीमा योजनाओं में नेत्रवार को जोड़ना हो या फिर स्क्रीन सेटिंग्स को एडजस्ट करना ही। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आखों की उचित देखभाल पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए, और साथ ही प्रत्येक व्यवसाय को अपने कर्मचारी के दृष्टि संबंधी स्वास्थ्य को निरंतर रूप से प्रोत्साहित करते रहना चाहिए।

एक दशक में प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता हुई दोगुनी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की समुद्री क्षमता को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए हम नीतिबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं। इसी के फलस्वरूप पिछले एक दशक में प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है। बंदरगाहों पर कंटेनरों के टर्न-अराउंड समय में तेजी से कमी आई है। प्रधानमंत्री मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट (जीएमआ-ईएस) 2023 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुंबई में आयोजित यह शिखर सम्मेलन देश के समुद्री क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट के तीसरे संस्करण में सभी का स्वागत किया। उन्होंने याद किया कि जब 2021 में शिखर सम्मेलन हुआ था तो कैसे पूरी दुनिया कोविड महामारी की अनिश्चितताओं से जूझ रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक नई दुनिया आज आकार ले रही है। बदलती विश्व व्यवस्था में प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि दुनिया नई आकांक्षाओं के साथ भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट से जूझ रही दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। वैश्विक व्यापार में समुद्री मार्गों की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कोरोना के बाद की दुनिया में एक विश्वसनीय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि भारत की समुद्री क्षमताओं से हमेशा दुनिया को फायदा हुआ है। मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र किया। उन्होंने प्रस्तावित भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारे पर ऐतिहासिक जी-20 के देशों की सर्वसम्मति के परिवर्तनकारी प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जैसे अतीत के सिल्क रूट ने कई देशों की अर्थव्यवस्था बदल दी, वैसे ही यह गलियारा भी वैश्विक व्यापार की तस्वीर बदल देगा। मोदी ने कहा कि इसके तहत नेक्स्ट जेनरेशन मेगा पोर्ट, इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांस-शिपमेंट पोर्ट, द्वीप विकास, अंतर्देशीय जलमार्ग और मल्टी-मॉडल हब जैसे कार्य किए जाएंगे, जिससे व्यावसायिक लागत में कमी आएगी और पर्यावरणीय गिरावट से लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार होगा और नौकरियां पैदा होंगी। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि निवेशकों के पास इस अभियान का हिस्सा बनने और भारत से जुड़ने का एक शानदार अवसर है। मोदी ने दोहराया कि आज का भारत अगले 25 वर्षों में विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। हम हर सेक्टर में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहे हैं। हमने मैरीटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के पूरे इकोसिस्टम को मजूबत करने के लिए लगातार काम किया है। बीते एक दशक में भारत के मेजर पोर्ट की क्षमता दोगुनी हो चुकी है। पोर्ट कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए हमने हजारों किमी की नई सड़कें बनाई हैं। सागरमाला परियोजना से हमारे तटीय इलाकों का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किया जा रहा है। ये सारे प्रयास रोजगार सृजन और ईज ऑफ लिविंग को कई गुना बढ़ा रहे हैं। मैरीटाइम टूरिज्म को बढ़ाने के लिए हमने विश्व की सबसे बड़ी रिवर क्रूज सर्विस की शुरूआत भी की है। भारत अपने अलग-अलग पोर्ट पर इससे जुड़े कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है।

गंगा जल पर जीएसटी के मुद्दे पर सरकार ने बोला झूठ : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार गंगा जल पर 18 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) वसूल रही थी। जब कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सवाल उठाया तो सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया और भाजपा प्रवक्ताओं ने कहा कि गंगा जल पर कोई जीएसटी नहीं वसूला जा रहा है, जबकि यह बात पूरी तरह झूठ थी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 12 अक्टूबर को गंगा जल पर जीएसटी का मामला उठाया। उसके बाद मोदी सरकार ने इस बात को खारिज कर दिया और कहा कि गंगा जल पर सरकार कोई जीएसटी नहीं ले रही है लेकिन यह बात पूरी तरह झूठ थी। सुप्रिया ने कहा कि भाजपा के प्रवक्ताओं, ट्रोल आर्मी ने कहा कि 'गंगा जल पर कोई जीएसटी नहीं है, क्योंकि वो पूजा सामग्री में आता है।' मीडिया ने भी इस झूठ को सच मानकर चला दिया जबकि मोदी सरकार, भाजपा प्रवक्ता और उनके लोग झूठ बोल रहे थे। गंगाजल पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया गया था। कांग्रेस ने जब यह मुद्दा उठाया तो उसके बाद गंगा जल से जीएसटी हटाया गया। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 12 अक्टूबर को एक बयान में कहा था कि सरकार को चाहिए कि गंगा जल पर लगे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को हटाए। आम भारतीय के जन्म से लेकर उसकी जीवन के अंत तक मोक्षदायिनी मां गंगा का महत्व बहुत ज्यादा है। सरकार ने पवित्र गंगा जल पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया है। एक बार भी नहीं सोचा कि जो लोग अपने घरों में गंगाजल मंगवाते हैं, उन पर इसका बोझ क्या होगा। इस मुद्दे पर सरकार को गौर करना चाहिए।

जम्मू शहर के सुप्रसिद्ध रणवीरेश्वर मंदिर के भवन का एक हिस्सा गिरा, जानमाल का कोई नुकसान नहीं

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू में सुप्रसिद्ध 170 साल पुराने रणवीरेश्वर मंदिर के भवन का एक हिस्सा बारिश के दौरान गिर गया है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, सीविल डिफेंस, पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है और बिगडे.मौसम के बीच मलबे को हटाया जा रहा है। इस हादसे में किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ है लेकिन मंदिर के गर्भगृह के आगे के हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा है। जम्मू के मेयर राजेंद्र शर्मा व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया है। माना जा रहा है कि मंदिर की इमारत काफी पुरानी होने के चलते ये नुकसान हुआ है। जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी अजातशत्रु सिंह और रणविजय सिंह भी मौके पर पहुंचे। अजातशत्रु ने कहा कि वे इस हादसे से सदमे में हैं और यह जम्मू शहर के पुराने मंदिरों में से एक है। माना जा रहा है कि आकाशीय बिजली गिरने से मंदिर को नुकसान पहुंचा है। हादसे की जांच के लिए जांच समिति बनाई जाएगी। मलबा हटने के बाद इस मंदिर को फिर जीर्णोद्धार किया जाएगा। आम दिनों के मुकाबले नवरात्रों में इस मंदिर में भी काफी संख्या में लोगों की भीड़ रहती है और प्रभु कृपा रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। सुप्रसिद्ध रणवीरेश्वर मंदिर उतर भारत का एक मात्र ऐसा शिव मंदिर है जहां भगवान शिव की मूर्ति मूंछो वाली है। महाराजा रणवीरेश्वर ने इस मंदिर की स्थापना की थी और यह बिल्कुल सचिवालय के सामने स्थित है।

चुनाव में सेना का राजनीतिक इस्तेमाल उचित नहीं : खड़गे

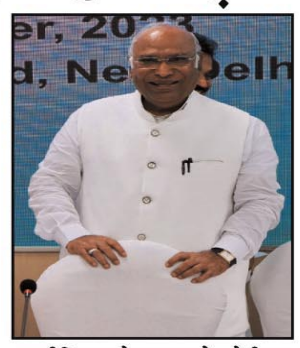

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनाव में सेना का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद मोदी सरकार ने सेना को देशभर में 822 ऐसे सेल्फी प्वाइंट लगाने को कहा है, जो सरकारी योजनाओं का प्रचार करें। ऐसा करना उचित नहीं है। खड़गे ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि इन झांकियों में सैनिकों के पराक्रम की गाथा की बजाय प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर है और उनकी योजनाओं का गुणगान है। राष्ट्र की सुरक्षा करने वाले हमारी भारतीय सेना के वीर जवानों की लोकप्रियता को भुनाकर मोदी सरकार स्वयं का प्रचार करवा रही है। खड़गे ने कहा कि चुनाव में सेना का राजनीतिक इस्तेमाल करके मोदी स-रकार ने वो किया है जो 75 सालों में कभी नहीं हुआ है। भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को बेहद गर्व है। राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने वाली भाजपा ने भारतीय सेना की गरिमा को चोट पहुंचाई है।

चारधाम में तीर्थ यात्रियों की संख्या 50 लाख के पार पहुंची : डीजीपी

देहरादून, (हि.स.)। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि इस बार चारधाम में तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख के पार पहुंच गयी है। कल सोमवार 16 अक्टूबर तक चारधाम दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों का यह आंकड़ा 50 लाख के पार पहुंचा। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक कुमार ने बताया कि विश्वप्रसिद्ध चारधाम दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु आ रहे हैं। इन श्रद्धालुओं की सुगम और सरल यात्रा लिए उत्तराखंड पुलिस समर्पित है। चारधाम यात्रा में इस साल रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। कल 16 अक्टूबर तक चारधाम में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख के पार पहुंच गयी है। उन्होंने बताया कि लगभग 5 लाख 41 हजार वाहन भी चारधाम पहुंचे हैं। वर्तमान में रिकार्ड स्तर पर यात्री अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। डीजीपी ने बताया कि यात्रा प्रारम्भ होने के बाद केदारनाथ धाम में लगभग 17 लाख 08 हजार, बदरीनाथ धाम में 15 लाख 90 हजार, गंगोत्री में 08 लाख 46 हजार, यमुनोत्री में 06 लाख 94 हजार, हेमकुण्ड साहिब में 01 लाख 77 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। श्री हेमुण्ड साहिब के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड पुलिस मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशन में प्रत्येक स्तर पर तीर्थयात्रियों की हर सम्भव सहायता कर रही है, जिससे उनके मन में देवभूमि की पवित्र आस्था के साथ ही उत्तराखंड पुलिस की सकारात्मक छवि की स्मृतियां भी अंकित हो रही हैं। हम सुरक्षित और निर्बाधित चारधाम यात्रा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को अब नहीं खाली करना पड़ेगा सरकारी आवास, ट्रायल कोर्ट का फैसला रद्द

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को बड़ी राहत दी है। अब राघव चड्ढा को सरकारी आवास खाली नहीं करना पड़ेगा। जस्टिस अनूप जयराम भांभानी की बेंच ने ट्रायल कोर्ट के सरकारी बंगला खाली करने के फैसले को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने 12 अक्टूबर को फैसला स-रक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान राघव चड्ढा की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि 08 सितंबर 2022 को उपराष्ट्रपति ने टाइप सात बंगला आवंटित किए जाने को मंजूरी दी थी, क्योंकि पंजाब से उनको मिल रही धमकियों की वजह से जेड प्लस सुरक्षा मिली है। सुरक्षा पुनरीक्षण समिति ने भी टाइप छह बंगले को चड्ढा की सुरक्षा के लिहाज से अनुपयुक्त बताया था। उन्होंने कहा था कि यह ऐसा मामला है जहां उपराष्ट्रपति जो देश के सर्वोच्च अथॉरिटी में से एक होते हैं उन्होंने फाइल पर पूरी तरह से विचार कर फैसला लिया था। सिंघवी ने कहा था कि उपराष्ट्रपति ने बंगला आवंटित करने का आदेश दिया था लेकिन राज्यसभा आवास आवंटन करने वाली समिति ने 3 मार्च को टाइप सात बंगला खाली करने का नोटिस भेज दिया। जबकि याचिकाकर्ता करीब साल भर से यहां रह रहा था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने आवास आवंटन समिति को पत्र लिखा, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, जबकि नोटिस के 10 दिनों के भीतर याचिका दाखिल कर दी गई। सिंघवी ने कहा था राघव चड्ढा को पंजाब में सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन ऐसा नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में सुरक्षा कम कर दी जाए और यहां हत्या हो जाए। ऐसे में सुरक्षा घेरे के मुताबिक याचिकाकर्ता को बंगले का आवंटन नहीं किया जाना खतरनाक है। राज्यसभा के 245 में से 115 सांसदों को उनके अधिकृत स्तर से बड़े स्तर के बंगले आवंटित हैं। जनरल पूल में भी 65 ऐसे ही बंगले आवंटित किए गए हैं। पटियाला हाउस कोर्ट ने 5 अक्टूबर को राघव चड्ढा के सरकारी आवास के आवंटन को रद्द करने के राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी के आदेश पर रोक लगाने के अपने फैसले को वापस ले लिया था। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज सुधांशु कौशिक ने कहा था राघव चड्ढा को बंगले पर निहित अधिकार नहीं है और एक सांसद होने के नाते उन्हें सुविधा दी गई है। पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। पटियाला हाउस कोर्ट ने कहा था सरकारी बंगले का आवंटन एक राज्यसभा सदस्य के पूरे कार्यकाल के दौरान एक सुविधा है और वो एक अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा था जब बंगले का आवंटन रद्द कर दिया गया तो वे इस बंगले पर अधिकार नहीं जता सकते।

पंजाब पुलिस ने कांग्रेस के पूर्व विधायक कुलबीर सिंह जीरा को गिरफ्तार किया

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने मंगलवार सुबह जीरा में कांग्रेस के पूर्व विधायक कुलबीर सिंह जीरा को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। घर पर पुलिस की दबिश के समय कुलबीर सो रहे थे। जीरा को सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले जीरा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि वह मंगलवार को खुद गिरफ्तारी देंगे। उनके खिलाफ चार दिन पहले फिरोजपुर में मामला दर्ज किया गया था। यह मामला जीरा के बीडीपीओ की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया था। शिकायत में कहा गया था कि 11 और 12 अक्टूबर को कुलबीर सिंह जीरा ने उनके दफ्तर के सामने धरना दिया। इस दौरान वह अपने साथियों के साथ उनके कमरे में जबरन घुस गए। सरकारी काम में दखलअंदाजी के अलावा कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया।

देश के विभिन्न राज्यों में ट्राइडेंट ग्रुप के ठिकानों पर आयकर विभाग का छापा

नई दिल्ली, (हि.स.)। आयकर विभाग ने मंगलवार को ट्राइडेंट ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की है। मध्य प्रदेश, पंजाब सहित देश के दूसरे राज्यों के उसके ठिकानों पर एक साथ यह छापेमारी चल रही है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि देशभर में ट्राइडेंट ग्रुप के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। ट्राइडेंट ग्रुप यार्न, होम टेक्सटाइल, पेपर और स्टेशनरी, केमिकल्स और अडेप्टिव पावर के क्षेत्र में काम करता है। इसकी विनिर्माण सुविधाएं मध्य प्रदेश के बुधनी, पंजाब के बरनाला और धौला में स्थित हैं। जानकारी के मुताबिक ट्राइडेंट ग्रुप का 75 फीसदी उत्पाद विदेशों में निर्यात होता है। यह ग्रुप कई उद्योगों और विनिर्माण सुविधाएं संचालित करता है।

समलैंगिक शादियों को मान्यता देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, 5 जजों का विभाजित फैसला

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। समलैंगिक वि-वाह पर चार जजों सीजेआई, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने बंटा हुआ फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समलैंगिक साथ रह सकते हैं, लेकिन विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है, इसलिए केंद्र सरकार को एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ भेदभाव रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। इस मामले पर फैसला सुनाते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि समलैंगिक जोड़े को भी सामान्य लोगों की तरह उनको उनका अधिकार मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह तर्क सही नहीं है कि समलैंगिक कपल्स बेहतर पैरेंट नहीं हो सकते। इसी कोई स्टडी नहीं है कि सामान्य कपल बेहतर पैरेंट होते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि समलैंगिक कपल्स को विवाह करने का अधिकार है। समलैंगिक कपल को भी बच्चा गोद लेने का अधिकार है। चीफ जस्टिस ने कहा कि समलैंगिकता सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव में कृषि कार्य में काम करने वाली एक महिला भी समलैंगिक हो सकती है। चीफ जस्टिस ने कहा कि ये कहना कि विवाह की संस्था स्थिर और अपरिवर्तनीय है, सही नहीं है। विवाह की व्यवस्था में कानून के द्वारा बदलाव किया गया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है।

कोर्ट को संसद के अधिकार क्षेत्र में दखल देने में सावधानी बरतनी चाहिए। संविधान बेंच के सदस्य जस्टिस संजय किशन कौल ने चीफ जस्टिस के फैसले पर अपनी सहमति जताई। जस्टिस एस रविंद्र भट्ट ने चीफ जस्टिस के फैसले से असहमति जताते हुए कहा कि समलैंगिक जोड़े को बच्चा गोद लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। जस्टिस हीमा कोहली ने जस्टिस एस रविंद्र भट्ट के फैसले से सहमति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर दस दिनों तक सुनवाई करने के बाद 11 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा था कि जेंडर की अवधारणा परिवर्तनशील हो सकती है, लेकिन मां और मातृत्व नहीं। कोर्ट ने कहा था कि एक बच्चे का कल्याण सर्वोपरि होता है। देश का कानून विभिन्न कारणों से गोद लेने की अनुमति प्रदान करता है। यहां तक कि एक अकेला व्यक्ति भी बच्चा गोद ले सकता है। ऐसे पुरुष या महिला, एकल यौन संबंध में हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर आप संतानोत्पत्ति में सक्षम हैं तब भी आप बच्चा गोद ले सकते हैं। जैविक संतानोत्पत्ति की कोई अनिवार्यता नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि शादी और तलाक के मामले में कानून बनाने का अधिकार संसद को ही है। ऐसे में हमें यह देखना होगा कि कोर्ट कहां तक जा सकता है। सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं में से एक की वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा था कि सरकार का जवाब संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। ये केशवानंद भारती और पुट्ठु स्वामी मामलों में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के भी विरुद्ध है। क्योंकि न्यायिक समीक्षा का अधिकार भी धारा 32 के तहत संविधान की मूल भावना है। कोर्ट ने 13 मार्च को इस मामले को संविधान बेंच को को रेफर कर दिया था।

भारतीय सेना खरीदेगी आठ लैंडिंग अटैक क्राफ्ट और छह तेज गश्ती नौकाएं

- पाकिस्तान और चीन सीमा पर उन्नत नौकाओं के साथ तटीय अभियानों में बढ़त हासिल होगी
- सर क्रीक एरिया व ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुरक्षित रखने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना चुनौतीपूर्ण समुद्री वातावरण में तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए लैंडिंग क्राफ्ट और तेज गश्ती नौकाओं के साथ सर क्रीक क्षेत्र में रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ाएगी। सेना ने आठ लैंडिंग अटैक क्राफ्ट और 'मेक इन इंडिया इन डिफेंस' कार्यक्रम के तहत छह तेज गश्ती नौकाएं हासिल करने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे भारतीय सेना को पाकिस्तान और चीन सीमाओं पर उन्नत नौकाओं के साथ तटीय अभियानों में बढ़त हासिल होगी। भारतीय सेना ने 06 फास्ट पेट्रोल बोट और 08 लैंड क्राफ्ट की खरीद के लिए एक आरएफआई जारी किया है। सेना ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि लैंड क्राफ्ट को सर क्रीक क्षेत्र और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में वाहन, सामग्री के परिवहन, नाव गश्ती और सीमित खोज और बचाव के लिए तैनात किया जाना है। इसी तरह सर क्रीक क्षेत्र सहित समुद्र और जल निकायों पर निगरानी, गश्त और अवरोधन के लिए तेज गश्ती नौकाओं को तैनात किया जाना है। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में क्रीक क्षेत्रों और नदी घाटियों में खोज और बचाव अभियान चलाने के लिए सेना समुद्री या नदी तट का उपयोग किए बिना जल निकायों के अंदर और बाहर आने में सक्षम होना चाहती है। इनके खरीदने का मकसद सर क्रीक क्षेत्र, ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन और सुंदरबन डेल्टा क्षेत्रों में अपने अभियानों को रणनीतिक बढ़त दिलाना है। भारत और पाकिस्तान की सीमा पर स्थित सर क्रीक क्षेत्र लंबे समय से भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बिंदु, सीमा पार घुसपैठ और तस्करी गतिविधियों का केंद्र रहा है। पाकिस्तान की समुद्री सीमा अरब सागर से मिलती है, जहां इसके जलमार्गों के जटिल नेटवर्क की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए विशेष समुद्री बल की आवश्यकता होती है, ताकि चुस्त और तीव्र प्रतिक्रिया दी जा सके। सेना की लैंडिंग क्राफ्ट और तेज गश्ती नौकाओं से समुद्री परिवहन को सक्षम करने के साथ ही विभिन्न इलाकों में तेजी से तैनाती करके प्रतिक्रिया दी जा सकेगी। इसके अतिरिक्त ये क्राफ्ट सैनिकों और सामग्रियों की आवाजाही को आसान बनाएंगी, जिससे महत्वपूर्ण परिदृश्यों में समय पर सुदृढ़ीकरण और रसद सहायता सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अलावा ये क्राफ्ट गश्त करने और तटीय क्षेत्रों में निगरानी और स-रक्षा बढ़ाने में भी माहिर होंगी। यह रणनीतिक खरीद सर क्रीक एरिया और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुरक्षित करने में भारतीय सेना के रुख के अनुरूप है, जिससे घुसपैठ और तस्करी जैसी अवांछित गतिविधियों की संभावना कम होगी। एकीकृत नेविगेशन सूट से लैस सेना की लैंडिंग क्राफ्ट को सभी गतिशील और स्थिर संपर्कों, समुद्र तट सुविधाओं, नेविगेशनल सहायता और बंदरगाह प्रतिष्ठानों के लिए डिजाइन किया गया है, जो ऑपरेटरों के लिए व्यापक स्थितिजन्य जागरुकता सुनिश्चित करता है। इसमें लगा रडार स्वचालित पहचान प्रणाली, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और हेडिंग सेंसर सहित विभिन्न सेंसर से डेटा को एकीकृत करता है। तटीय क्षेत्रों में पोत ट्रैकिंग की सटीक जानकारी देने के लिए एक हेडिंग सेंसर शामिल है, जिससे जहाज की पहचान और आसपास के क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है। यह इकाई समुद्री संचालन में विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक जनरेटर आपूर्ति और माध्यमिक बैटरी आपूर्ति के बीच एक ऑटो-चेंजओवर तंत्र के साथ एक स्थिर बिजली आपूर्ति बनाए रखती है। इन जहाजों से कम से कम 40 समुद्री मील प्रति घंटे की अधिकतम गति की उम्मीद की जाती है, जिससे चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में भी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता सुनिश्चित होगी।

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

आशीष वर्मा

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने मंगलवार को मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने 16 अक्टूबर को ईडी से पूछा था कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ आरोप तय करने पर अब तक बहस शुरू क्यों नहीं हुई। किसी को इस तरह आप जेल में नहीं रख सकते। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि हम आम आदमी पार्टी को भी इस मामले में आरोपित बनाने पर विचार कर रहे हैं। पहले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ईडी पर बड़े सवाल उठाते हुए पूछा था कि सरकारी गवाह के बयान पर कैसे भरोसा करेंगे। क्या ये बयान कानून में स्वीकार्य होगा। क्या ये कही सुनी बात नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि सब सबूतों के आधार पर होना चाहिए वरना जिरह में ये केस दो मिनट में गिर जाएगा। सुनवाई के दौरान 5 अक्टूबर को मनीष सिसोदिया के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि सिसोदिया को पैसे मिलने का कोई सबूत नहीं है। विजय नायर से सिसोदिया का कोई संबंध नहीं था। नायर पार्टी का कार्यकर्ता था और वह आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था। उन्होंने कहा कि सिसोदिया 26 फरवरी से जेल में हैं। सुनवाई के दौरान ईडी ने सिसोदिया की जमानत का विरोध करते हुए कहा था कि नीति पारदर्शी होनी चाहिए थी। जबकि शराब नीति के तहत पैसा कमाने के लिए षड्यंत्र रचा गया, पैसा लेकर छूट मुहैया कराई गई। ईडी ने कहा कि एक तरफ यह लोग पॉलिसी में बदलाव कर रहे थे वही दूसरी तरफ विजय नायर शराब व्यापारियों से मुलाकात कर रहे थे और रिश्वत ले रहे थे। विजय नायर द्वारा सीधे तौर पर रिश्वत की मांग की गई। ईडी ने कहा था कि विजय नायर मनीष सिसोदिया के इशारे पर काम कर रहा था। सुनवाई के दौरान 4 अक्टूबर को जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने पूछा था कि जिस राजनीतिक दल को कथित तौर पर फायदा पहुंचा, उसे आरोपित क्यों नहीं बनाया गया। सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा था कि मामले में सभी आरोपितों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन उच्च टारगेट लोगों को अभी तक जमानत नहीं मिली है। सिंघवी ने कहा था कि मामले में कुल 50 हजार से ज्यादा दस्तावेज और पांच सौ से ज्यादा गवाह हैं। सिसोदिया के पास से एक पैसे की भी मनी लॉन्ड्रिंग का पता नहीं चला है। सरकारी गवाहों के बयान में सिसोदिया का लिंक नहीं मिला है। सिंघवी ने कहा था कि सभी आरोप मनीष सिसोदिया के करीबी सहयोगी विजय नायर पर जाकर रुक जाते हैं। सीबीआई ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध किया है। सीबीआई ने सुप्रीम में दाखिल जवाबी हलफनामे में सिसोदिया की जमानत का विरोध करते हुए कहा है कि सिसोदिया के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। सीबीआई ने कहा है कि सिसोदिया ऐसे मामलों में जमानत के लिए निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को भी पूरा नहीं करते है। सीबीआई ने सिसोदिया को जमानत नहीं देने का अनुरोध करते हुए कहा है कि पहले ही वह सबूत नष्ट कर चुके हैं और पूछताछ के दौरान भी सहयोग नहीं रहा। साथ ही वह राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति हैं। ऐसे में सिसोदिया को जमानत नहीं दी जा सकती है। सीबीआई ने अपने हलफनामे में मनीष सिसोदिया की पत्नी की बीमारी का जिक्र करते हुए कहा है कि उनकी पत्नी की बीमारी कोई नई बात नहीं है। उनकी बीमारी का इलाज पिछले 23 साल से चल रहा है। ऐसे में यह भी उनके जमानत का आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को सिसोदिया की जमानत याचिका पर सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया था। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिंघवी ने दलील दी थी कि सिसोदिया की पत्नी की वाकई हालात खराब है। उनका 50 फीसदी श-रीर विकलांग हो चुका है। सुनवाई के दौरान ईडी ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध किया था।

भदंत शांति मित्र का जीवन सबके लिए प्रेरणा का स्रोत : केशव प्रसाद मौर्य

–राजकीय सम्मान के साथ हुआ भदंत शांति मित्र का अंतिम संस्कार

लखनऊ, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के अध्यक्ष भदन्त शांति मित्र का अंतिम संस्कार आज शाक्यमुनि बौद्ध विहार मवई पड़ियाना, सरोजनीनगर, लखनऊ में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधान परिषद के कई सदस्यों, शासन प्रशासन के अधिकारीगण एवं बौद्ध अनुयायियों के अलावा भारी संख्या में उनके समर्थकों ने उन्हें अंतिम बिदाई दी। इस अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भदंत शांति मित्र के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री ने उनको नमन करते हुए कहा कि भदंत शांति मित्र का जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका सम्पूर्ण जीवन बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार तथा समाज सेवा के लिए समर्पित था। वह उच्च कोटि के बौद्ध धर्म के ज्ञाता होने के साथ ही एक सरल हृदय के व्यक्ति थे। तथागत भगवान बुद्ध उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने पूज्य भदंत शांति मित्र का अंतिम दर्शन कर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उन्होंने कहा कि भदंत शांति मित्र ने अपना सम्पूर्ण जीवन समाजसेवा, एकता, भाईचारा एवं पंथनिरपेक्ष समाज की स्थापना के लिए समर्पित किया था। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ के पद पर आसीन रहने के दौरान संस्थान निरन्तर विकास की ओर अग्रसर रहा। उन्होंने कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन आगे आने वाली पीढ़ी को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। भगवान उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य डा. महेन्द्र सिंह, विधान परिषद सदस्य गोविन्द नारायण शुक्ला तथा लालजी प्रसाद निर्मल, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम, बौद्ध संस्थान के निदेश-ाक डा० राकेश सिंह, जिलाधिकारी लखनऊ सूर्यपाल सिंह गंगवार के अलावा बौद्ध संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक बौद्ध भिक्खु, उपासक, उपासिकायें, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि, उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान के प्रो. डा. अभय कुमार जैन आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने बुलंदशहर में 631 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

बुलंदशहर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 631 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है। इस दौरान ट्रांसपोर्ट नगर में महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले अराजकता थी। अब दंगाई गले में तख्ती डालकर जान की भीख मांगते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आधी आबादी का 30 साल पुराना सपना साकार कर दिया। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देकर उन्हें मुख्य धारा में लाया है। सभी दलों ने इस मुद्दे पर सिर्फ राजनीति की, जबकि प्रधानमंत्री ने इसे साकार करके दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब जानते हैं। पिछले साढ़े नौ सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने नए भारत को शक्तिशाली और वैभवशाली भारत को देखा है। भारत 2014 से पहले असुरक्षा का भारत था। घुसपैठिए घुसपैठ करते थे। इस नए भारत में जाति-मजहब के आधार पर काम नहीं, बल्कि समान अधिकार से लाभ मिलता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बेटियां लगातार मेडल ला रही है। स-रकार ने इन्हें तीन करोड़ रुपये और डिप्टी एसपी की नौकरी देने का वादा किया है। जल्द ही हम एक आयोजन में सभी खिलाड़ियों का सम्मान करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ही सिर्फ एक करोड़ 75 लाख सिलेंडर दिए। मुफ्त सिलेंडर को घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज गरीब परिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्ज्वला योजना का लाभ दिया। हमने भी कहा है कि इन्हें इस दिवाली पर एक सिलेंडर मुफ्त दिया जाएगा। देश में लगभग दस करोड़ लोगों को रसोई गैस सिलेंडर दिये गए। उत्तर प्रदेश में ही सिर्फ एक करोड़ 75 लाख सिलेंडर दिये गये। उन्होंने कहा कि देश के अंदर चार करोड़ गरीब परिवारों को उनके सिर पर छत दी। उत्तर प्रदेश में अब तक 55 लाख आवास दिए गए। आजादी के बाद से ये वंचित रहे। साथ ही देश में 12 करोड़ शौचालय और उत्तर प्रदेश मे पौने तीन करोड़ शौचालय के माध्यम से नारी गरिमा की सुरक्षा की गई। कार्यक्रम में जिले के सभी विधायक, ब्लॉक प्रमुख, भाजपा नेत्री व भाजपा के कई दिग्गज नेता मौजूद हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने जिले में करीब 224 करोड़ की 104 परियोजना का लोकार्पण किया। वहीं, करीब 400 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया। परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं की महिला लाभार्थियों को मंच पर चेक व मकानों की चाबी सौंपी।

अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में चुनाव जीत के लिए जनता से किए लोक लुभावन वादे

लखनऊ, (हि.स.)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की जीत और पार्टी को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ताकत झोंक दी है। मंगलवार को पार्टी के संकल्प पत्र की घोषणा करते हुए सपा अध्यक्ष ने जनता के लिए लोक लुभावन वादे किए हैं। अखिलेश ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट (एक्स) से पोस्ट करते हुए लिखा कि मध्य प्रदेश से समाजवादी पार्टी के पक्के वादे हैं। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों एवं आदिवासियों (पीडीए) को उनका हक और सम्मान, मेधावी छात्रों के लिए लैपटॉप, जातीय जनगणना, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन, आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण, किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य, महिलाओं के लिए समाजवादी पेंशन योजना, युवाओं को रोजगार की गारण्टी, महिलाओं के विरुद्ध अपराध रोकने के लिए 1090 की तर्ज पर रिस्पॉन्स सिस्टम, गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा आदि प्रदेश की जनता को उपलब्ध कराएगी। इस संकल्प के साथ सपा अध्यक्ष ने लिखा कि मप्र ने समाजवादी पार्टी के विधायक चुनकर सदैव एक सकारात्मक संदेश दिया है। इस बार और भी अधिक विधायक चुनकर मध्य प्रदेश की जनता समाजवादी मूल्यों और सिद्धांतों को बढ़ावा देगी। ये आशा है और जनता से ऐसा करने की अपील भी।

कानपुर की सर्विलांस टीम ने बरामद किए नौ लाख के मोबाइल

कानपुर, (हि.स.)। पूर्वी जोन कानपुर की सर्विलांस टीम ने चार माह के दौरान गायब हुए तीस मोबाइल बरामद कर उनके मूल स्वामियों को सौंपे। बरामद किए गये मोबाइल की कुल कीमत लगभग नौ लाख रुपये है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश पटेल ने मंगलवार को जानकारी दी कि पूर्वी जोन की सर्विलांस टीम प्रभारी उपनिरीक्षक सुमित कुमार और उनकी टीम ने चार माह के दौरान गायब हुए मोबाइल की बरामदगी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। इस दौरान जनपद में ही नहीं देश की राजधानी दिल्ली, मुम्बई, मध्य प्रदेश सहित अन्य स्थानों से टीम ने गायब हुए मोबाइलों को बरामद किया। पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई को पूरा करते हुए आज उनके मूल स्वामियों को सौंपा गया है।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए शुरू हुई तैयारियां, अतिक्रमण हटाने को मंत्री ने दिये निर्देश

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मंगलवार को जल निगम हॉस्टल 'संगम', लखनऊ से महाकुम्भ 2025 के लिए की जा रही तैयारियों को लेकर आयुक्त प्रयागराज, सम्बन्धित विभागों और एजेंसियों के अधिकारियों के साथ कार्यों की वर्चुअल समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी सम्बन्धित विभागों और कार्यदायी एजेंसियों को आपस में समन्वय बनाकर युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर मैनेजमेंट के साथ किसी भी कार्य को व्यवस्थित ढंग से और स्थायी रूप से किया जाए। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर भी ध्यान दें, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। नगर विकास मंत्री ने लगभग 3738 करोड रुपए की लागत से विभिन्न विभागों द्वारा अब तक अनुमोदित 260 परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को प्रगति कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने मूलभूत सुविधाओं के साथ पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग आदि की सुचार व्यवस्था करने, सड़कों व चौराहा से अतिक्रमण हटाने के साथ इनका चौड़ीकरण और स-ुंदरीकरण के कार्यों में गति लाने को कहा। इस बार महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक 45 दिन चलेगा। इस दौरान मेला में छह करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। 40 लाख श्रद्धालु शाही स्नानों में आ सकते हैं। 40 लाख कल्पवासी हो सकते हैं। नगर विकास मंत्री ने कहा कि महाकुम्भ की तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी न होने देने तथा स्थनीयवासियों और जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर उनके सुझाओं पर अन्य किसी भी प्रकार के कार्यों को कराने की जरूरत हो, तो उसका प्रस्ताव भी शासन में अनुमोदन हेतु प्रेषित किया जाए। महाकुम्भ मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने महाकुम्भ 2025 के लिए अब तक की गयी तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ 2025 में पिछले कुम्भ के सापेक्ष अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। अतः मेला क्षेत्र को 04 हजार हे0 क्षेत्रफल में व 25 सेक्टरों में बसाया जाएगा तथा लगभग 1800 हे0 में पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। 13 किमी लम्बी 07 रिवर फ्रंट रोड, ग्रीन बेल्ट का विकास, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था तथा वेंडिंग जोन की व्यवस्था भी करायी जाएगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा कियान्वित की जा रही परियोजनाओं के अन्तर्गत कचरे के शत प्रतिशत निस्तारण हेतु 200 मीटर क्षमता के बायो सीएनजी प्लांट, 15 मीटन क्षमता के बायो गैस प्लांट तथा 150 मी0 टन क्षमता के एमआरएफ प्लांट की स्थापना की जा रही।

हाई कोर्ट ने मैनहर्ट घोटाला मामले में राज्य सरकार से मांगा जवाब

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में मैनहर्ट घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज पीई(प्रारंभिक जांच) की रिपोर्ट अब तक नहीं आने एवं मामले में एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर दायर विधायक सरयू राय की याचिका की सुनवाई मंगलवार को हुई। मामले में जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने राज्य सरकार को पूरक शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी। पिछली सुनवाई में कोर्ट के आदेश के आलोक में एसीबी के एसपी सशरीर उपस्थित हुए थे। उनकी ओर से पीई की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की गई थी। पूर्व की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा कोर्ट को बताया गया था कि दिसंबर 2020 में इस मामले को लेकर एसीबी ने पीई दर्ज की थी लेकिन अब तक इसकी रिपोर्ट नहीं आई है। इस पर कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसके आलोक में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि मामले में अभी जांच चल रही है। एसीबी की ओर से बताया गया कि इस मामले की जांच जारी रखने के संबंध में राज्य सरकार से लीगल ओपिनियन मांगा गया है। इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता द्वारा कोर्ट को बताया गया कि लीगल ओपिनियन मांगे जाने का मामला सरकार के पास एक साल से अधिक समय तक लंबित है। अगस्त 2022 में ही एसीबी ने सरकार से लीगल ओपिनियन मांगा था लेकिन अब तक उस पर कुछ नहीं हुआ है। सरयू राय ने मैनहर्ट को रांची में सीवरेज ड्रेनेज के डीपीआर का कार्य दिए जाने में 21 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था। इस मामले को उन्होंने झा-रखंड विधानसभा में उठाया था, जिस-िके बाद राज्य सरकार के निर्देश के बाद दिसंबर 2020 में एसीबी में पीई दर्ज की गई थी लेकिन उसकी रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं होने पर सरयू राय ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उनकी ओर से कहा गया है कि ढाई साल बीतने के बाद भी मैनहर्ट घोटाला मामले में पीई में क्या आया, यह अब तक पता नहीं चला है।

आकर्षण का केंद्र रहेगी खूंटी टोली पूजा पंडाल की महिषासुर मर्दिनी की झांकी

खूंटी, (हि.स.)। जनजातीय बहुल जिला होने के बावजूद खूंटी और आसपास के इलाकों में दुर्गा पूजा का त्योहार भक्तिपूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया जाता है। जिले में आयोजित होनेवाले दुर्गोत्सव की चर्चा आसपास के जिलों में भी होती है। इस वर्ष भी यहां दुर्गा पूजा का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। इसको लेकरा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वैसे तो जिला मुख्यालय खूंटी के 11 विभिन्न स्थानों पर भव्य और आकर्षक पूजा पंडालों का निर्माण कर पूजा का आयोजन किया जाता है। इन पूजा पंडालों में श्री श्री दुर्गा पूजा समिति तोरपा रोड खूंटी टोली के पूजा पंडाल की विशिष्ट पहचान रही है। इस पूजा पंडाल में प्रदर्शित की जानेवाली महिषासुर मर्दिनी की स्वचालित झांकी को देखने दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। पूजा समिति के प्रकाश अधिकारी ने बताया कि कोरोना के कारण विगत दो वर्षों से जिला प्रश-ासन के आदेशानुसार इस पूजा पंडाल में स्वचालित झांकी प्रदर्शित नहीं की जा रही थी, लेकिन कोरोना का खौफ समाप्त होने के बाद इस बार महिषासुर मर्दिनी की स्वचालित झांकी सुंदर और नये रूप में प्रदर्शित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार काल्पनिक मंदिर के प्रारूप वाले सुंदर पूजा पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। खड़गपुर बंगाल के कुशल कारीगर रिंटू दास एवं उनके सहयोगियों द्वारा पंडाल के निर्माण कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पंडाल की आंतरिक सज्जा भी सुंदर एवं उच्च कोटि की होगी। साथ ही पूजा पंडाल के अलावा आसपास के क्षेत्रों में रंग-बिरंगे बल्बों से मनभावन विद्युत सज्जा की जाएगी। उन्होंने बताया कि यहां पूजा का इतिहास 36 वर्ष पुराना है। सर्वप्रथम वर्ष 1987 में यहां पूजा की शुरूआत की गई थी। तब से यहां पूजा अनवरत जारी है। समय के साथ-साथ पूजा पंडाल एवं इसके आयोजन में बढ़ोतरी होती गई और आज यह पूजा पंडाल जिला में महिषासुर मर्दिनी की स्वचालित झांकी के लिए चर्चित है। पूरे आयोजन में लगभग सात लाख रुपए खर्च का अनुमान है।

दुगार्पूजा को लेकर राज्य में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त, तैनात रहेंगे 10 हजार जवान

रांची, (हि. स.)। झारखंड में दुगार्पूजा में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को लेकर 10 हजार जवानों की तैनाती की गई है। इसमें चार हजार 975 होमगार्ड के जवान तैनात रहेंगे। बुधवार से राज्य के 24 जिलों में अतिरिक्त बलों की तैनाती रहेगी। यह प्रतिनियुक्ति दुगार्पूजा समाप्ति 26 अक्टूबर तक रहेगी। जानकारी के अनुसार त्योहार को शांतिपूर्व संपन्न कराने के लिए सादे लिबास में महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। जिलों में प्रतिनियुक्त जवान दंगा नियंत्रण उपकरणों, लाठी, हेलमेट, बाडी प्रोटेक्टर, केन शील्ड, टियर गैस गन, एंटी रायट गन, वाटर कैनन और वज्र वाहन के साथ तैनात रहेगे। रांची, जमशदेपुर, हजारीबाग में बम निरोधक दस्ता की भी तैनाती की गई है। सुरक्षा के लिहाज से जैप, आईआरबी, एस-ाआईआरबी के कई कंपनी को तैनात किया गया है। राज्य में पूजा पंडालो में विशेष सुरक्षा इंतजाम किये गये हैं। संवेदनशील पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे से असामाजिक तत्वों पर नजर रखा जाएगा। संवेदनशील पूजा पंडालों को चिह्नित कर कड़ी निगरानी रखते हुए पर्याप्त संख्या में बल की तैनाती की गई है। साथ ही स्थानीय लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए सघन गश्ती और चेकिंग करने का निर्देश भी दिया गया है। इस-ाके लिए अफवाहों से निपटने की भी खास तैयारी की गई है। सूचना तंत्र और सोशल मीडिया सेल को सक्रिय रहने की हिदायत दी गई है। अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों को चिह्नित कर सतर्कता बरती जा रही है। आपत्तिजनक पोस्ट डालकर, अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले उपद्रवियों पर विशेष निगरानी रखने का भी आदेश दिया गया है। सबसे अधिक फोर्स की तैनाती राजधानी रांची, धनबाद, जमशेदपुर,बोकारो सहित अन्य शहरों में की गई है। वहीं दूसरी ओर राजधानी रांची में लगभग तीन हजार पुलिस वालों की तैनाती की गई है। इसके अलावा सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जाएगी। झारखंड पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने मंगलवार को बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त संख्या में पुलिस वालों की तैनाती की गई है।

जनसमस्याओं का निबटारा ही हमारी प्राथमिकता : चन्दन

नवादा, (हि. स.)। नवादा संसदीय क्षेत्र के सांसद चंदन सिंह ने बुधवार को नवादा परिसदन में जनता दरबार का आयोजन कर सैकड़ों नागरिकों के समस्याओं का निदान कराया। उन्होंने 400 मामले का निपटारा किया। चंदन सिंह ने जिला स्तर के अधिकारियों से नागरिक समस्याओं के लिए संवेदनशील बनकर काम करने का भी आग्रह किया । नवादा जिले के 5 विधानसभा क्षेत्रों के साथ ही शेखपुरा जिले के बरबीघा विधानसभा क्षेत्रों के फरियादियों ने स-ांसद से अपनी फरियाद सुनायी। जिस-ाका सांसद ने त्वरित निष्पादन किया। सांसद के व्यवहार व बेहतर कार्य पद्धति से फरियादी काफी खुश नजर आए।उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें असीम प्यार व सम्मान दिया है।जिस-ाके लिए हम जनता की समस्याओं को हर कीमत पर निदान के लिए सतत प्रयास करते रहेंगे। सांसद के पास परिसदन में नवादा जिले के 14 प्रखंडों के साथ ही बरबीघा के लोगों ने भी पहुंचकर अपनी समस्याएं सुनाई। सांसद ने बारी-बारी से सभी फरियादियों की समस्याओं को निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को फोन कर उन्हें त्वरित कार्रवाई करने का भी आग्रह किया। सांसद ने कहा कि अगर किसी भी नागरिक को कोई समस्या हो तो निश्चित तौर पर वह संपर्क करें। समस्या निदान की दिशा में सार्थक पहल की जाएगी ।उन्होंने कहा कि अधिकारियों के अलावा जो भी समस्याएं जटिल होगी। उसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा केंद्रीय सरकार से बात कर निपटारे कराए जाएंगे। कई सिंचाई परियोजनाओं को सरकारी स्तर पर पास कराया गया है। जो नवादा संसदीय क्षेत्र के नागरिकों के लिए वरदान साबित होगा ।इस अवसर पर एनडीए कार्यकताओं के साथ ही बड़ी संख्या में राष्ट्रीय लोजपा के कार्यकर्ता के साथ ही एनडीए कार्यकर्ता भी मौजूद थे। सांसद ने सभी कार्यकताओं को पार्टी की मजबूती के लिए भी जमीनी रूप से काम करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा एक मजबूत दल ही कार्यकताओं के सहयोग से बेहतर सेवा कर सकती है। उन्होंने एनडीए से जुड़े कार्यकताओं को भी सहभागी बनने का आग्रह किया है।सांसद ने कहा है कि नवादा संसदीय क्षेत्र के नागरिको ने जिस प्यार सम्मान के साथ मुझे स-ांसद बनाया है। निश्चित तौर पर उनके भाई व बेटे बनकर सदा उनकी सेवा करते रहेंगे। हमारी ओर से कभी भी सेवा में कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को मजबूती प्रदान करने का भी आह्वान किया है।

सीएम पैदल सचिवालय पहुंचे, महिला आरक्षण पर केंद्र को घेरा

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को पांव पैदल ही अपने आवास से सचिवालय पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस दौरान मीडिया से बातचीत में केंद्र सरकार के महिला आरक्षण बिल पर फिर से प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे महिला आरक्षण के शुरू से ही समर्थक रहे हैं। उन्होंने केंद्र से अनुरोध किया कि इसमें एससी-एसटी, पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग की महिलाओं का विशेष प्रावधान होना चाहिए। सीएम ने अपनी उपलब्धि गिनाते हुए कहा कि बिहार पहले ही पंचायतों और शिक्षक नियुक्ति में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दे चुका है। इससे पहले जब सीएम अपने आवास से पैदल ही निकले तो सुरक्षा में लगे लोगों के बीच कोतुहल का माहौल बन गया। राजधानी पटना में बीती रात तेज आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश हुई है। ऐसे में कई जगहों पर पेड़ गिर गए हैं। इसी आंधी- तूफान में मुख्यमंत्री आवास से निकल सचिवालय जाने वाले रास्ते में भी बहुत से जगहों पर पेड़ गिर गए हैं। सुबह होने के बाबजूद वन विभाग के तरफ से इन पेड़ को रास्ते से नहीं हटाया गया। इस बीच सुबह-सुबह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब सचिवलाय जाने लगे तो उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ी। सचिवालय जाने के दौरान बीच सड़क पर ही विशाल सा पेड़ गिर जाने के वजह से उन्हें पैदल जाना पड़ा। हालांकि, मुख्यमंत्री के आदेश के बाद वन विभाग की टीम पहुंची और रास्ते को फिर से सुचारू रूप से चालू किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों बिहार सचिवालय पहुंच रहे हैं। उन्होंने सभी विभागों के दफ्तरों में जाकर निरीक्षण भी कर रहे हैं। अफसरों की हाजिरी का जायजा लिया। सीएम नीतीश करीब 9.30 बजे सचिवालय पहुंचे। इस दौरान कई अफसर अपने दफ्तर में नहीं पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पर ना-राजगी जाहिर की। ड्यूटी से गायब होने पर पदाधिकारियों की उन्होंने क्लास लगा ली। सीएम ने अफसरों के साथ मंत्रियों को भी समय पर दफ्तर आने के निर्देश दिए।

पूर्व विधायक अनिल सिंह सहित सात पर हत्या के प्रयास की प्राथमिकी, जदयू नेत्री शोभा के जमीन कब्जा का मामला

नवादा, (हि.स.)। नवादा जिले के हिसुआ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अनिल सिंह सहित सात लोगों पर हिसुआ थाने में हत्या का प्रयास के साथही सोने का चैन तथा 6 लाख रुपये मूल्य का बास उठा कर ले जाने जैसे मामले में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। हिसुआ नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष जदयू नेत्री वार्ड पार्षद शोभा देवी के भतीजे शशि शेखर कुमार के हिसुआ थाने में लिखित बयान पर पप्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि हिसुआ के राजगीर रोड में 1962 के केवाला से शोभा देवी के पति चीना पटेल तथा शशि शेखर के पिता के नाम से जमीन की खरीदारी की गई थी। लेकिन पूर्व विधायक अनिल सिंह ने इस जमीन को लिखवा लेने का दावा करते हुए जेसीबी मशीन लाकर कुछ बनी हुई दुकानों को ध्वस्त कर दिया ।सूचक ने यह भी आरोप लगाया है कि जब पूर्व विधायक अनिल सिंह को जाकर मना किया। तो जान मारने की नियत से गला दबाया तथा सोने का चैन और उनके किरदार का 6 लाख मूल्य का बांस भी उठा कर लेकर चले गए। पूर्व अध्यक्ष शोभा देवी ने हिसुआ में बताया कि पूर्व विधायक अनिल सिंह जबरन उनके जमीन पर कब्जा जमा रहे हैं।

जिसमें नवादा के अनुमंडल पदाधिकारी तथा हिसुआ के अंचलाधिकारी की भी मिली भगत है। जब उन्होंने इन दोनों अधिकारियों को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आवेदन दिया, तो इन लोगों ने किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की। साथही फोन तक नहीं उठाया ।इसके बाद जानलेवा हमले की घटना हुई ।प्राथमिक में विधायक सहित उनके लोगों पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की गई । पूर्व अध्यक्ष शोभा देवी ने यह भी बताया कि इस मामले से संबंधित हकीकत बाद न्यायालय में भी लंबित है। इसके पक्ष में उनके पास सारे कागजात हैं ।बावजूद पूर्व विधायक अनिल सिंह दबंगता दिखाते हुए शास्त्रों के बल पर उनके जमीन को कब्जा करना चाहते हैं। सूचक ने पूर्व विधायक के गुर्गों पर गोलियां चलाने का आरोप भी लगाया है। इस मामले में पूर्व विधायक अनिल सिंह के साथही कौशल कुमार, गोलू कुमार, मुरारी सिंह, मिथिलेश कुमार, चापू सिंह आदि को भी अभियुक्त बनाया गया है। इस कृत को पूर्व विधायक अनिल सिंह के इशारे पर की गई कार्रवाई बताई गई है।

संपादकीय

अध्यापकों का मानसिक सर्वे

बिहार में एक और सर्वेक्षण किया जाएगा। यह राजनीतिक या जातीय से बिल्कुल अलग होगा और अध्यापकों की मानसिक सेहत और तनाव का अध्ययन करेगा। सबसे गरीब और पिछड़े राज्य में 4 लाख से अधिक अध्यापक सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। उनके अध्यापन की एक बानगी ही पर्याप्त है, जो उनकी विवशता भी है। कई अध्यापक, कई स्कूलों में ऐसे अध्यापन के दंश झेल रहे हैं कि चार अध्यापकों को, एक ही क्लास रूम में, दो ब्लैक बोर्ड पर, साथ-साथ पढ़ाना पड़ता है। कक्षा में आधे छात्र एक तरफ देखते हुए पढ़ते हैं, तो आधे छात्रों के चेहरे विपरीत दिशा में होते हैं। चार अध्यापक पढ़ा रहे हैं, तो जाहिर है कि उनके विषय भी भिन्न होंगे! एक ब्लैक बोर्ड पर अध्यापक भी अलग-अलग कुछ लिख कर छात्रों को पढ़ाने को विवश हैं। मानसिक तनाव अध्यापकों को ही नहीं, बल्कि छात्रों को भी होना चाहिए। उनके लिए कितना बड़ा असमंजस है कि उन्हें एक साथ गणित, विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी आदि विषय पढने होते हैं! क्या एक छोटा-सा बच्चा, एक साथ, कई विषयों को पढ़ और ग्रहण कर सकता है? इस तकनीकी मनोविज्ञान का भी सर्वे किया जाना चाहिए। हमने बिहार के अध्यापकों और सरकारी स्कूलों पर ऐसी कई रपटें देखी हैं। पूछने पर अध्यापकों का स्पष्टीकरण भी एक आश्चर्य है कि हमारे छात्र मेधावी हैं। एक साथ कई विषय पढने के अभ्यस्त हो गए हैं। यह दुनिया का कौनसा आश्चर्य है? बहरहाल इसी माह के अंत में सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के मानसिक तनाव, मनःस्थिति, औसत मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित सर्वे किया जाना है। दलीलें दी जा रही हैं कि औसत अध्यापक गहरे मानसिक तनाव का शिकार है, लिहाजा वह समय पर अपना पाठ्यक्रम पूरा करने में असमर्थ है। सरकार को जो शिकायतें मिली हैं, उनमें स्कूल के साथ घर पर भी तनाव और कुंठा की बातें कही गई हैं। अंततः अध्यापकों के मानसिक सर्वे का निर्णय लिया गया है। राज्य की शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को सर्वे का दायित्व सौंपा गया है। शिकायतें ऐसी भी हैं कि अध्यापकों में अनुपस्थित रहने का भाव भी गहराता जा रहा है, जिससे छात्र प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। दरअसल सरकारी स्कूल अध्यापकों पर अध्यापन का ही दायित्व नहीं है। उनके सामने गैर-शिक्षण कार्यों की चुनौतियां और निरंतर दबाव भी हैं। मसलन, उन्हें चुनावों के दौरान ड्यूटी करनी पड़ती है। बिहार में जो जातीय सर्वेक्षण कराया गया था, उसमें भी अध्यापकों को झोंका गया था। स्कूलों में 'दोपहर का भोजन' एक बहुस्तरीय और नियमित योजना है। बच्चों को भोजन परोसना अनिवार्य है। उसका प्रबंधन भी अध्यापकों को ही देखना पड़ता है। इतने स्तरों पर काम करके औसत अध्यापक अपने बुनियादी कत्र्तव्य को कैसे निभा सकता है? उसके काम में ईमानदारी कितनी होगी? अध्यापकों पर गुरुत्तर दायित्व है कि वे अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए देश की युवा और छोटी पीढ़ी को कैसे प्रशिक्षित करें और उनका मानसिक पोषण सुनिश्चित करें। शिक्षा के क्षेत्र में बिहार दुनिया के सामने बेमिसाल रहा है। उसकी अपनी प्राचीन विरासत और धरोहर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही बात करें, तो 2006 में उन्होंने 9वीं से 12वीं कक्षा तक की छात्राओं को साइकिल देने की योजना का आरंभ किया था, नतीजतन स्कूलों में कन्याओं का प्रवेश करीब 30 फीसदी बढ़ गया था। बच्चियां साइकिल से स्कूल जाती थीं। यदि एक ही कक्षा में चार अध्यापक साथ-साथ, अलग-अलग विषय, पढ़ा रहे हैं, तो भी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री हैं। दरअसल यह व्यवस्था और सरकार की गंभीरता का प्रश्न है कि वह शिक्षा के प्रति कितनी गंभीर और प्राथमिक है? यह भी हकीकत है कि सरकारी स्कूलों में वे ही छात्र आते हैं, जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर कमजोर और पिछड़े हैं। उनके लिए अनिवार्य है कि वे छात्र नियमित रूप से स्कूल में उपस्थित रहें और बेहतर शिक्षा ग्रहण करें। इस संदर्भ में अध्यापकों की भूमिका अप्रतिम है।

मानसिक तनाव अध्यापकों को ही नहीं, बल्कि छात्रों को भी होना चाहिए। उनके लिए कितना बड़ा असमंजस है कि उन्हें एक साथ गणित, विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी आदि विषय पढने होते हैं! क्या एक छोटा-सा बच्चा, एक साथ, कई विषयों को पढ़ और ग्रहण कर सकता है? इस तकनीकी मनोविज्ञान का भी सर्वे किया जाना चाहिए। हमने बिहार के अध्यापकों और सरकारी स्कूलों पर ऐसी कई रपटें देखी हैं। पूछने पर अध्यापकों का स्पष्टीकरण भी एक आश्चर्य है कि हमारे छात्र मेधावी हैं। एक साथ कई विषय पढने के अभ्यस्त हो गए हैं। यह दुनिया का कौनसा आश्चर्य है? बहरहाल इसी माह के अंत में सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के मानसिक तनाव, मन :स्थिति, औसत मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित सर्वे किया जाना है। दलीलें दी जा रही हैं कि औसत अध्यापक गहरे मानसिक तनाव का शिकार है, लिहाजा वह समय पर अपना पाठ्यक्रम पूरा करने में असमर्थ है। सरकार को जो शिकायतें मिली हैं, उनमें स्कूल के साथ घर पर भी तनाव और कुंठा की बातें कही गई हैं। अंतत : अध्यापकों के मानसिक सर्वे का निर्णय लिया गया है। राज्य की शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को सर्वे का दायित्व सौंपा गया है। शिकायतें ऐसी भी हैं कि अध्यापकों में अनुपस्थित रहने का भाव भी गहराता जा रहा है, जिससे छात्र प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। दरअसल सरकारी स्कूल अध्यापकों पर अध्यापन का ही दायित्व नहीं है।

कुछ अलग

कचरा-कचरा नदी

अंततः अदालत को ही कहना पड़ा कि नदी-नालों में कूड़े-कचरे की डंपिंग पर पूर्ण रोक लगाएं। जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते माननीय हिमाचल हाई कोर्ट ने प्रदेश के कूड़ा कचरा प्रबंधन पर सख्त हिदायतें ही नहीं दीं, बल्कि स्थानीय निकायों के दायरे में अवैज्ञानिक डंपिंग पर कड़ा संज्ञान लिया है। यह फैसला मानव सभ्यता और जीवनशैली में आ रहे परिवर्तनों की तरफ इशारा करते हुए सरकार के दायित्व में स्थानीय निकायों के लिए जीवन की शर्तें पेश कर रहा है। बद्दी जैसे अति औद्योगिक क्षेत्र के ठोस कचरा निष्पादन संयंत्र का संचालन जिस तरह किया जा रहा है, उसे देखते हुए यह फैसला जनचेतना से भी जुड़ा है। हिमाचल में पिछले तीन दशकों में कचरा न केवल बढ़ा, बल्कि इसके साथ योजनाओं-परियोजनाओं का कचरा भी बढ़ा। लगातार शहरीकरण के सवाल पर हिमाचल की सरकारें अगंभीर रहीं और यही साहसिक कोशिश करती रहीं कि किसी तरह इस दिशा की वृद्धि दर को ढांप के रखा जाए। हैरानी यह कि न शहर उचित मानदंड से बसे और न ही गांव बचे। हिमाचल की आबादी ने शहरी तहजीब, मानसिकता, उपभोक्तावाद और आधुनिक जीवनशैली में जीना तो सीख लिया, लेकिन इस उथल पुथल ने पर्यावर्णीय खतरों को लगातार नजरअंदाज कर दिया। शिमला के बाद 2005 में कहीं जाकर धर्मशाला दूसरा नगर निगम बना और बाद में जयराम सरकार ने तीन और शहरों के प्रबंधन को बड़े शहरों की व्याख्या दी, लेकिन ये फैसले केवल सियासी ही साबित हो रहे हैं। अगर नगर निगम क्षेत्रों में ही कूड़े कचरे के प्रबंधन को देखा जाए, तो मालूम हो जाएगा कि प्रदूषण व पर्यावरणीय खतरों की निशानियां आज भी यहां योजनाओं को कचरा कर रही हैं। प्रदेश के पास न ऐसे सर्वेक्षण हैं और न ही आंकड़े ताकि राज्य स्तरीय ढांचे में कचरा उन्मूलन हो सके। एक बार धूमल सरकार ने पॉलीथीन पर बैन लगाकर जीने की राह दिखाई थी, लेकिन यह आदर्श भी ढह गया। स्वच्छता अभियान के तहत प्रदेश के तमाम सांसदों ने डस्ट बिन तो गाड़ दिए, लेकिन इस मुहिम के शिलालेख न विकल्प बने और न ही इसके आगे कुछ हुआ। नतीजतन खड्डों व नदी-नालों के किनारे ही अब डंपिंग साइट बने हुए हैं जहां ठोस कचरे के साथ-साथ भवन निर्माण के दौरान खुदाई से पैदा हो रही सामग्री व मक फेंका जा रहा है। प्रदेश में अस्सी फीसदी कचरा खुले में फेंका जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में भले ही कुछ योजनाएं बन रही हैं, लेकिन ग्रामीण हिमाचल तो पूरी तरह पर्यावरण के खिलाफ कूड़े के ढेर के ऊपर बैठा है।

कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं के सामने सांसदों को प्रत्याशी बनाने से चुनाव में कांटे की टक्कर हो जाएगी

वसुंधरा समर्थकों की नाराजगी बढ़ी तो भाजपा के लिए चुनाव जीतना मुश्किल होगा

रमेश सर्राफ

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 41 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में शामिल 41 सीटों में से 40 सीटों पर भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में हार गई थी। एकमात्र विद्याधर नगर की सीट पर पूर्व मंत्री नरपत सिंह राजवी चुनाव जीते थे। मगर उनका भी टिकट काट दिया गया है। विद्याधर नगर से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी, झोटवाड़ा से पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, मांडल से पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, नगर से पूर्व विधायक अनिता सिंह, बांदीकुई से पूर्व विधायक अलका सिंह गुर्जर, सुजानगढ़ से पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, वैर से पूर्व विधायक रामस्वरूप कोली का टिकट कटने से वसुंधरा खेमे में नाराजगी व्याप्त हो रही है। टिकट कटने वाले सभी नेता पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं। हालांकि भाजपा आलाकमान का कहना है कि हमने जो 41 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा की है उनमें से 40 प्रत्याशी पिछले चुनाव में हार चुके थे। इनमें भी 11 सीट दातारामगढ़, कोटपूतली, झुंझुनू, सांचैर, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ, नवलगढ़, लालसोट, सपोटरा, बागीदौरा और बस्सी ऐसी विधानसभा सीट हैं जहां भाजपा पिछले तीन चुनाव से लगातार हार रही है। इन 41 सीटों में 2018 में भाजपा ने सिर्फ एक सीट ही जीती थी। वहीं 2013 में 25 सीट व 2008 में 5 सीटो पर ही जीत पाई थी। अपने हार के आंकड़ों को सुधारने के लिए ही भाजपा ने इस बार इन 41 सीटों पर बड़ा फेरबदल किया है। इन 41 सीटों में से 29 सीटों पर इस बार भाजपा ने नए उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। इनमें से 6 प्रत्याशी तो ऐसे हैं जो पिछले विधानसभा चुनाव में निर्दलीय या अन्य दलों से चुनाव लड़े थे। इनमें से कई ऐसे प्रत्याशी भी हैं जो पिछले चुनाव में तीसरे नंबर पर आए थे। लेकिन फिर भी उनको पार्टी टिकट दे दी गई है। अभी तक भाजपा द्वारा घोषित किए गए 41 प्रत्याशियों में 6 लोकसभा के मौजूदा सांसदो को टिकट दिया गया है। जिसमें जयपुर ग्रामीण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन राठौर को झोटवाड़ा से कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया के सामने, अलवर सांसद बाबा बालकनाथ को तिजारा में राज्य खाद्य निगम के अध्यक्ष विधायक संदीप यादव के सामने, जालौर सांसद देवजी पटेल को सांचैर से मंत्री सुखराम बिश्नोई के सामने, अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी को किशनगढ़ से निर्दलीय विधायक सुरेश टांक के सामने, झुंझुनूं सांसद नरेंद्र कुमार को मंडावा से कांग्रेस विधायक रीटा चौधरी के सामने, राजसमंद सांसद दिया कुमारी को विद्याधर नगर से भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा को सवाई माधोपुर से कांग्रेस के विधायक दानिश अबरार के सामने, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को लक्ष्मणगढ़ सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व सांसद बहादुर सिंह कोली को वैर से कैबिनेट मंत्री भजनलाल जाटव के सामने उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा का मानना है कि अशोक गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं के सामने सांसदों को प्रत्याशी बनाने से चुनाव में कांटे की टक्कर हो जाएगी। ऐसे में सरकार के मंत्री दूसरी सीटों पर प्रचार करने के लिए नहीं निकाल पाएंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा के सामने भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री व सीकर से तीन बार सांसद रहे सुभाष महरिया को प्रत्याशी बनाया है। सुभाष महरिया 2013 के विधानसभा चुनाव में गोविंद सिंह डोटासरा से पराजित हो चुके हैं। भाजपा ने जिन 41 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की है उनमें से अधिकांश सीटों पर टिकट की दावेदारी जता रहे प्रत्याशियों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। कई सीटों पर तो पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे नेताओं ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा भी कर दी है। जिससे भाजपा की स्थिति खराब हो रही है। भाजपा ने झुंझुनूं सीट पर पिछली बार चुनाव लड़े राजेंद्र भाम्भू के स्थान पर पिछली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े निषित उर्फ बबलू चौधरी को टिकट दिया है। जिससे नाराज होकर राजेंद्र भाम्भू ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। मंडावा में सांसद नरेंद्र कुमार को टिकट देने से 2019 के विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी रही सुशीला सीगड़ा, पूर्व प्रधान गिरधारी खिचड़ ने भी बगावती राग अलापना शुरू कर दिया है। जयपुर के झोटवाड़ा सीट पर तो पूर्व मंत्री राजपाल सिंह का टिकट कटने के बाद उनके समर्थको ने सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को काले झंडे दिखाकर विरोध जता रहे हैं। कोटपूतली से टिकट कटने पर पिछली बार भाजपा के प्रत्याशी रहे मुकेश गोयल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। भरतपुर जिले की नगर सीट से दो बार विधायक रही अनीता गुर्जर ने अपना टिकट काटने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात कही है। देवली-उनियारा सीट पर गुर्जर नेता रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैसला को टिकट देने पर पिछली बार भाजपा प्रत्याशी रहे राजेंद्र गुर्जर काफी नाराज है तथा खुलकर अपनी नाराजगी प्रकट करते हुए विजय बैसला को बाहरी प्रत्याशी बताकर उनका विरोध कर रहे हैं। सांचैर से सांसद देवजी पटेल को टिकट मिलने पर 2018 में चुनाव लड़े दानाराम चैधरी के समर्थक तो देवजी पटेल के साथ मारपीट तक कर चुके हैं। 2022 में सहाड़ा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने रतनलाल जाट को टिकट दिया था। मगर इस बार लादूलाल पितलिया को प्रत्याशी बनाया है। उपचुनाव में पीतलिया ने निर्दलिय फॉर्म भरा था मगर बाद में समझाने पर चुनाव मैदान से हट गए थे। हालांकि भाजपा ने उदयपुरवाटी से अपने पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी को टिकट देकर महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हुए बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के लिए सीट नहीं छोड़कर शिंदे गुट को उनकी हैसियत दिखा दी है। लाल डायरी प्रकरण से चर्चित हुए राजेंद्र सिंह गुढ़ा पिछले दिनों ही अपने गांव में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लाकर यह प्रयास कर रहे थे कि भाजपा उनके लिए खाली छोड़ दे। मगर भाजपा ने ऐसा नहीं किया। हालांकि कांग्रेस ने अभी तक राजस्थान में अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 41 सीटों पर नाम की घोषणा कर दी है। मगर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने के बाद भाजपा में जिस तरह की आपसी खींचतान व विरोध हो रहा है उसके चलते पार्टी बैक फुट पर आ गई है। इसी कारण पार्टी ने अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा रोक दी है। भाजपा में घोषित उम्मीदवारों के खिलाफ उठे विद्रोह से भाजपा के बड़े नेता डर गए लगते हैं। वहीं वसुंधरा राजे समर्थक वर्तमान विधायकों को भी अपनी टिकट कटने का डर सताने लगा है।

विद्याधर नगर से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी, झोटवाड़ा से पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, मांडल से पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, नगर से पूर्व विधायक अनिता सिंह, बांदीकुई से पूर्व विधायक अलका सिंह गुर्जर, सुजानगढ़ से पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, वैर से पूर्व विधायक रामस्वरूप कोली का टिकट कटने से वसुंधरा खेमे में नाराजगी व्याप्त हो रही है।

नरगिस ने हिरासत में जीता नोबेल

नॉर्वे की नोबेल पुरस्कार समिति ने इस साल उस ईरानी महिला नरगिस मोहम्मदी को शांति के लिए नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की है जो अपने देश में महिलाओं के हक के लिए निरंतर लड़ाई लड़ रही है। जब नरगिस मोहम्मदी को नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई तब वह खुले आसमान के नीचे नहीं, बल्कि जेल में 12 सालों से बंद हैं। ओस्लो में पुरस्कार की घोषणा करते हुए नोबेल समिति की अध्यक्ष बेरिट रीस एंडरसन ने कहा है कि यह पुरस्कार ईरान की विवादमुक्त नेता नरगिस मोहम्मदी को मान्यता देने के लिए दिया गया है। उन्होंने ईरान की सरकार से अपील की है कि वह नरगिस को जेल से रिहा कर दे, ताकि वे इस साल 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह में शामिल हो सकें। नरगिस दुनिया भर की संघर्षशील और अपने हक के लिए आंदोलनरत महिलाओं का आदर्श बन गई हैं। उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलने से विभिन्न मुल्कों की उन महिलाओं को जरूर प्रेरणा मिलेगी जो घर-परिवार में या सत्ता द्वारा प्रताड़ित होती हुई चुपचाप यातनाएं सहती रहती हैं और प्रतिकार नहीं कर पातीं। नरगिस शुरू से अखबारों के लिए लिखती थीं। 1990 से ही नरगिस महिलाओं के लिए आवाज उठा रही हैं। वर्ष 2003 में उन्होंने तेहरान के 'डिफेंडर्स ऑफ हुमन राइट सेंटर' से काम शुरू किया। वे तेरह बार गिरफ्तार हुई। उन्हें 31 साल की जेल और 154 कोड़े मारने की सजा भी सुनाई जा चुकी है। आठ साल से वे अपने बच्चों तक से नहीं मिल पाई हैं। नरगिस को जेल में बंद मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की मदद करने के आरोप में पहली बार 2011 में जेल हुई थी। नरगिस कहती हैं कि मुझे जितनी यातना मिलती है, मैं उतनी ही मजबूत होती जाती हूं। अपने जेल जीवन का जिक्र करते हुए नरगिस कहती हैं कि मैं रोज खिडक़ी के सामने बैठकर हरियाली और आजाद ईरान का सपना देखती हूं। जितना ज्यादा वे मुझे प्रताड़ित करते हैं, मेरी प्रिय चीजों को मुझसे दूर करते हैं, मैं उतनी ही मजबूत होती हूं। यह जंग तब तक जारी रहेगी, जब तक हम लोकतंत्र और आजादी नहीं पा लेते। मुझे उससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। फिलहाल उन्हें ईरान की कुख्यात 'एबीएन जेल' में रखा गया है। बचपन से ही संघर्षशील रहीं नरगिस के पिता किसान थे। मां राजनीतिक पृष्ठभूमि से थीं। 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद राजशाही खत्म हुई तो उनके एक्टिविस्ट चाचा और दो भाई गिरफ्तार किए गए। इनमें से एक भाई को फांसी दे दी गई। तब नरगिस 9 साल की थी। नरगिस के दिल और दिमाग पर उसका गहरा असर पड़ा। इसके बाद उन्होंने विरोध की राह चुनने का फैसला किया। कॉलेज में संगठन खड़ा कर दिया। शादी की तो एक साल अज्ञातवास में बिताना पड़ा। इन सब घटनाओं ने नरगिस को और मजबूत बना दिया। नरगिस का चार लोगों का परिवार कभी साथ नहीं रह पाया। बच्चों और पति को नरगिस के काम पर गर्व है। वे कहते हैं- एक पति और पिता के तौर पर बच्चों के साथ रहना बहुत मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि नरगिस हमारे साथ रहें। उनके मिशन में हर कदम पर हम उनके साथ हैं। नरगिस को उनकी मां बचपन में कहा करती थीं कि बेटी कुछ भी कर लेना राजनीति से दूर रहना। ईरान जैसे देश में व्यवस्था से लडऩे की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। लगता है मां की वह चेतावनी सही साबित हुई है। बच्चों के साथ विदेश में रह रहे नरगिस मोहम्मदी के पति ताबी रहमानी ने कहा है कि यह नोबेल पुरस्कार मानव अधिकारों के लिए नरगिस की लड़ाई को प्रोत्साहित करेगा, लेकिन इससे भी अहम बात यह है कि यह ईरान में चल रहे 'महिलाएं, जिंदगी और आजादी आंदोलन' के लिए पुरस्कार भी है। साथी कैदियों की तकलीफ को नरगिस ने 'व्हाइट टॉर्चर : इंटरव्यूज विद ईरानी वुमेन प्रिजनर्स' नामक किताब में विस्तार से लिखा है। उन्होंने जेल को भी आंदोलन का केंद्र बना दिया है। उनके करीबी दोस्त बताते हैं कि फारसी शास्त्रीय संगीत में दक्ष नरगिस जेल के वार्ड में सभाएं करती हैं। गाने के साथ बर्तनों पर पारंपरिक धुन बजाती हैं और साथी कैदियों के साथ नृत्य भी करती हैं। उन्होंने जेल की दीवारों को लोकतंत्र और आजादी के नारों से रंग दिया है। नरगिस ने महिलाओं के अधिकारों, खासतौर पर मृत्युदंड उन्मूलन के लिए अभियान चलाया है। ईरान में उन्हें 'महिलाएं, जिंदगी और आजादी आंदोलन' की सबसे बुलंद आवाज माना जाता है। वे नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला और दूसरी ईरानी महिला हैं। इसके पहले ईरान की ही मानवाधिकार कार्यकर्ता शिरीन एबादी को वर्ष 2003 में शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया था। नरगिस मोहम्मदी का जन्म 21 अप्रैल 1972 को जांजन, ईरान में हुआ था और वे कोरवेह, करज और ओशनावियेह में पली-बढ़ीं। उन्होंने 'काज़्विन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी' में दाखिला लिया, भौतिकी में डिग्री प्राप्त की और एक पेशेवर इंजीनियर बन गईं। अपनी पढ़ाई के दौरान उन्होंने छात्र-समाचारपत्र में महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करने वाले लेख लिखे और राजनीतिक छात्र समूह 'ताशक्कोल दानेशजुयी रोशनगरान' (प्रबुद्ध छात्र समूह) की दो बैठकों में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे एक पर्वतारोहण समूह में भी सक्रिय थीं, लेकिन बाद में उनकी राजनीतिक गतिविधियों के कारण उन्हें पर्वतारोहण में शामिल होने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। नरगिस ने कई सुधारवादी समाचार पत्रों के लिए एक पत्रकार के रूप में काम किया और 'सुधार, रणनीति और राजनीति' नामक राजनीतिक निबंधों की एक पुस्तक प्रकाशित की। वर्ष 2003 में वे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता शिरीन एबादी की अध्यक्षता वाले डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट्स सेंटर (डीएचआरसी) में शामिल हो गईं और बाद में संगठन की उपाध्यक्ष भी बनीं। वर्ष 1999 में उन्होंने साथी सुधार-समर्थक पत्रकार तघी रहमानी से शादी की, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया। रहमानी 14 साल की जेल काटने के बाद 2012 में फ्रांस चले गए, जबकि मोहम्मदी ने अपना मानवाधिकार कार्य ईरान में ही जारी रखा। नरगिस और रहमानी के जुड़वां बच्चे हैं। नरगिस मोहम्मदी को पहली बार 1998 में ईरानी सरकार की आलोचना के लिए गिरफ्तार कर साल भर जेल में रखा गया।

वर्ष 2003 में उन्होंने तेहरान के 'डिफेंडर्स ऑफ हुमन राइट सेंटर' से काम शुरू किया। वे तेरह बार गिरफ्तार हुई। उन्हें 31 साल की जेल और 154 कोड़े मारने की सजा भी सुनाई जा चुकी है। आठ साल से वे अपने बच्चों तक से नहीं मिल पाई हैं। नरगिस को जेल में बंद मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की मदद करने के आरोप में पहली बार 2011 में जेल हुई थी। नरगिस कहती हैं कि मुझे जितनी यातना मिलती है, मैं उतनी ही मजबूत होती जाती हूं। अपने जेल जीवन का जिक्र करते हुए नरगिस कहती हैं कि मैं रोज खिडक़ी के सामने बैठकर हरियाली और आजाद ईरान का सपना देखती हूं। जितना ज्यादा वे मुझे प्रताड़ित करते हैं, मेरी प्रिय चीजों को मुझसे दूर करते हैं, मैं उतनी ही मजबूत होती हूं। यह जंग तब तक जारी रहेगी, जब तक हम लोकतंत्र और आजादी नहीं पा लेते। मुझे उससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। फिलहाल उन्हें ईरान की कुख्यात 'एबीएन जेल' में रखा गया है। बचपन से ही संघर्षशील रहीं नरगिस के पिता किसान थे। मां राजनीतिक पृष्ठभूमि से थीं। 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद राजशाही खत्म हुई तो उनके एक्टिविस्ट चाचा और दो भाई गिरफ्तार किए गए। इनमें से एक भाई को फांसी दे दी गई। तब नरगिस 9 साल की थी।

दृष्टिकोण

गजा और सियार...

अपने देश में पिछले पाँच महीनों से गृह युद्ध की आग में झुलसते राज्य मणिपुर जाने का न उन्हें कभी खय़ाल आया, न ही उनके मालिक ने उन्हें कभी इसका इशारा दिया। इसलिए न वे मणिपुर गए और न वहाँ जाकर नाचे। लेकिन ऐसा नहीं कि वे नाचना भूल गए हैं। वे नाचते हैं और हर रोज़ नाचते हैं। चौबीस गुणा सात नाचते हैं। नफरत की ठुमरी और गीतों पर। लेकिन केवल अपने मालिक के हुकुम पर। अपने मालिक के आदेश पर उन्होंने दशक भर पहले नैतिकता के सारे वस्त्र उतार फैंकने के बाद बेशर्मी के गहने पहन लिए थे। तब से लेकर आज तक अपने मालिक की ताली या सीटी बजते ही सारे हर रोज़ नाचने लगते हैं और पूरे जोश-ओ-खरोश में नाचते हुए अपने घुँघरू भी तोड़ डालते हैं। विश्व गुरू के झूठ का गुणगान करते हुए अब उन्हें मीडिया की बजाए मोदिया सुनने और कहने में ज़्यादा रस और आनन्द आता है। टीवी चैनलों पर दिखने वाले ये नचनिए अब इस बात की खुले तौर पर मुनादी करने से नहीं झिझकते कि वे सरकार के घोषित भाँड हैं। अपना ख़र्चा घटाने के लिए अगर केन्द्र और राज्य सरकारें चाहें तो अपने-अपने सूचना प्रसारण मंत्रालय और विभाग बंद कर सकते हैं। धर्म और राष्ट्रवाद के फ्यूजऩ पर नाचने वाले ये नचनिए और अंधभक्त आका का इशारा मिलते ही दिमाग़ को ताखे पर रख कर सियारों की तरह हुआ-हू करने लगते हैं। अगर आका का मुँह उत्तर की ओर हो तो अँधेरों में भटकने वाले ये सियार उत्तर की ओर हुआ-हू करते हैं और दक्षिण की ओर हो तो दक्षिण की ओर। इजऱायल के पक्ष में जुमलोदी का पहला ट्वीट आते ही नचनिओं के भेष में रंगे सियार इजऱायल की ओर कूच कर गए। लेकिन गज़ा पट्टी में निर्दोषों पर की जा रही हवाई बमबारी या ज़मीनी हमले की कवरेज करने की बजाए इजऱायल में कवरेज का अभिनय करते हुए नाच रहे हैं। यही हाल अंधभक्त सियारों का है। बनारस में काला कोट पहनने वाले सियार सडक़ों पर बिना यह सोचे इजऱायल के पक्ष में प्रदर्शन करते रहे कि उनका देश भी ऐसी परिस्थितियों से दो-चार है। कई धार्मिक सियार इजऱायल की जीत के लिए हवन कर रहे हैं। लेकिन इन सियारों ने मणिपुर में शाँति बहाली के लिए न कोई यज्ञ किया और न हवन। सत्ताई गलियारों के सियारों ने भी अपने आका की दिशा देखकर इजऱायल के पक्ष में सोशल मीडिया पर नाचना शुरू कर दिया। लेकिन यह क्या? आका ने एक बार पुनः अपना सुर बदला है। अब वह फलस्तीन के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। सियारों ने बिना कुछ सोचे अपने मालिक के सुर में सुर मिलाना शुरू कर दिया है। लेकिन तब तक डरने की कोई बात नहीं जब तक सियारों का पेट भरा है। टके सेर भाजी है और टके सेर खाजा। समझ में नहीं आता कि अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त़ राशन बाँटने का दावा करने वाला विश्व गुरू वैश्विक भूख सूचकांक में पिछले एक दशक में दो गुलाटियाँ मारने के बाद भुक्खड़ देशों के पायदान में सबसे नीचे कैसे पहुँच गया।

देश दुनीया से

हिमालय में स्क्रब टाइफस के प्रकोप की चुनौती

देवभूमि हिमाचल प्रदेश, भारत के उत्तरी हिमालय क्षेत्र में स्थित एक राज्य है जिसे हम सब अपने अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य और वनस्पतिक संपदा के लिए जानते हैं। यहां की खूबसूरत पहाडिय़ां, झीलें और वन्यजीवों के आवास का सौंदर्य दुनियाभर के लोगों को आकर्षित करता है। हालांकि इसी सुंदरता के बीच एक बड़ी समस्या बढ़ रही है जिसका नाम है स्क्रब टाइफस। स्क्रब टाइफस एक जीवाणु जनित बीमारी है जो माइट्स जैसे छोटे कीटों के काटने से होती है। यह बीमारी अक्सर बारिश के मौसम में ज्यादातर होती है और हिमालय क्षेत्र में इसका असर बढ़ रहा है। संक्रमण का संचरण चिगर्स (माइट्स का लार्वा) के काटने से होता है। चिगर के काटने के बाद काला एस्कर बन जाता है (सूखे और मृत ऊतक का संग्रह), जिसका मूल्यांकन चिकित्सक द्वारा किया जा सकता है। यह जीवाणु संक्रमित माइट्स के संपर्क में आने पर हमारे रक्त द्वारा शरीर में प्रवेश करता है और वहां अपनी विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। माइट्स बहुत छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो ज्यादातर घास, झाडिय़ों, चूहों, खरगोशों और गिलहरियों जैसे जानवरों के शरीर पर होते हैं। इसके सामान्य लक्षणों में थकान, बुखार, मांसपेशियों में सूजन, त्वचा पर लाल दाने, सिरदर्द और श्वास की समस्याएं शामिल हैं, लेकिन यह गंभीर हो सकता है और जीवन को खतरे में डाल सकता है। इसके अलावा मानसिक परिवर्तन, भ्रम से लेकर कोमा तक या लिम्फ नोड्स का बढऩा भी इसके लक्षण हो सकते हैं। इसके लक्षण डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों के लक्षणों से काफी मिलते-जुलते हैं। चिग्गर्स के काटने के लगभग चौथे दिन बुखार आता है और एस्केर एक सप्ताह के बाद दिखाई देता है। यह बीमारी 200 वर्ष से भी पहले से मनुष्यों को संक्रमित कर रही है जिसका उपचार न किए जाने पर अंततः दर्दनाक मौत हो जाती है। स्क्रब टाइफस एक प्राचीन संक्रामक रोग है जिसका प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है और वेक्टर माइट्स द्वारा बीमारी की घटनाओं का उल्लेख प्राचीन चीनी साहित्य में 313 ईस्वी में किया गया है। इस बीमारी का वर्णन सबसे पहले 1810 में हाशिमोतो द्वारा और बाद में 1879 में बेल्ज और कावाकामी द्वारा जापानी 'बाढ़ बुखार' के रूप में किया गया था। भारत में पहला मामला 1934 में हिमाचल प्रदेश में सामने आया था। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान म्यांमार-भारत सीमा पर और 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सैन्य कर्मियों में बुखार का प्रमुख कारण था। स्क्रब टाइफस भारत और एशियाई देशों में सबसे आम उभरते संक्रमणों में से एक है। पिछले दशक से स्क्रब टाइफस फैलने की घटनाओं में वृद्धि हुई है जो इसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनाती है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रहने वाले एक अरब से अधिक लोगों को संक्रमण होने का खतरा है और यह हर साल दस लाख लोगों को बीमार करता है, जो डेंगू से होने वाले संक्रमण से भी अधिक है। स्क्रब टाइफस एशिया में प्रमुख है, लेकिन अमेरिका, अफ्रीका, चिली और दुबई में भी इसके मामले सामने आए हैं जो इस बीमारी के व्यापक भौगोलिक वितरण का सुझाव देते हैं। एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण का भारी बोझ है जिसके कारण 20 फीसदी से अधिक लोग बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती होते हैं और लगभाग 10 फीसदी मृत्यु दर होती है। यह बीमारी सबसे अधिक भारत में ग्रामीण आबादी को प्रभावित करती है, विशेषकर बाहरी श्रमिकों या किसानों को, लेकिन शहरी क्षेत्रों से भी कुछ मामले सामने आए हैं।

खूबसूरत पहाडिय़ां, झीलें और वन्यजीवों के आवास का सौंदर्य दुनियाभर के लोगों को आकर्षित करता है। हालांकि इसी सुंदरता के बीच एक बड़ी समस्या बढ़ रही है जिसका नाम है स्क्रब टाइफस। स्क्रब टाइफस एक जीवाणु जनित बीमारी है जो माइट्स जैसे छोटे कीटों के काटने से होती है। यह बीमारी अक्सर बारिश के मौसम में ज्यादातर होती है और हिमालय क्षेत्र में इसका असर बढ़ रहा है। संक्रमण का संचरण चिगर्स (माइट्स का लार्वा) के काटने से होता है। चिगर के काटने के बाद काला एस्कर बन जाता है (सूखे और मृत ऊतक का संग्रह), जिसका मूल्यांकन चिकित्सक द्वारा किया जा सकता है। यह जीवाणु संक्रमित माइट्स के संपर्क में आने पर हमारे रक्त द्वारा शरीर में प्रवेश करता है और वहां अपनी विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। माइट्स बहुत छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो ज्यादातर घास, झाडिय़ों, चूहों, खरगोशों और गिलहरियों जैसे जानवरों के शरीर पर होते हैं।

सऊदी युवराज ने अमेरिकी विदेश मंत्री का किया अपमान, बैठक के लिए कराया कई घंटे इंतजार

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इन दिनों इजराइल हमास युद्ध के चलते अरब देशों का दौरा कर रहे हैं। इस दौरान सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान द्वारा कथित तौर पर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का अपमान करने की खबर आई है। दरअसल सऊदी अरब पहुंचे एंटनी ब्लिंकन को सऊदी युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने बैठक के लिए कई घंटे इंतजार कराया। इतना ही नहीं काफी देर इंतजार कराने के बाद भी मोहम्मद बिल सलमान, एंटनी ब्लिंकन से नहीं मिले और दोनों नेताओं की अगले दिन मुलाकात हुई। वॉशिंगटन पोस्ट के हवाले से यह खबर सामने आई है।

एंटनी ब्लिंकन को मोहम्मद बिन सलमान ने कराया इंतजार – मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन शनिवार को रियाद पहुंचे थे। रियाद पहुंचने के बाद शाम में ब्लिंकन और सऊदी के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच मुलाकात होनी थी लेकिन कई घंटे इंतजार करने के बाद भी मोहम्मद बिन सलमान एंटनी ब्लिंकन से नहीं मिले। इसके बाद दोनों नेताओं की बैठक हुई। हालांकि मोहम्मद बिन सलमान के बैठक में नहीं पहुंचने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बयानों में भी दिखा मतभेद – बैठक के बाद भी दोनों देशों के बयानों में अंतर नजर आया। दरअसल एंटनी ब्लिंकन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी सऊदी युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ हुई बातचीत काफी अच्छी रही। उन्होंने कहा कि इजराइल को अपने नागरिकों की सुरक्षा करने और उन पर हुए हमले का जवाब देने का पूरा अधिकार है। ब्लिंकन ने ये भी कहा कि वह पूरी कोशिश कर रहे हैं कि यह संघर्ष ना बढ़े। वहीं सऊदी अरब के मीडिया के अनुसार, बैठक के दौरान सऊदी अरब युवराज ने कहा कि मौजूदा संघर्ष रुकना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया जाना चाहिए। सऊदी अरब ने गाजा में इजराइल द्वारा बिजली पानी की सप्लाई फिर से चालू करने की बात भी कही। सऊदी अरब ने इजराइल की कार्रवाई पर भी कथित तौर पर नाराजगी जाहिर की है। एंटनी ब्लिंकन ने हाल ही में मिस्त्र के राष्ट्रपति से भी मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद एंटनी ब्लिंकन ने गाजा और मिस्त्र के बीच मौजूद रफाह बॉर्डर के खुलने की बात कही थी लेकिन फिलहाल रफाह बॉर्डर बंद है और मिस्त्र ने गाजा के लोगों के उनकी सीमा में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। इसके चलते रफाह बॉर्डर पर बड़ी संख्या में फलस्तीनी नागरिक फंसे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

हमास के साथ इजराइल के खिलाफ जंग में शामिल हो सकता था हिज्बुल्ला

यरुशलम । इजराइल पर हमास की ओर से किए गए हमले को 11 दिन हो चुके हैं। इस बीच लेबनान के ईरान समर्थित संगठन हिज्बुल्ला ने भी इजराइल पर कुछ हमले किए हैं, जिसके जवाब में इजराइली सेना ने उसके कई ठिकानों पर बमबारी की है। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिज्बुल्ला पहले हमास के साथ ही इजराइल पर हमला बोलने वाला था। हालांकि, अमेरिका की ओर से उठाए गए कुछ कदमों की वजह से हिज्बुल्ला इजराइल के खिलाफ युद्ध छेड़ने से पीछे हट गया। इजराइल–हमास संघर्ष शुरू होने के ठीक बाद अमेरिका की ओर से भूमध्य सागर में दो कैरियर स्ट्राइक उतार दिए गए थे। इनमें विमानवाहक पोत, फाइटर जेट्स और कई युद्धपोत भी मौजूद थे। इसके चलते लेबनान में तैयारी के बावजूद हिज्बुल्ला ने इजराइल पर हमला नहीं बोला, जिससे इजराइल एक समय पर दो तरफा युद्ध की संभावना से बच गया। अमेरिकी अफसरों के हवाले से कहा है कि अमेरिकी और इजराइली खुफिया एजेंसियों ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ जमीनी अभियान चलाने के दौरान हिज्बुल्ला की ओर से कार्रवाई की संभावनाओं पर भी चर्चा की है। बताया गया है कि दोनों देशों के अफसरों की समीक्षा में सामने आया है कि हिज्बुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्ला इजराइल के साथ पूरी तरह युद्ध में नहीं उतरना चाहते, क्योंकि इससे उनके संगठन और हिज्बुल्ला के लेबनान में प्रभाव पर उल्टा असर पड़ सकता है।

हो ची मिन्ह में महात्मा गांधी की प्रतिमा का उद्घाटन, जयशंकर ने कहा- वह राजनीतिक प्रेरणा हैं

हनोई । केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वियतनाम के हो ची मिन्ह में महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण में शामिल हुए। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण को महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने इस दौरान गांधी जी के योगदान का वर्णन भी किया। वियतनाम के हो ची मिन्ह के तानो दान पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के साथ वाइस चेयरमैन डुओंग अन्ह डुक भी मौजूद थे। जयशंकर ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पर कहा, वाइस चेयरमैन डुओंग अन्ह डुक के साथ उद्घाटन में भाग लेने का सौभाग्य मिला। हो ची मिन्ह सिटी में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण बहुत महत्वपूर्ण है। यह स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता और गरिमा को रेखांकित करता है और यही दोनों देशों को एक साथ लाता है। जयशंकर ने आगे कहा, महात्मा गांधी दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक हैं। सत्य, अहिंसा और स्वतंत्रता में उनके योगदान को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता दी गई है। उनके जन्मदिन दो अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में घोषित किया गया है।

गाजा पट्टी में जमीनी हमले की धमकी हमें डरा नहीं सकती, हमास की इजराइल को चेतावनी

यरूशलम । इजराइल–हमास युद्ध में अबतक करीबन 1400 इजराइली नागरिकों की मौत हो चुकी है। हमास के हमले के बाद इजराइल लगातार गाजा पट्टी पर हमला कर रहा है। हालांकि, इजराइल के गाजा पट्टी में जमीनी हमले की धमकी पर हमास के प्रवक्ता अबु ओबेदेह ने प्रतिक्रिया दी है। ओबेदेह ने चेतावनी देते हुए कहा, इजराइल का गाजा पट्टी में जमीनी हमले की धमकी हमें डरा नहीं सकती। हम इसके लिए तैयार है। एक टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में उन्होंने कहा, एजेदीन अल कसम ब्रिगेड ने सात अक्तूबर को इजराइल पर हमले के बाद 200नागरिकों को बंधक बना लिया था। उन्होंने आगे कहा, हमारे लोगों के खिलाफ जमीनी हमले की धमकी हमें नहीं डरा सकती। हम इसके लिए तैयार हैं। हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों पर सेना के प्रवक्ता डेनियल हगड़ी ने कहा, गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए 199 लोगों के परिजनों की पुष्टि की जा चुकी है। वहीं बंधक बनाए गए विदेशी नागरिकों के लिए जारी बयान में अबु ओबेदेह ने कहा कि परिस्थितियां अनुकूल होने पर विदेशी नागरिकों को रिहा कर दिया जाएगा। गाजा पट्टी पर इजराइल द्वारा हमले के बाद 22 बंधकों की मौत हो चुकी है।

इजराइल–हमास के बीच युद्धविराम की मांग करने वाला रूस का प्रस्ताव खारिज, किसका वोट किसे गया

वॉशिंगटन ।

संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में गाजा में जारी हिंसा पर लाए गए रूस का प्रस्ताव खारिज हो गया। दरअसल रूस के प्रस्ताव में गाजा में आम नागरिकों के खिलाफ हो रही हिंसा की निंदा करते हुए युद्धविराम की मांग की गई थी, लेकिन इसमें हमास या उसके द्वारा इजराइली नागरिकों पर किए गए बर्बर हमले का जिक्र ही नहीं किया गया था। ऐसे में पश्चिमी देशों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। 15 सदस्यों वाली सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पास होने के लिए 9 वोटों की जरूरत थी लेकिन प्रस्ताव के समर्थन में सिर्फ चार देशों ने मतदान किया। वहीं चार देशों ने इसके खिलाफ वोट दिया।

इन देशों ने किया रूसी प्रस्ताव का समर्थन

रूसी प्रस्ताव के समर्थन में जिन देशों ने वोट किया, उनमें चीन, संयुक्त अरब अमीरात, मोजाम्बिक और गैबोन शामिल हैं। वहीं प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और फ्रांस शामिल हैं। छह अन्य देश मतदान में शामिल ही नहीं हुए।

बता दें कि इजराइल और हमास के बीच छिड़ी लड़ाई को लगभग दो हफ्ते का समय बीत चुका है लेकिन अभी तक संयुक्त राष्ट्र की सबसे अहम निकाय सुरक्षा परिषद, जिस पर वैश्विक शांति और सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वह इस हिंसा को रोकने में विफल रही है। बीती सात अक्तूबर को फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास ने इजराइली सीमा में घुसकर 1400 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। वहीं इजराइल के जवाबी हमले में अब तक गाजा पट्टी में 2750 के करीब लोगों की जान जा चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, पश्चिमी देशों की बंधक

गाजा पर रूसी प्रस्ताव पर मतदान से पहले रूसी राजनयिक वेसिली नेबंजिया ने सदस्य देशों से समर्थन मांगते हुए कहा कि गाजा संकट अभूतपूर्व है और इसमें हताहतों की संख्या हर घंटे बढ़ रही है। रूसी राजनयिक ने इजराइल और गाजा में आम नागरिकों की मौतों की कड़ी निंदा की। वहीं रूसी प्रस्ताव खारिज होने के बाद वेसिली नेबंजिया ने कहा कि एक बार फिर साबित हो गया है कि सुरक्षा परिषद पश्चिमी देशों के स्वार्थों की बंधक है और यह बीते दशक की सबसे गंभीर हिंसा रोकने के लिए एकजुट संदेश देने में विफल रही है।

रूसी प्रस्ताव पर क्या बोलीं अमेरिकी राजदूत वहीं अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा कि रूसी प्रस्ताव में हमास का जिक्र ही नहीं है जबकि हमास ने इजराइली नागरिकों, यहूदियों को तबाह करने की नीयत से हमला किया। रूस हमास की निंदा नहीं कर इस आतंकी संगठन के बर्बर कृत्य का बचाव कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमास के हमले की वजह से ही गाजा में यह गंभीर मानवीय संकट पैदा हुआ है। अमेरिकी राजदूत ने गाजा में जारी हिंसा की भी निंदा की लेकिन ये भी कहा कि आतंकी हमले का जवाब देना इजराइल का अधिकार है। ब्रिटेन की राजदूत बारबरा वुडवार्ड ने रूसी प्रस्ताव की निंदा करते हुए कहा कि इजराइली पर हुए उसके इतिहास के सबसे बर्बर हमले को इस प्रस्ताव में नजरअंदाज किया गया है।

बेल्जियम में दो की जान लेने वाले आतंकी का वीडियो वायरल! खुद को बता रहा आईएस का सदस्य

ब्रसेल्स ।

यूरोपीय देश बेल्जियम के ब्रसेल्स शहर में सोमवार रात गोलीबारी की घटना को अंजाम देने वाले बंदूकधारी ने कथित तौर पर एक ऑनलाइन वीडियो पोस्ट कर खुद को इस्लामिक स्टेट का सदस्य बताया है।

यह है घटना – गौरतलब है, संदिग्ध आतंकियों ने राजधानी ब्रसेल्स के मध्य इलाके में सोमवार रात गोलीबारी की थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में मारे गए दोनों लोग स्वीडिश नागरिक थे। आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। कारणों की तलाश की जा रही है।

हमालवर का वीडियो जारी – हमलावर ने वीडियो की शुरुआत अल्लाहु अकबर कहकर की। उसने आगे कहा, 'मेरा नाम अब्देसालेम अल गुइलानी है। मैं अल्लाह के लिए एक सेनानी हूं। मैं इस्लामिक स्टेट से हूं। हम प्यार करते हैं जो हमसे प्यार करता है और हम नफरत करते हैं जो हमसे नफरत करता है। हम अपने धर्म के लिए जीते हैं और हम अपने धर्म के लिए मरते हैं। अल्हम्दुल्लाह। तुम्हारे भाई ने मुसलमानों के नाम पर बदला लिया। संदिग्ध इतने पर ही नहीं रुका उसने वीडियो में आगे कहा, 'मैंने अब तक तीन स्वीडिश नागरिकों को मार डाला है। तीन स्वीडिश, हां। जिन लोगों के साथ मैंने कुछ गलत किया है, वे मुझे माफ कर दें। मैं भी सभी को माफ करता हूं। सलाम अलेकूम।

यूरोपीय शहर पहले से ही हाई अलर्ट पर – इजराइल में हमास के हमलों के बाद यूरोपीय शहरों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, लेकिन जांचकर्ताओं का कहना है कि इस मामले में युद्ध से कोई लेना देना नहीं है। अधिकारी ने बताया तीसरा व्यक्ति जो घायल हुआ, वह एक टैक्सी ड्राइवर है। वहीं, ब्रसेल्स के लोगों से घर के अंदर रहने को कहा गया है। यूरोपीय आयोग के कर्मचारियों को भी घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है।

हमले के बाद यूईएफए ने भी बेल्जियम और स्वीडन के बीच आयोजित क्वालीफाइंग मैच को रद्द कर दिया है। यूईएफए ने ट्वीट कर कहा था कि संदिग्ध आतंकी हमले के बाद स्थानीय अधिकारियों से चर्चा की गई। चर्चा के बाद, यूईएफए यूरो 2024 में बेल्जियम और स्वीडन के बीच खेले जाने वाले क्वालीफाइंग मैच को रद्द कर दिया गया है।

आईडीएफ का लेबनान के हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों पर हमला, गाजा के आसपास लगातार सायरन की आवाजें

यरूशलम ।

इजराइली वायु सेना (आईएएफ) ने गोलीबारी के जवाब में लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों और सैन्य ढांचों पर हमला किया है। इस बात की जानकारी इजराइली वायु सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है।

वायु सेना ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, थोड़ी देर पहले आईएएफ ने लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों और सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है। सोमवार को इजराइली रक्षा बल ने बताया कि लेबनान सीमा पर मौजूद कई सैन्य पोस्ट गोलीबारी की चपेट में आ गया।

पोस्ट कर गोलीबारी की जानकारी दी

एक्स पर एक पोस्ट जारी करते हुए इजराइली वायु सेना (आईडीएफ) ने बताया कि आईडीएफ टैंक की तरफ गोली दागे गए, जिसके जवाब में इजराइल की तरफ से भी गोलीबारी की गई। गाजा के आसपास सायरन चलाया गया। लगातार 10 दिनों से इजराइल पर हमास के आतंकी हमले कर रहे हैं।

एक अन्य पोस्ट पर आईडीएफ ने शुरा काउंसिल के अध्यक्ष ओसामा मजिनि के मौत की जानकारी देते हुए बताया कि हवाईहमले के दौरान मजिनी की मौत हो गई। आईडीएफ के अनुसार मजिनी इजराइल के खिलाफ हमास के आतंकी गतिविधियों को निर्देशित करता था। इजराइल ने लेबनान से सटे क्षेत्रों में रह रहे लोगों से जगह खाली करने को कहा। सभी लोगों को फिलहाल राज्य वित्त पोष्त गेस्ट हाउस में रखा गया है।

मीडिया सूत्रों के अनुसार लेबनान से सटे इजराइली क्षेत्र में छह एंटी टैंक गाइडेड मिलाइलें दागी गई, जिसमें एक नागरिक की मौत हो गई। इसके अलावा भी नौ रॉकेट और दागे गए, जिसमें फिलहाल किसी के भी हताहत होने की कोई जानकारी नहीं दी गई है।

प्लीज, हमें इस नरक से निकाल लो', संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के कर्मचारियों ने लगाई गुहार

संयुक्त राष्ट्र ।

गाजा पट्टी में इजराइल का जवाबी हमला लगातार जारी है। ऐसे में, संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के साथ फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम करने वाले कर्मचारी बेहद डरे हुए हैं। उन्होंने गाजा पट्टी में मौजूदा हालातों को नरक से भी बेकार बताया है। उन्होंने बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा बुजुर्गों के लिए खाना, पानी और दवाओं की तत्काल आपूर्ति करने की अपील की है। फलस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) गाजा पट्टी में काम करने वाली सबसे बड़ी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है। यहां 13 हजार कर्मचारी काम कर रहे हैं। इनमें शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, वेयरहाउस कर्मचारी, तकनीशियन और ड्राइवर शामिल हैं। यूएनआरडब्ल्यूए ने गाजा में फलस्तीनी शरणार्थियों को लेकर आपात अपील जारी की। कहा कि गाजा में हो रहे हमले का खामियाजा लाखों फलस्तीनी शरणार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। यूएनआरडब्ल्यूए की संचार निदेशक जूलियट टौमा ने गाजा में मानवीय स्थिति पर पत्रकारों से कहा कि गाजा में संयुक्त राष्ट्र के हजारों कर्मचारी है। वो लोग डरे हुए हैं। वे चाहते हैं कि संघर्ष समाप्त हो जाए। टौमा ने आगे कहा, 'कर्मचारी कह रहे हैं कि वहां नरक जैसे हालात हैं। उन्हें जल्द वहां से बाहर निकाला जाए टौमा ने कहा कि हफ्तेभर से इजराइल की घेराबंदी और बमबारी के बीच मिल रहे एसओएस मैसेज दिन–ब–दिन खराब होते जा रहे हैं। इन मैसेजों को देखकर दिमाग खराब हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि निराशा बढ़ती जा रही है। हालात समय के साथ और खराब हो रहे हैं। यही हमारे कर्मचारी बता रहे हैं। सात अक्तूबर को फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास ने इजराइली सीमा में घुसकर 1400 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। वहीं इजराइल के जवाबी हमले में अब तक गाजा पट्टी में 2750 के करीब लोगों की जान जा चुकी है। अबतक गाजा से करीब 10 लाख फलस्तीनी विस्थापित हो गए हैं। यूएनआरडब्ल्यूए गाजा पट्टी में काम करने वाले अपने 14 कर्मचारी को खो चुका है। 10 दिन पहले संघर्ष शुरू होने के बाद से संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के साथ काम करने वाले कई अन्य कर्मचारी विस्थापित हो गए हैं।

दुनिया के मुस्लिमों को कोई रोक नहीं सकता...

इजराइल को ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की चेतावनी

तेहरान ।

पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में इजराइल और हमास के हिंसक संघर्ष के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजराइल को चेतावनी दी है। उन्होंने बदले की कार्रवाई का संकेत देते हुए कहा, दुनिया भर के मुसलमानों और प्रतिरोधक ताकतों को कोई नहीं रोक पाएगा। खामेनेई ने कहा कि अगर इजराइल ने गाजा में अपने अपराध जारी रखे तो प्रतिरोधक ताकतें भी जवाब देंगी। उन्होंने कहा, गाजा पर बमबारी तुरंत बंद होनी चाहिए।

जायोनी शासन के अधिकारियों पर मुकदमा – ईरान की सरकारी टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने मंगलवार को कहा कि अगर फलस्तीनियों के खिलाफ जायोनी शासन के अपराध जारी रहे तो कोई भी मुसलमानों और प्रतिरोध बलों का सामना नहीं कर सकता। गाजा में फलस्तीनियों के खिलाफ अपराधों के लिए जायोनी शासन के अधिकारियों पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

ईरान फलस्तीन के मुद्दे पर आक्रामक – गौरतलब है कि ईरान, पश्चिमी एशिया (मध्य पूर्व) के आसपास अपने गठबंधन वाले सशस्त्र समूहों को प्रतिरोध की धुरी का हिस्सा बताता है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से, ईरान के मौलवी शासक फलस्तीनी मुद्दे के समर्थन में मुखर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तेहरान हमास को समर्थन देता है। खबरों में दावा किया गया है कि ईरान खुलेआम गाजा को नियंत्रित करने वाले इस्लामी समूह का वित्त पोषण करता है। इसके साथ ही ईरान हथियार भी देता है। पश्चिम एशिया के जानकारों का मानना है कि इजराइल के खिलाफ ईरान का उग्र व्यवहार कोई रहस्य नहीं है।

75 साल के इतिहास में सबसे भयानक हमला, नेतन्याहू की कसम – गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइली शहरों में हमास ने अंधाधुंध रॉकेट हमले किए। मुख्य रूप से नागरिकों की हत्या के बाद बौखलाए इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को नष्ट करने की कसम खाई है। हमास के हमले को इजराइल के 75 साल के इतिहास में सबसे घातक हमला माना गया।

संकट में फलस्तीनी आबादी की जान, 50 हजार गर्भवती – इजराइल ने हमास के हमलों के बाद गाजा पट्टी पर हवाई हमले किए। इजराइली सेना की बमबारी में 2,800 से अधिक फलस्तीनियों के मारे जाने की खबर सामने आई है। मरने वाले लोगों में से एक चौथाई बच्चे हैं। खबरों के अनुसार, 2.3 मिलियन गाजावासियों में से लगभग आधे को उनके घरों से निकाल दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस महीने में करीब पांच हजार गर्भवती महिलाओं का प्रसव भी संभावित है। अनुमान के अनुसार, गाजा पट्टी पर लगभग 50 हजार महिलाएं गर्भवती हैं।

गाजा पट्टी पर मानवीय सहायता खत्म हो रही है – इजराइल ने गाजा पट्टी पर आतंकी ठिकानों की मौजूदगी का हवाला देते हुए एन्क्लेव पर पूर्ण नाकाबंदी लगा दी है। गाजा पट्टी पर हालात बेहद संवेदनशील और नाजुक हो चुके हैं।

अच्छा लीडर वही जो खुद उदाहरण बन दूसरों को प्रेरित करे : अंशुल रूहिल

हिसार (हिंस)। हरियाणा के प्रमुख प्रबंधन संस्थान, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की ओर से मंगलवार को मोटिवेशनल टॉक का आयोजन किया।
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बधाई देते हुए कहा कि एचएसबी इस टॉक के माध्यम से छात्रों को व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में उनकी क्षमता को विकसित करने का अवसर मिलेगा और उद्योग की आवश्यकताओं को समझने में मदद मिलेगी। इस विशेष चर्चा में मुख्य वक्ता मिस्टर अंशुल रुहील, को-फाउंडर, रुहील कॉर्पोरेशन रहे। हारियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि श्री रुहील असली धरतीपुत्र हैं जिन्होंने सफलता की उच्चतम उंचाइयों को छुआ है लेकिन फिर भी अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। उनका मंत्र है यदि मैं अपने वक्तव्य से एक भी जीवन बदलने में कामयाब रहा तो यह मेरी सफलता है। मुख्य वक्ता अंशुल रुहिल ने व्यापार व जीवन मंत्रों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें *सेवक नेतृत्व और उदाहरण से प्रेरित करना* पहला मंत्र है। इसमें वह बताते हैं कि एक सफल व्यवसाय नेतृत्व का सामंजस्य और उदाहरणों के माध्यम से चलता है। दूसरा मंत्र *वास्तविक लोकतांत्रिकता* है जिसमें वे व्यवसायिक निर्णयों के संदर्भ में सच्चे लोकतंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को बताते हैं। तीसरा मंत्र है *तुम्हारी टीम की तरह तुम भी अच्छे होते हो* जिसमें उन्होंने टीम के महत्व को बताया और यह कहा कि एक व्यक्ति केवल अपनी टीम के स्तर के अनुसार सफल हो सकता है।

केंद्र की सब्सिडी पर वाहवाही लूट रही गहलोत सरकार : डॉ. अल्का गुर्जर

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव डॉ. अल्का गुर्जर ने कहा है कि केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से गरीबी रेखा के नीचे जीवन जी रहे लोगों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री से घोषणा मंत्री बन चुके अशोक गहलोत केंद्र की योजनाओं पर वाहवाही लूटकर अपनी पीठ थपथपाकर अपनी जिम्मेदारियों से भाग रहे हैं। बीपीएल परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का संकल्प जारी है, इस पर भी गहलोत सरकार जनता में भ्रम फैलाने से बाज नहीं आ रही है। मात्र 100 रुपए की सब्सिडी देकर पूरा श्रेय लेने के कांग्रेस के षडयंत्र को जनता जान चुकी है। अगर सीएम राजस्थान की जनता के प्रति ईमानदार है तो उन्हें अन्नपूर्णा योजना के राशन किटों की जांच करवानी चाहिए, जो ना मनुष्य के उपयोग योग्य है और ना ही जानवरों के उपयोग के। गरीब के जीवन से खेलने का पाप कांग्रेस सरकार की विदाई तय कर चुका है। अल्का गुर्जर ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि जनता के संज्ञान में हैं कि गत अप्रैल से राज्य सरकार ने उज्जवला योजना के तहत बीपीएल परिवार को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की थी लेकिन समय पर सस्ते सिलेंडर देने शुरू नहीं किए। इसके कुछ दिनों बाद ही केंद्र सरकार ने गैस सिलेंडर पर सब्सिडी की घोषणा कर दी जिसके बाद आमजन को गैस सिलेंडर पर 200 रुपए और बीपीएल परिवारों को 300 रूपए सब्सिडी देना शुरू कर दिया। इसके बाद राज्य की गहलोत सरकार ने भी गरीबों के सिलेंडर पर सब्सिडी की राशि घटा दी, जबकि

मुख्यमंत्री को अपनी घोषणा के अनुसार पूरी सब्सिडी देकर गैस सिलेंडर की कीमत कम करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि राज्य में बीपीएल को सीएम ने 500 रुपए में सिलेंडर देने की घोषणा की थी। इसके लिए आमजन को महंगाई राहत शिविरों की लाइन में खडा कर दिया गया। जब योजना शुरू हुई तो बडे आयोजन कर सब्सिडी के नाम पर 410 रुपए खातों में डाल दिए गए। इसी माह केंद्र सरकार ने जब उज्जवला योजना के तहत सब्सिडी राशि को बढ़ाकर 300 रुपए कर दिया तो राज्य सरकार ने इस योजना के तहत दी जा रही सब्सिडी को घटाकर 100 रुपए ही कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सभी घोषणाएं चुनावी ही साबित हो रही है। प्रदेश के गरीबो को राशन किट देने के लिए शुरू की गई अन्नपूर्णा राशन किट योजना में मिल रहे राशन के नाम पर गरीबों को घटिया सामग्री का वितरण किया जा रहा है। कई जिलो में तो हाल यह है कि योजना के तहत दिए जा रहे किट में मिर्च, धनिया और हल्दी के नाम पर बुरादा ही निकल रहा है।

जालंधर में दिनदहाड़े मां–बेटी की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जालंधर में बाइक सवार दो युवकों ने मां-बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। परिजन ने अमेरिका में रह रहे अपने दामाद पर दोनों की हत्या कराने आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि मंगलवार की सुबह अमर नगर की रहने वाली जगतार की पत्नी रंजीत कौर (मां) और उनकी बेटी को बाइक से आए अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर मौत के घाट उतार दिया। घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। बताया गया कि बदमाशों ने पेट्रोल डालकर शव को जलाने का भी प्रयास किया है।घटना की जानकारी मिलने पर जालंधर देहात के एसएसपी मुखविंदर सिंह भुल्लर और उनकी टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पिता जगतार के बयानों के आधार पर हत्या का केस दर्ज करने कार्यवाही शुरू कर दी है। जगतार ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की शादी करीब चार साल पहले हुई थी। जिसके बाद दामाद और बेटी के बीच विवाद होने लगा था। दोनों का एक बच्चा भा है। जगतार ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनकी पत्नी के शरीर को आग लगाकर जलाने की भी कोशिश की। दोनों की हत्या के लिए उन्होंने अमेरिका में रह रहे अपने दामाद पर आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस ने एरिया के सीसीटीवी कब्जे में लिए हैं। जिससे बाइक सवार युवकों की पहचान की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ईडी की रेड के विरोध में पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह के समर्थकों का भाजपा पर हल्ला बोल

कठुआ (हिंस)। ईडी की रेड को लेकर डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ रोष प्रकट किया। दरअसल मंगलवार सुबह से ही पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह के निवास स्थान सहित अन्य आठ स्थानों पर ईडी द्वारा मनी लांड्रिंग मामले में छापेमारी की जा रही है। जिसके बाद चौधरी लाल सिंह के समर्थक उनके निवास स्थान के बाहर पहुंच गए और भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। समर्थकों ने बताया कि चौधरी लाल सिंह का जनाधार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। लोगों में लाल सिंह की लोकप्रियता से परेशान होकर भाजपा वाले अब तुच्छ राजनीति करने पर उतारू हो चुके हैं। कभी सीबीआई तो कभी ईडी की रेड करवा कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। समर्थकों ने कहा कि चौधरी लाल सिंह एक अच्छे छवि वाले नेता हैं और उनकी लोकप्रियता जम्मू कश्मीर के साथ–साथ देश के अन्य हिस्सों में भी बड़ी है। यही बात अब भाजपा को हजम नहीं हो रही है जिसकी वजह से उन्हें डराने के लिए इस तरह के हथकंडे

अपनाए जा रहे हैं। आगामी चुनाव में भाजपा को हर का सामना करना पड़ेगा इससे पहले इस तरह की तुच्छ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी नेता डोगरों के हक के लिए खड़े होते हैं उनको दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसे डोगरा स्वाभिमान संगठन कदापि बर्दाश्त नहीं करेगी। फिलहाल रेड देर शाम तक जारी रही, तब तक डोगरा स्वाभिमान संगठन के कार्यकर्ता भी चौधरी लाल सिंह के निवास स्थान के बाहर धरने पर डटे रहे।

मेवाड़ राजघराने का पुन: राजनीति में प्रवेश, राजनीति के गलियारों में चर्चा

उदयपुर (हिंस)। मेवाड़ राजघराने ने एक बार फिर से राजनीति में प्रवेश किया है। मेवाड़ के पूर्व महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड़ के पुत्र विश्वराज सिंह मेवाड़ ने मंगलवार को दिल्ली में भाजपा का दामन थाम लिया। बरसों पहले सक्रिय राजनीति से दूर हुए पिता के बाद पुत्र के राजनीति में आने से मेवाड़ के राजनीतिक समीकरण एक बार फिर गरमा गए हैं। महाराणा प्रताप के वंशज कुंवर विश्वराज सिंह मेवाड़ मंगलवार को दिल्ली में भाजपा केंद्रीय कार्यालय में राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी व सांसद अरुण सिंह और सांसद दीया कुमारी की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह–प्रमुख डॉ. संजय मयूख भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय पोलो खिलाड़ी एवं करणी सेना के पूर्व अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह कालवी के पुत्र भवानी सिंह कालवी ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि मेवाड़ के साथ आने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत निर्माण के उद्देश्यों व राजस्थान के सर्वांगीण विकास के संकल्प को और मजबूती मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याण एवं विकास कार्यो से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कालजयी योद्धा महाराणा प्रताप ने मुगलों के आगे कभी समर्पण नहीं किया, वे जीवनपर्यंत संघर्ष करते रहे और मेवाड़ को कभी पराधीन नहीं होने दिया। उस परिवार के वंशज महाराणा भगवत सिंह 1969 में सर्वसम्मति से विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष नियुक्त हुए। उन्होंने राष्ट्र और धर्म के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। 1984 में महाराणा भगवत सिंह की अध्यक्षता में न्यूयार्क में विश्व हिंदू परिषद का दसवां सम्मेलन हुआ था, जिसमें 50 देशों के 4 हजार 750 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। उनके वंशज और विश्वराज सिंह के पिता पूर्व महाराणा महेन्द्र सिंह चित्तौड़ के सांसद रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

पेपर लीक मामला : ईडी की जयपुर सीकर भीलवाड़ा और नागौर में रेड

जयपुर (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा(रीट) 2021 पेपर लीक मामले में एक बार फिर कई स्थानों में छापोमारी की कार्रवाई की है। ईडी की पांच टीमें दिल्ली की और पांच टीमें जयपुर की मंगलवार सुबह जयपुर, नागौर और भीलवाड़ा में तलाशी अभियान में जुटी हुई है। ईडी सूत्रों के अनुसार नागौर के चकढाणी गांव में ईडी ने एक सरकारी स्कूल के शिक्षक के घर पर छापा मारा है। इसका तालुक सीकर के कलाम इंस्टीट्यूट (कोचिंग) से है। ईडी की जांच के कई अफसर सहित बड़े राजनेता के परिवार भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। राजस्थान में ईडी की ताबड़तोड़ कार्रवाई को लेकर हर जगह चर्चा बनी हुई है। ईडी की टीम इस छापेमारी में पेपर लीक प्रकरण से जुड़े हुए लोगों के आवास और कार्यालयों में की जा रही हैं। इस छापेमारी में 150 से अधिक ईडी के अधिकारी हैं। ईडी ने इस कार्रवाई में केंद्रीय सुरक्षा बल को अपने साथ में ले रखा है। इस सर्च को गोपनीय रखा गया है जिससे किसी को सर्च के बारे में जानकारी ना मिले। इसके अलावा जयपुर के कई इलाकों में ईडी की छापे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार विद्याधर नगर के वेंकटेश्वर कॉम्प्लेक्स में ईडी का सर्च अभियान चल रहा है। साथ ही जयपुर में सीए नरेंद्र काले के आवास पर ईडी का सर्च अभियान जारी है।

सरकार की गलत नीतियों से नशे की गिरफ्त में बॉर्डर के गांव : अभय सिंह चौटाला

फतेहाबाद (हिंस)। इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश सरकार की नाकामी के कारण आज फतेहाबाद जिला नशे की दलदल में धंसता जा रहा है। चौटाला राज में जिस जिले को विकास के लिए पहचाना जाता था, आज सरकार की गलत नीतियों के कारण यहां का युवा नशे की गिरफ्त में आ चुका है, जो कि बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इनेलो की सरकार बनने पर युवाओं को नशे से दूर करने के लिए जहां उन्हें रोजगार मुहैया करवाया जाएगा, वहीं उन्हें खेलों से भी जोड़ा जाएगा। वे मंगलवार को रतिया विधानसभा क्षेत्र के गांव अहलीसदर में ग्रामीण जनसभा को संबोधित कर रहे है। अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में निकाली जा रही हरियाणा परिवर्तन रथयात्रा मंगलवार को दूसरे चरण में फतेहाबाद जिले के रतिया विस क्षेत्र के गांवों में पहुंची। गांव अहलीसदर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों द्वारा इनेलो नेताओं का जोरदार स्वागत किया गया। गाड़ियों के विशाल काफिले के साथ रथयात्रा में शामिल नेताओं को सभा स्थल तक लाया गया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए अभय सिंह चौटाला ने कहा कि आज बार्डर पर लगते गांवों को नशा पूरी तरह अपनी चपेट में ले

चुका है। उन्होंने इस समस्या को विधानसभाा में भी उठाया, लेकिन प्रदेश सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। रोजगार न मिलने के कारण युवा वर्ग या तो नशे की तरफ जा रहा है या अपनी धरती को छोड़कर विदेशों की तरफ रुख कर रहा है। प्रदेश में कानून–व्यवस्था का जनाजा निकला हुआ है। अपराधियों में कानून का कोई खौफ नजर नहीं आ रहा। खासकर फतेहाबाद जिले में तो कानून नाम की कोई चीज ही नजर नहीं आ रही। लूट–खसोट, डकैती, चोरी और मर्डर जैसी घटनाएं यहां आम बात हो गई है। उन्होंने कहा कि रतिया विधानसभा क्षेत्र चौधरी देवीलाल और चौधरी औमप्रकाश चौटाला का परिवार है। यहां के लोग उनके पारिवारिक सदस्य हैं और हमेशा इनेलो से जुड़े रहे हैं।

हमें सम्मान व रोजगार देती है कला : डॉ. ओमप्रकाश कादयान

हिसार (हिंस)। सुरभि आर्ट गैलरी एवं कला संस्थान में तीन दिवसीय वाटर कलर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में झारखंड के प्रसिद्ध चित्रकार शुभम गौरयी ने संस्थान के विद्यार्थियों को जल रंगों का प्रयोग करने की सरल विधियों द्वारा फूलों का चित्रण, पक्षियों का चित्रण, मानव मुख्य चित्रण व ऑन द स्पॉट प्राकृतिक दृश्य चित्रण आदि की तकनीक सिखाई। इसके साथ–साथ टाउन पार्क मैं बैठ कर वहां के प्राकृतिक सौंदर्य को जल रंगों द्वारा चित्रित किया। संस्थान की संचालक सुरभि जांगड़ा, संस्थापक डॉ. राजेश जांगड़ा व डॉ. गीता जांगड़ा ने बताया कि इस कार्यशाला में हरियाणा के 42 युवा कलाकारों ने भाग लिया और चित्रकार शुभम गोरयी के मार्गदर्शन में अनेक चित्रों का निर्माण किया। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य युवाओं में जल रंगों के प्रयोग के प्रति रुझान को बढ़ावा देने के साथ–साथ उनकी प्रतिभा को निखारना है इस कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ छायाकार व जाने माने साहित्यकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान ने सभी युवा कलाकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में कला के क्षेत्र में व नई शिक्षा नीति के अनुसार कलाकारों का भविष्य उज्ज्वल है और इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं विद्यमान है। उन्होंने कहा कि कला जहां रोजगार प्रदान करती है, मनोरंजन करती है, सम्मान दिलवाती है वहीं हमें बेहतरीन जीवन शैली सिखाती है। इस अवसर मुख्य अतिथि डॉ. ओमप्रकाश कादयान व डॉ. राजेश जांगड़ा ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शहर की सड़कों पर उतरकर किया राज्यभर के सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन

प्रदर्शन करते हुए राज्यमंत्री के निवास पर पहुंचे सफाई कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

कैथल (हिंस)। प्रदेश भर के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। सरकार द्वारा उनकी मांगों के समाधान की पहल ना करने से खफा कर्मचारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए राज्यमंत्री कमलेश ढांडा के आवास पर पहुंचे। उन्होंने राज्यमंत्री को अपनी मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा। हड़ताल की अध्यक्षता जिला प्रधान अजय पबनावा ने की और संचालन बीरभान जाखौली ने किया। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा के जिला प्रधान अजय पबनावा व राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष बसाऊ राम ने बताया कि हरियाणा सरकार ग्रामीण सफाई कर्मचारियों से बगार करवा रही है। 17 साल से स्थाई काम पर अस्थाई सफाई कर्मचारी रखकर काम लिया जा रहा है और पूरा वेतन भी नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा 2014 के चुनावी घोषणा पत्र में 15 हजार वेतन देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने वेतन में भारी गैर बराबरी पैदा करके सफाई कर्मचारी विरोधी होने का सबूत दिया है। जिला उपप्रधान नवाजा राम, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान शिवचरण ने कहा कि पिछले 8 दिन से हरियाणा के 22 जिलों के 11 हाजर ग्रामीण सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं लेकिन सरकार हठधर्मिता पर उतरी हुई है। सरकार वार्ता करके मसलों का समाधान करने की बजाय आंदोलन को लंबा खींचकर तोड़ने की नीति अपना रही है जिसको किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। जिला प्रधान अजय पबनावा ने कहा कि सरकार के पास अभी भी समय है। फोर्थ क्लास यूनियन के जिला प्रधान छज्जू राम, किसान खेत मजदूर नेता कामरेड प्रेमचन्द, किसान नेता महाबीर सिंह, कामरेड शीशपाल आदि संगठनों ने ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन का समर्थन किया। बता दें कि नाराज सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल को 23 अक्तूबर तक बढ़ाने का ऐलान कर दिया था।

पंजाब : ट्राइडेंट व क्रीमिका ग्रुप के ठिकानों पर आयकर के छापे

चंडीगढ़ (हिंस)। आयकर विभाग ने पंजाब के दो औद्योगिक समूह ट्राइडेंट व क्रिमिका ग्रुप पर छापेमारी की है। आयकर के अधिकारी कंपनी के कई वरिष्ठ कर्मचारियों के घरों पर भी तलाशी ले रहे हैं। आयकर विभाग के अधिकारी मंगलवार सुबह तकरीबन 60 वाहनों पर ट्राइडेंट कंपनी में दाखिल हुए। उनके साथ सीआईएसएफ के जवान भी शामिल थे। लुधियाना व बरनाला में आयकर विभाग की 35 टीमों ने ट्राइडेंट व क्रिमिका ग्रुप के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इन छापों को देखते हुए वहां सुरक्षा के लिहाज से पैरामिलिट्री फोर्सिस को तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार ट्राइडेंट ग्रुप यार्न, होम टेक्सटाइल, पेपर, स्टेशनरी, केमिकल्स और अडेप्टिव पावर के क्षेत्र में काम करता है।

कांग्रेस विधायक ने किसान की पगढ़ी को मारी लात, जनता कैसे करेगी इन्हें बर्दाश्त : सीपी जोशी

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने बेगूं कांग्रेस विधायक द्वारा फरीयादी की पगढ़ी को ठोकर मारने का वीडियो आने पर पलटवार करते हुए कहा कि इस घटना का वीडियो भले ही पुराना हो, किंतु कांग्रेस का यही चाल चरित्र और चेहरा है। कांग्रेस एक तरफ तो जन सम्मान जय राजस्थान का नारा देती है, वहीं दूसरी ओर उनके विधायक फरीयादी की पगढ़ी को लात मारकर उसका अपमान करते हैं। यह तो मात्र एक उदाहरण है, कांग्रेस ने पिछले पांच साल में किसान, युवा, महिला सहित सभी वर्ग को अपमानित करने का काम किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस विधायक का पहले भी पुलिस को गालियां देने का ऑडियो वायरल हो चुका है। बाड़ी विधायक का बिजली विभाग के इंजीनियर के साथ मारपीट का कांड सामने आ चुका है। अभी कुछ दिनों पहले इनके एक विधायक किसानों को धक्का देते हुए नजर आ रहे थे। मंत्री पुत्रों पर बलात्कार के संगीन आरोप लग चुके हैं। किसी भी मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा राजस्थान में पगढ़ी को आन, बान और शान का प्रतीक माना जाता है। जनप्रतिनिधि द्वारा पगढ़ी को लात मारना निंदनीय है। कांग्रेस ने पांच साल कोई काम नहीं किया, अगर कोई व्यक्ति अपनी फरीयाद लेकर जनप्रतिनिधि के पास जाता है तो उसके साथ भी यह दुर्व्यवहार करते हैं। इनका पूरा ध्यान भ्रष्टाचार और अपनी जेबें भरने में है। कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को लूटने का काम किया है। कुर्सी बचाने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने विधायकों को लूट की खुली छूट दी हुई है। ऐसा कोई विभाग नहीं जिसमें व्यापक भ्रष्टाचार व्याप्त नहीं हो। जो गृह मंत्रालय जनता की रक्षा के लिए होता है उसका मुख्यमंत्री ने सिर्फ अपनी सत्ता बचाने के लिए दुरुपयोग किया। प्रदेश की जनता ने इस नाकारा और निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने का दृढ़ संकल्प कर लिया है।

बाल–विवाह मुक्त राजस्थान के लिए 27 जिलों के सैकड़ों गांवों में निकली शपथ–जुलूस

जयपुर (हिंस)। किसी सामाजिक मुद्दे पर पहले शायद ही देखी गई। इस तरह की एकजुटता और उसके साथ सरकार के मार्गदर्शन के नतीजे में राजस्थान के 27 जिलों के सैकड़ों गांवों में आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रमों को अभूतपूर्व समर्थन मिला। महिलाओं के नेतृत्व में इन जिलों में मशाल जुलूस निकाले गए और लाखों स्त्रियों, पुरुषों व बच्चों ने जाति–धर्म भूल कर राज्य से बाल विवाह के पूरी तरह खात्मे के लिए शपथ ली। इससे पहले राजस्थान सहित कई राज्य सरकारों ने विभिन्न विभागों और अन्य हितधारकों को पत्र लिख कर उनसे बाल विवाह के खिलाफ अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने और राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए लोगों को शपथ दिलाने का निर्देश दिया था। नतीजे में कचहरी से लेकर पुलिस थानों, शहरों के चौराहों से लेकर गांव की चौपालों, पूरे देश में बच्चों से लेकर बाल विवाह की पीड़ित महिलाओं तक करोड़ों लोग बाल विवाह मुक्त भारत

अभियान से जुड़े और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान 2030 तक पूरे देश में बाल विवाह के पूरी तरह खात्मे के उद्देश्य से महिलाओं की अगुआई में 160 गैर सरकारी संगठनों द्वारा 300 से ज्यादा जिलों में चलाया जा रहा है। तमाम तरह के जागरूकता कार्यक्रमों की वजह से राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में पूरे दिन उत्सव और उल्लास का माहौल रहा और शाम ढलने के बाद महिलाओं के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला गया। जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों ने बाल विवाह बंद करो–बंद करो, बाल विवाह करवाओगे तो जाओगे जेल, मेरी बेटी अभी पढ़ेगी–ब्याह की शूली नहीं चढ़ेगी के नारों के साथ यह संदेश दिया कि अब इस राज्य में बाल विवाह के लिए कोई जगह नहीं है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को मिले अपार जनसमर्थन पर खुशी जाहिर करते हुए कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन (केएससीएफ) के कंट्री हेड रवि कांत ने कहा कि बाल विवाह सदियों से हमारे सामाजिक ताने–बाने का हिस्सा रहा है और कानूनन अपराध होने के बावजूद इस पर विराम नहीं लग पा रहा है। लेकिन समाज के सभी वर्गों से मिले अप्रत्याशित और अभूतपूर्व समर्थन को देखते हुए मुझे लगता है कि हम नया इतिहास रचने की दहलीज पर हैं। आज यह अभियान जंगल की आग की तरह फैल रहा है और राज्य सरकारों ने इसके लिए जैसी प्रतिबद्धता दिखाई है, हमारे बच्चे अंतत: शायद एक ऐसे देश में पलें–बढ़ें जहां उनके अधिकार सुरक्षित और संरक्षित हों। यह प्रशंसनीय है कि सभी राज्य सरकारें बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य पर काम कर रही हैं जो इसे एक नई रफ्तार और विश्वास दे रहा है।

महुआ मोइत्रा के पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में अदाणी समूह ने दी प्रतिक्रिया, बयान जारी कर ये कहा

नई दिल्ली । तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा पर व्यवसायी से पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में अब अदाणी समूह ने भी बयान जारी कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अदाणी समूह ने इसे चौकाने वाला घटनाक्रम बताया है। अदाणी समूह ने एक अपने बयान में कहा, एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, रविवार, 15 अक्टूबर 2023 को, सुप्रीम कोर्ट के एक वकील जय अनंत देहाद्राई ने एक शपथ पत्र के रूप में एक माननीय द्वारा एक विस्तृत आपराधिक साजिश के कमीशन को रिकॉर्ड में लाते हुए सीबीआई के पास शिकायत दर्ज की।

अदाणी समूह ने अपने बयान में कहा, संसदीय प्रश्नों के माध्यम से गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के समूह पर आरोप लगाए गए। ऐसा बदले की भावना से किया गया। इसके लिए मोइत्रा ने हीरानंदानी से रिश्वत और अनुचित लाभ प्राप्त किया। अदाणी समूह ने कहा, यह घटनाक्रम 9 अक्टूबर 2023 के हमारे बयान की पुष्टि करता है कि कुछ समूह और व्यक्ति हमारे नाम, सद्भावना और बाजार की स्थिति को नुकसान पहुंचाने के लिए ओवरटाइम कर रहे हैं। इस विशेष मामले में, एक अधिवक्ता की शिकायत से पता चलता है कि अदाणी समूह और हमारे अध्यक्ष गौतम अडानी की प्रतिष्ठा और हितों को नुकसान पहुंचाने की यह व्यवस्था 2018 से चली आ रही है। अदाणी समूह ने अपने बयान में कहा है कि मोइत्रा को हीरानंदानी से रिश्वत और अनुचित लाभ मिले। समूह ने कहा, हम यह भी समझते हैं कि एक अन्य सांसद ने लोकसभा अध्यक्ष को शिकायत भेजकर अनुरोध किया है कि मोइत्रा को निलंबित किया जाए और भ्रष्टाचार की जांच की जाए। अदाणी समूह ने कहा, सोमवार, 9 अक्टूबर 2023 को, हमने एक मीडिया स्टेटमेंट और एक्सचेंज फाइलिंग के माध्यम से जनता को अवगत कराया था कि ओसीसीआरपी जैसी कुछ विदेशी संस्थाओं ने, विदेशी मीडिया के एक वर्ग, लघु-विक्रेताओं और घरेलू सहयोगियों की मदद से एक शृंखला शुरू की है अदाणी समूह के बाज़ार मूल्य को कम करने के प्राथमिक इरादे से उसके ख़िलाफ़ हमले कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

महाराष्ट्र में रहते हैं देश के सबसे ज्यादा सुपर रिच, उसके बाद दिल्ली और गुजरात का नंबर

नई दिल्ली । देश के सबसे ज्यादा सुपर रिच महाराष्ट्र में रहते हैं, उसके बाद दिल्ली का नंबर है। महाराष्ट्र में 391 सुपर रिच हैं। 360 वन वेल्थ और हुरुन इंडिया द्वारा जारी राज्यव्यापी विश्लेषण के अनुसार, राजधानी दिल्ली 199 ऐसे लोगों का घर है जिनकी कुल संपत्ति 30 अगस्त, 2023 तक 1000 करोड़ रुपये से अधिक है। कुल मिलाकर दिल्ली के अति धनाढ्यों के पास 16,59,500 करोड़ रुपये की संपत्ति है। इनमें सबसे अमीर एचसीएल के शिव नादर हैं, जिनकी संपत्ति 2,28,900 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट से पता चलता है कि दिल्ली में ज्यादातर सुपर रिच लोगों ने ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट सेक्टर से पैसा बनाया है। बड़े राज्यों (महाराष्ट्र के अलावा) में, गुजरात में अल्ट्रा रिच लोगों की संख्या सबसे अधिक 110 है। सामूहिक रूप से, वे 10,31,500 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। इस संपत्ति का लगभग 50 प्रतिशत राज्य के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अदाणी के पास है। वह दूसरे सबसे अमीर भारतीय भी हैं। गुजरात के बाद कर्नाटक का नंबर आता है। यह दक्षिणी राज्य 108 अति धनाढ्य लोगों का घर है, इनके पास कुल मिलाकर 6,91,200 रुपये की संपत्ति है। यहां के सबसे अमीर व्यक्ति आरएमजेड कॉर्प के अर्जुन मेंडा हैं। इस सूची में वह नए व्यक्ति हैं, वहीं उनके बाद जेरोधा के सीईओ नितिन कामथ का स्थान है, जिनकी संपत्ति में एक साल में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उनके बाद इन्फोसिस के सह-संस्थापक सेनापति क्रिस गोपालकृष्णन का नंबर आता है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कुल मिलाकर 105 अति धनाढ्य लोग हैं जबकि तमिलनाडु में 103 सुपर रिच हैं। तमिलनाडु के धनाढ्यों के पास कुल मिलाकर 4,53,000 करोड़ रुपये की संपत्ति है। यह ऐसा भी एकमात्र राज्य है जहां सबसे अमीर व्यक्ति एक महिला है, उनका नाम राधा वेम्बू है ।

ओरिएंटल होटल्स का मुनाफा 10.38 करोड़ रहा

चेन्नई । चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड की सहयोगी कंपनी ओरिएंटल होटल्स लिमिटेड का मुनाफा 10.38 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध मुनाफा 10.92 करोड़ रुपये रहा था। ओरिएंटल होटल्स लिमिटेड (ओएचएल) का पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में मुनाफा मामूली रूप से बढ़कर 22.58 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 22.01 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की आय बढ़कर 95.42 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 91.06 करोड़ रुपये थी। वहीं पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में कंपनी की आय 192.21 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 181.63 करोड़ रुपये थी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ओएचएल के औसत कक्ष दरों (एआरआर) में वृद्धि के कारण दूसरी तिमाही में राजस्व में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई।

जियो फाइनेंशियल का दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 668.18 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में वित्तीय सेवा कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का मुनाफा इससे पिछली जून तिमाही की तुलना में दोगुना होकर 668.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछली तिमाही में उसे 331.92 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। रिलायंस से अलग होकर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का यह पहला वित्तीय परिणाम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की आय सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 608.04 करोड़ रुपये रही जो जून तिमाही में 414.13 करोड़ रुपये थी। इसमें 216.85 करोड़ रुपये की लाभांश आय से मदद मिली। कंपनी ने पहले कहा था कि उसका पूर्ण रूप से वित्तीय सेवा कंपनी बनने का लक्ष्य है। इसने पहले ही एक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी शुरू करने की योजना की घोषणा कर दी है। कंपनी की बीमा क्षेत्र में भी दस्तक देने की योजना है।

आयुर्वेदिक किचनवेयर बनाने वाले स्टार्टअप ने 4.33 करोड़ रुपये जुटाए, सीड फंडिंग राउंड सफलतापूर्वक पूरा

नई दिल्ली ।

प्रामाणिक, आयुर्वेदिक व शिल्पयुक्त किचनवेयर, कुकवेयर और होम डेकोर उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्टार्टअप पी-टीएएल (पी-तल) ने अपने सीड फंडिंग राउंड को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। स्टार्टअप ने अपने सीड फंडिंग राउंड में 4.33 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। कंपनी की सीड फंडिंग राउंड का नेतृत्व टाइटन कैपिटल ने किया। इसके अलावे इस फंडिंग में अनिकट कैपिटल, ममाअर्थ की गजल अलघ, ड्रूम और शॉप क्लूज के संदीप अग्रवाल, शिप रॉकेट के विशेष खुराना, वियर्दो और रीनी कॉस्मेटिक्स के आशुतोष वलानी और प्रियंका शाह, वीएएचडीएम इंडिया के बला सारदा, सिरोना के दीप और मोहित बजाज, पोसिस्ट के आशीष तुलस्यान, डॉ वैद्या और वी3 वेंचर्स से अर्जुन वैद्या और अन्य से हिस्सा लिया।

पी-तल का उद्देश्य प्राचीन परंपराओं को पुनर्जीवित करना

पी-तल का उद्देश्य प्राचीन परंपराओं को समकालीन तरीके से पुनर्जीवित करना है। कंपनी पीतल, तांबा और कांस्य जैसी पारंपरिक धातुएं, जिन्हें आयुर्वेद स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानता है के उपयोग को बढ़ावा देना चाहती है। कंपनी के उत्पादों को पंजाब स्थित जंडियाला गुरु के ठठेरों द्वारा हाथ से बनाया गया है। ये भारत के एकमात्र यूनेस्को-सूचीबद्ध शिल्पकार हैं। ये सांस्कृतिक विरासतों की सूची में शामिल हैं।

भोजन पकाने में धातुओं के सही विकल्प के इस्तेमाल पर जोरः सीईओ

फंडिंग के बाद पी-तल के सीईओ और सह संस्थापक आदित्य अग्रवाल ने कहा कि हमारा दृढ़ विश्वास है कि खाना खाना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि हम इसे कैसे तैयार करते हैं और कैसे खाते हैं यह भी अहम है। अग्रवाल ने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पी-तल दुनिया भर के लोगों को भोजन पकाने, पीने और खाने में पारंपरिक धातुओं का उपयोग करने के सही विकल्पों की ओर वापस ले जाने में सक्षम हों। उन्होंने कहा कि फंडिंग के दौरान हम अपने दृष्टिकोण में निवेशकों का समर्थन पाकर खुश हैं।

कंपनी में निवेश करने वालों ने कही ये बात

टाइटन कैपिटल के बिपिन सिन्हा ने कहा कि हम पी-तल की यात्रा का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का वितरण करते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है।

अनिकट कैपिटल के अजय आनंद ने कहा कि भारतीय उपभोक्ता बाजार में अब भी कई संभावनाएं बची हुई हैं। पी-तल के पास आगे बढ़ने और खुद को स्थापित करने की संभावना मौजूद है। पी-तल को हाल ही में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। कंपनी को सांस्कृतिक विरासत में सर्वश्रेष्ठ ब्रांड होने के लिए शिपरॉकेट शिविर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उसे सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ डी2सी स्टार्टअप भी माना गया है।

भर्ती के लिए घूस लेने पर टीसीएस के 16 कर्मचारी निलंबित, छह वेंडर्स पर प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

घूस लेकर कर्मचारियों की भर्ती करने के मामले में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने अपने 16 कर्मचारियों को निकाल दिया है। तीन को रिसोर्स प्रबंधन से हटाकर दूसरे विभाग में भेज दिया है। 6 वेंडर्स पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। कंपनी ने कहा, हम 19 कर्मचारियों की जांच कर रहे थे। इस मामले में 16 के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जिन्होंने कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है। 6 वेंडरों के साथ उनके अन्य सहयोगियों और मालिकों को भी प्रतिबंधित किया गया है।

इस साल जून में आरोप लगा था कि कंपनी की भर्ती प्रक्रिया में घोटाला हो रहा है। इसके बाद टीसीएस ने इसकी जांच की थी और कहा था कि भर्ती गतिविधियां रिसोर्स मैनेजमेंट ग्रुप नियंत्रित नहीं करती है। इसलिए, कथित घोटाले का आरोप गलत है।

कमियां दूर कर गवर्नेंस और मजबूत करेगी कंपनी

टीसीएस ने बताया, वह गवर्नेंस को और मजबूत करेगी। इसमें संसाधन प्रबंधन कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मियों का नियमित रोटेशन, आपूर्तिकर्ता प्रबंधन की जांच, वेंडरों की ओर से घोषणाओं और अन्य की जांच होती रहेगी।

टाटा समूह ने कहा कि मामला कुछ कर्मचारियों व ठेकेदारों की आपूर्ति करने वाले विक्रेताओं की ओर से कंपनी की आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ा था। कंपनी का कोई भी प्रमुख कर्मचारी इसमें शामिल नहीं है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज को नवी मुंबई में दो भूखंडों का आवंटन रद्द

मुंबई । सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ महाराष्ट्र ने गोदरेज प्रॉपर्टीज को नवी मुंबई में दो भूखंडों का आवंटन रद्द कर दिया है। गोदरेज ने मार्च 2021 में सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) द्वारा आयोजित ई-नीलामी के माध्यम से मुंबई में 166 करोड़ रुपये में लगभग 1.5 एकड़ भूखंड क्रय किया था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 11 अक्टूबर 2023 के एक पत्र के जरिए नवी मुंबई के सानपाड़ा दो भूखंडों के आवंटन को रद्द करने का आदेश जारी किया गया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज का मानना है कि यह कदम अपुष्ट आधार पर उठाया गया। यह तीन मई 2023 को बंबई उच्च न्यायालय ने गोदरेज प्रॉपर्टीज बनाम महाराष्ट्र राज्य शीर्षक वाली 2021 की रिट याचिका संख्या 2,475 में पारित आदेश का उल्लंघन है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि इससे कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, कंपनी ने बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर करके आवंटन रद्द करने के फैसले को चुनौती दी है।

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों को परोसा जाएगा बंगाली क्यूज़ीन

मुंबई । टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया में सफर करने वाले यात्रियों को आने वाले कुछ दिनों में फ्लाइट में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। भारत में मनाए जाने वाली दुर्गा पूजा को देखते हुए एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों को बंगाली क्यूज़ीन का स्वाद चखने को मिलेगा। एयर इंडिया की फ्लाइट्स में यह सुविधा बंगाल जाने वाली फ्लाइट्स के यात्रियों को दी जाएगी। इस संबंध में एयर इंडिया ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल की ओर जाने वाली सभी फ्लाइट्स में यात्रियों को बंगाली क्यूज़ीन परोसा जाएगा। इस संबंध में एयर इंडिया ने घोषणा की है कि 21 से 23 अक्टूबर तक एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों को बंगाली व्यंजन परोसे जाएंगे। एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा करने वाले यात्रियों को परोसने के लिए मेन्यू तैयार हो गया है। दुर्गा पूजा और दशहरे के दौरान यात्रियों की फ्लाइट अनुभव को यादगार बनाने के लिए एयरलाइंस की तरफ से यह फैसले लिए गए हैं इसी दिशा में कदम उठाते थे भारतीय रेलवे की आईआरसीटीसी में भी खास तैयारी की है। आईआरसीटीसी ने ऐलान किया था कि नवरात्रों के दौरान यात्रियों को सात्विक भोजन परोसा जाएगा। सात्विक भोजन की सुविधा देश के 96 स्टेशनों पर उपलब्ध है। आईआरसीटीसी ने अपने मेन्यू में साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू की पूरी, सूखे मखाने, मूंगफली जैसे कई सात्विक और व्रत में खाए जाने वाले डिशेज को शामिल किया है।

बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख गिरफ्तार

घूस लेने और अवैध रूप से कर्ज देने का है आरोप

नई दिल्ली । चीन ने वित्तीय क्षेत्र को निशाना बनाने के लिए दो साल से चलाए जा रहे भ्रष्टाचार रोधी अभियान के बीच रिश्वत लेने और अवैध रूप से कर्ज देने के आरोप में देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंकों में से एक के पूर्व प्रमुख को गिरफ्तार किया है।

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार की जांच कर रहे चीन के सेंट्रल कमीशन फॉर डिसिप्लिन इंस्पेक्शन (सीसीडीआई) ने कहा कि मार्च में जांच शुरू करने की घोषणा करने के बाद बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख लियू लियांगे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भ्रष्टाचार से लड़ने को अपनी राजनीतिक परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है क्योंकि उन्होंने सर्वोपरि नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। 2021 के अंत में अधिकारियों की ओर से वित्तीय क्षेत्र को लक्षित करना शुरू करने के बाद से बड़ी संख्या में बैंकरों और फाइनेंसरों को जांच का सामना करना पड़ा है।

शी लंबे समय से कहते रहे हैं कि वित्तीय क्षेत्र को वास्तविक अर्थव्यवस्था की सेवा करनी चाहिए, जो धीमी वृद्धि और उच्च युवा बेरोजगारी से जूझ रही है। वित्तीय क्षेत्र के कई अन्य लोग भी जांच के दायरे में हैं या उनपर आरोप लगे हैं, इनमें चीन के एक स्टार फंड मैनेजर वांग यावेई भी शामिल हैं। वहीं, चीन की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक चाइना लाइफ इंश्योरेंस के पूर्व अध्यक्ष वांग बिन को पिछले महीने एक अदालत ने भ्रष्टाचार का दोषी पाया था और उन्हें निलंबित मौत की सजा सुनाई थी, इसके बाद वह अपना शेष जीवन जेल में बिताएंगे। लियू को पिछले हफ्ते कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। सीसीडीआई द्वारा उनपर देश में प्रतिबंधित प्रकाशन लाने, अवैध रूप से रिश्वत लेने और निजी क्लबों व स्की रिसॉर्ट्स में मनोरंजन स्वीकार करने का आरोप लगाया गया था। बैंक ऑफ चाइना राज्य के स्वामित्व वाले चार बड़े चीनी बैंकों में से एक है। यह वैश्विक वित्तीय स्थिरता के मामले में टॉप 11 बैंकों में रैंक करता है। वित्तीय स्थिरता बोर्ड के अनुसार यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के अनुसार, संपत्ति के मामले में यह दुनिया का चौथ सबसे बड़ा बैंक है।

ग्रासिम राइट इश्यू से जुटाएगी 4,000 करोड़

नई दिल्ली । आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने कहा कि वह राइट इश्यू के माध्यम से 4,000 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। ग्रासिम का कहना है कि वह कंपनी का और विकास करना चाहती है इसलिए यह पूंजी जुटा रही है। कपड़ा उत्पादन एवं अन्य कारोबार से जुड़ी ग्रासिम इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल की हाल ही में बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में राइट इश्यू के जरिए दो रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर जारी कर 4,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने को मंजूरी प्रदान की गई। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह कंपनी को नई ऊंचाई पर ले जाने वाली वृद्धि यात्रा है। ग्रासिम अब तक की सर्वाधिक पूंजी व्यय की योजना को अमल में ला रही है।

प्रियंका की जेठानी के साथ रिश्तों में आई खटास

-सोशल मीडिया पर दोनों ने किया अनफॉलो

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की जेठानी सोफी टर्नर के रिश्तों में खटास आ गई है। दोनों ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो भी कर दिया है हालांकि, इस पर दोनों की तरफ से अपने रिश्ते को लेकर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है। बता दें कि प्रियंका की जेठानी सोफी टर्नर पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। वो पति जो जोनस को तलाक देने की वजह से काफी समय से हैडलाइन्स में बरकरार हैं। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जो जोनस और सोफी टर्नर के तलाक का असर पूरे परिवार पर पड़ रहा है। इसी वजह से कहा जा रहा है कि प्रियंका और सोफी के बीच भी चीजें ठीक नही हैं। तभी दोनों ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है हालांकि, दोनों कभी अच्छे रिश्ते शेयर करती रही हैं।जोनस परिवार की बहू होने के नाते देसी गर्ल ने उनके साथ दूरी बना ली है। वहीं, इंस्टाग्राम पर केवल प्रियंका ने ही नहीं बल्कि सोफी ने भी उन्हें अनफॉलो किया है। इससे एक बात तो साफ जाहिर है कि दोनों के बीच अब बातचीत तक एकदम बंद है। प्रियंका और सोफी दोनों ही पेशे से एक्ट्रेस हैं। वो दोनों ही साथ में अच्छे बॉन्ड शेयर करती रही हैं।

यहां तक कि देसी गर्ल सोफी के बच्चों पर भी खूब प्यार लुटाती रही हैं। उनके साथ कई बार तस्वीरें भी शेयर की है। इतना ही नहीं सोफी और प्रियंका को कई बार साथ में पार्टी भी करते हुए देखा गया है लेकिन, शानदार बॉन्ड के बाद भी अब दोनों का रिश्ता खत्म हो गया है। बता दें कि सोफी और जो जोनस ने साल 2019 में शादी रचाई थी। इनके रिश्ते को महज चार साल ही हुए हैं। इनकी शादी में कुछ करीबी दोस्त और परिवार के लोग ही शामिल हुए थे। इसकी वेडिंग सेरेमनी सीक्रेट थी। जो और सोफी दो बेटियों के पैरेंट्स भी हैं, लेकिन समय के साथ दोनों का रिश्ते खराब हो गए। सोफी और जो ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करके तलाक की खबर की पुष्टि की थी। ऐसे में अब खबर सामने आ रही है कि उनके और देवरानी प्रियंका चोपड़ा रिश्ते में खटास आ गई है।

बॉर्डर 2 की तैयारी में जुटे सनी देओल

-काफी समय से हो रही है फिल्म की चर्चा

मुंबई (ईएमएस)। गदर-2 की सफलता के बाद बालीवुड एक्टर सनी देओल कई दूसरे प्रोजेक्ट को साइन करने में जुट गए हैं। इनमें बहुप्रतीक्षित बॉर्डर 2 भी है। काफी समय से फिल्म को लेकर चर्चा हो रही है। निमार्ता इस को कई साल पहले ही इसे बनाना चाह रहे थे लेकिन सनी देओल की लगातार असफलता के चलते उन्होंने रिस्क नहीं लिया। लेकिन अब सनीदेओल भी अपनी फिल्म बॉर्डर-2 के लिए तैयार हो गए हैं। बताया जा रहा है कि सनी देओल इस फिल्म के लिए बड़ी डील साइन करने के साथ ही मुनाफे में भी अपनी हिस्सेदारी रखी है।गदर 2 के बाद सनी की डिमांड बढ़ गई है। बॉलीवुड हंगामा ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्होंने इस वॉर फिल्म के लिए 50 करोड़ चार्ज किए हैं। सूत्र ने कहा, 50 करोड़ के अलावा सनी ने एक और डील भी की है जिसमें निर्मातओं को मुनाफे में से कुछ हिस्सा देना होगा। सनी यह डिजर्व भी करते हैं क्योंकि उनके होने से बॉर्डर 2 अलग लेवल पर जा सकती है। निमार्ता सनी के साथ यह डील करके काफी खुश हैं। निमार्ताओं ने वादा किया है कि यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी वॉर फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग अगले साल से शुरू होगी। सनी देओल 2024 के सेकेंड हाफ में शूटिंग करेंगे। उनके अलावा इसमें आयुष्मान खुराना, एमी विर्क और अहान शेट्टी भी होंगे। पहले आयुष्मान की जगह कार्तिक आर्यन का नाम सामने आया था। बॉर्डर 1997 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था। इसमें सनी देओल के अलावा सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्न, पूजा भट्ट, तब्बू, कुलभूषण खरबंदा और राखी ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हुई थी। मालूम हो कि बालीवुड एक्टर सनी देओल को लेकर अनिल शर्मा ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म गदरः एक प्रेमकथा का दूसरा भाग बनाया। जिन दिनों उन्होंने इस फिल्म की घोषणा गदर की ही स्टारकास्ट के साथ की, लोगों ने उन्हें कहा कि वे अपने करोड़ों रुपयों को बरबाद करने जा रहे हैं। लेकिन गदर-2 की कथा को लेकर अनिल शर्मा पूरी तरह आश्वस्त थे। उन्हें इस बात का अहसास था कि फिल्म असफल तो नहीं होगी, लेकिन यह अहसास नहीं था कि प्रदर्शन के बाद गदर-2 बॉक्स ऑफिस पर इतना गदर मचाएगी। लंबे समय बाद उनके खाते में इतनी बड़ी हिट आई कि पूरा बॉक्स ऑफिस हिल गया। फिल्म ने 524 करोड़ का कलेक्शन किया और यह इस साल जवान के बाद दूसरे नंबर की सबसे बड़ी फिल्म है।

शादी के बाद साड़ी पहनकर रैंप पर उतरी परिणीति

-एक्ट्रेस हाथों में चूड़ा और मांग में लाल सिंदूर लगाए नजर आई

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा शादी के बाद पहली बार रैंप वॉक करती नजर आईं। साडी पहनकर रैंप पर उतरी परिणीति चोपडा गजब की लग रही थी। इस दौरान नई नवेली दुल्हनियां हाथों में चूड़ा और मांग में लाल सिंदूर लगाए नजर आईं। एक्ट्रेस फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) एक्स लैक्मे फैशन वीक में फैबियाना के लिए शोस्टॉपर बनीं। शादी के बाद पहली बार था जब शादी के बाद वह किसी फैशन इवेंट में नजर आईं। परिणीति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। परिणीति चोपड़ा ने 24 सितंबर को उदयपुर में आप सांसद राघव चड्ढा से शादी की। परिणीति अभी नई-नई दुल्हनियां हैं, इसलिए सोशल मीडिया पर उनकी शादी से लेकर नए घर में हुई जबरदस्त एंट्री की वीडियोज और तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। मिसेज परिणीति बनने के बाद वह पहली बार रैंप वॉक के लिए उतरी, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके इस अंदाज को लोगों ने पसंद नहीं किया। रैंप वॉक के लिए परिणीति पर्ल आइवरी साड़ी, चूड़ा और सिन्दूर से सजी-धजी बेहद शाही लग रही थीं। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स को उनका ये लुक बिलकुल भी पसंद नहीं आया। साड़ी के साथ गले में चमचमाता हार, मांग में सिंदूर, हाथों में गुलाबी चूड़ा पहना था। सोशल मीडिया पर लोगों ने उनके लुक को देखा तो कहा कि उनसे दुल्हन वाली फीलिंग नहीं आ रही है। कुछ ने कहा चलों शुक्र है कि सिंदूर तो लगाया। एक यूजर ने लिखा- ये मोटी कितनी हो गई है। वहीं, कुछ यूजर्स ऐसे भी थे, जिनको उनका अंदाज भा गया। एक यूजर ने लिखा- शादी के बाद परिणीति बहुत खुश दिख रही है, तो एक अन्य यूजर ने लिखा है, लुकिंग स्टनिंग। लैक्मे फैशन वीक की प्रेस कॉन्फ्रेंस में साड़ियों के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए चोपड़ा ने कहा कि मेरी शादी को अभी केवल 2 हफ्ते ही हुए हैं और मैं घर पर हर दिन साड़ियां ट्राई नहीं कर रही हूं। मैं हमेशा साड़ियों के साथ बहुत सहज रही हूं। इसे इतनी अच्छी तरह से ड्रेप किया जाता है कि मैं इसे पहनकर योग कर सकती हूं।

पीएम के भाषण के दौरान सोती दिखीं आलिया

बीते दिनों देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनएमएसीसी में 141वें आईओसी सेशन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में कई नेताओं के साथ-साथ बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारों ने भी शिरकत की। अब इस सेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इसी में से एक आलिया की ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसे लेकर वो काफी ट्रोल हो रही है। सामने आई तस्वीर में देखा जा सकता है कि शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक-दूसरे के बगल में बैठे हैं। वहीं आलिया भट्ट अपने पति रणबीर कपूर के साथ उनके पीछे बैठी हैं। इस दौरान वह पति के कंधे पर सिर रख कर सोती दिख रही हैं। बस यह सब देख यूजर्स आलिया को ट्रोल करने लग गए। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- वे इतनी बोर हो गई हैं कि आलिया पावर नैप लेते हुए दिख रही हैं। दूसरे ने कहा- आलिया को घर जाना है। वहीं अन्य ने लिखा- आलिया सो ही गई।

ड्रीम गर्ल के जन्म दिन पर पहुंची जया बच्चन एक बार फिर भड़की

मुंबई(ईएमएस)। जरा जरा सी बात पर भड़कने वाली अभिनेत्री जया बच्चन एक बार फिर गुस्से की वजह से चर्चा में आ गई हैं। ड्रीम गर्ल यानी हेमा मालिनी के जन्म दिवस पर पहुंची जया बच्चन की नाराजगी का कारण कोई बड़ा नहीं था, सिर्फ फोटो खिंचवाने को लेकर यह स्थिति बन गई। जया बच्चन जिस वक्त पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए स्टेज की तरफ बढ़ रही थीं तब पापाराजी ने उन्हें बताना शुरू कर दिया कि वह किस तरह और कैसे पोज दें।इस पर जया बच्चन ने पहले तो स्टेज की तरफ जाते हुए ही साफ कर दिया कि वह खुद से तस्वीरें खिंचवाने नहीं आई हैं। उन्होंने फोटोग्राफर्स से कहा, यह पद्मिनी मुझे यहां पर लेकर आई है। फिर जब पापाराजी ने उन्हें फोटोज के लिए यह बताना शुरू कर दिया कि वो किधर देखें तो जया बच्चन ने अपने पुराने जाने पहचाने अंदाज में कहा, अब आप लोग इतना डायरेक्शन मत दीजिए। उन्होंने फोटोग्राफर्स के सामने हाथ जोड़े और वहां से चली गईं। हालांकि इससे पहले भी ऐसे कई मौके आए हैं जब जय बच्चन ने नाराजगी जाहिर करने में कोई संकोच नहीं किया। जिसके कारण वे कई बार सुर्खियों में भी रहीं हैं। जया बच्चन का यह वीडियो पापाराजी विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। विरल ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, यह कोई आम दिन नहीं है, हमें जया बच्चन की तस्वीरें खींचने का मौका मिला है। वीडियो पर लोगों ने अपने रिएक्शन दिए हैं और कई ने जया के बिहेवियर की आलोचना की है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, यह एटिट्यूड किसी एक्ट्रेस का नहीं एक पॉलिटिशियन का है। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, सब लोग उसकी तस्वीरें लेते ही क्यों हैं जब वो हर पल मीडिया को जलील करती रहती है। एक फैन ने वीडियो पर कमेंट किया, मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा है कि वो स्माइल कर रही है। एक यूजर ने कमेंट किया, जया बच्चन का लुक बहुत फनी है, छोटा पंडित लग रही हैं। बात करें हेमा मालिनी के बर्थडे की तो इस मौके पर रेखा से लेकर धर्मेंद्र तक मौजूद रहे।

'ब्लैक फ्राइडे' में अभिनय करना जीवन की सबसे बड़ी गलती : इम्तियाज अली

बॉलीवुड में लगातार अलग विषय पर फिल्में देने वाले डायरेक्टर इम्तियाज अली आज इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बना चुके हैं। इम्तियाज 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'तमाशा' जैसी फिल्मों से एक फिल्म-निमार्ता के रूप में उभरे, लेकिन उन्होंने अपने करियर की शरूआत एक अभिनेता के रूप में की। इम्तियाज ने अनुराग कश्यप की ब्लैक फ्राइडे में याकूब मेमन की भूमिका निभाई। इम्तियाज ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फिल्म में काम करने की सही वजह बताई है। हाल ही में इम्तियाज अली ने खुलासा किया कि फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' में अभिनय करना उनके जीवन की सबसे बड़ी गलती थी। इम्तियाज ने कहा, "जब आप युवा होते हैं और आप कई गलतियां करते हैं तो उनमें से एक थी अनुराग कश्यप की सलाह को दिल से लेना। उस वक्त हम लोग एक ही बिल्डिंग में साथ रहते थे और इस वजह से एक-दूसरे के काम पर भी ध्यान देते थे। मेरे पास अभी भी इस बात का जवाब नहीं है कि उन्होंने मुझे याकूब मेमन का किरदार निभाने का सुझाव क्यों दिया।" इम्तियाज ने आगे कहा, "अनुराग मेरा मजाक उड़ा रहे थे। वह मजाक में कहा करते थे कि मैं तुम्हारे लिए अपनी जान दे सकता हूं, लेकिन तुम मेरे लिए कोई भूमिका नहीं निभा सकते। उन्होंने इतनी अच्छी एक्टिंग करके मुझसे काम लिया। उस वक्त अनुराग खुद भी एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमा रहे थे।" इम्तियाज अली अब लोकप्रिय पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला पर बायोपिक लेकर आ रहे हैं। दलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और एआर रहमान ने इस फिल्म का संगीत तैयार किया है।

रोडीज 19- कर्म या कांड ग्रैंड फिनाले वाशु बने विजेता

गत दिनों रियलिटी शो रोडीज 19- कर्म या कांड के ग्रैंड फिनाले में वाशु जैन विजेता बने। धैर्य, जुनून और दृढ़ संकल्प को देखने के बाद रोडीज 19- कर्म या कांड का विनर मिल गया है। 19वें सीजन की ट्राफी वाशु जैन ने अपने नाम की। रिया चक्रवर्ती के ग्रुप से वाशु ने सबको हराकर खिताब हासिल कर लिया। ट्रॉफी के साथ-साथ वासु को 5 लाख रुपए भी मिले। वहीं सिवेट तोमर जो प्रिंस नरूला के गैंग का हिस्सा थे उन्होंने फर्स्ट रनर-अप का स्थान हासिल किया। वाशु ने पहले प्रिंस के साथ अपनी जर्नी शुरू की लेकिन ग्रुप की अदला-बदली के कारण वह रिया के ग्रुप में शामिल हो गए। वाशु अपने फोकस के साथ शो के विनर बन गए, जिससे रिया का ग्रुप जीत गया।वाशु ने ऑडिशन के दौरान अपनी शारीरिक शक्ति और लचीलेपन से गैंग लीडर्स के होश उड़ा दिए। वहीं से एक वॉर छिड़ गया था।

मशहूर एक्टर लियोर ने दीवार की आड़ में छिपकर बचाई जान

इजराइली वेब सीरीज फौडा के एक्टर लियोर रज को बमबारी के बीच अपनी जान बचाते देखा गया है। उनका यह वीडिया वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो देख फैंस उनके लिए काफी चिंतित हो रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि लियोर रज अपने साथी के साथ दीवार की आड़ में छिपते दिखाई दे रहे हैं। बैकग्राउंड में बम धमाकों की आवाज आ रही है और आसमान में रॉकेट भी नजर आ रहे हैं। दोनों बहुत डरे हुए हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने बताया कि चाहे जो हो जाए, वो डरेंगे नहीं। एक्टर लियोर ने लिखा- मैं, जोहानन प्लेसनर और एवी इश्कारोफ साउथ की ओर गए और कैनन आर्म्स के लिए ब्रदर्स के कम्पैशन में शामिल हो गए। साउथ में रहने वालों की मदद के लिए सैकड़ों वॉलंटियर्स को अलग-अलग काम दिए गए हैं। हमें बमबारी वाले बुलेवार्ड से दो परिवारों को बचाने के लिए भेजा गया था। मेन बात ये है कि हम लोग बिल्कुल भी ना डरें। उनके इस वीडियो पर यूजर्स के खूब रिएक्शन सामने आ रहे हैं। लोग कमेंट कर इस बुरे वक्त से जल्द बाहर निकलने का हौसला भी दे रहे हैं।

एनिमल के टीजर से बॉबी का स्वैग हो गया वायरल

चालू साल के आखिर में संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल के साथ बॉबी देओल आ रहे हैं और फिल्म के टीजर से उनका स्वैग वायरल हो गया और दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया। सनी देओल, बॉबी देओल और धर्मेंद्र ने फिल्म यमला पगला दीवाना की फिल्म सीरीज और अपने में साथ काम किया है। इस बीच बॉबी देओल ने अपने 2 पर अपडेट दिया है। बॉबी देओल से बातचीत के दौरान पूछा कि यमला पगला दीवाना या अपने में दर्शकों ने देओल परिवार को साथ देखना पसंद किया। आगे ऐसा और देखने के क्या चांस हैं? इस पर बॉबी देओल कहते हैं, बेशक हम कोशिश तो यही कर रहे हैं कि अपने 2 बने और उस किस्म की फिल्में हम और करें सब साथ में मिलकर। अभी तो स्क्रिप्ट्स पर ही काम चल रहा है, स्क्रिप्ट जब अच्छी बनेगी तो फिर आगे बनाएंगे। मालूम हो कि साल 2023 में जहां धर्मेंद्र ने फिल्म रॉकी ओर रानी की प्रेम कहानी से दर्शकों का दिल जीता तो वहीं सनी देओल की फिल्म गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया।

सूडोकु नवताल- 6586

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6585 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7333

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा.

शब्दजाल - 7332 का हल

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6286

3	6		4		7	5
1	25	3	31	5	37	
		7				4
7	37	6	40	2	24	3
		5			1	
5	33		37	6	29	
4		1	3		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6285 का हल

6	3	1	5	2	7	4
2	29	4	29	6	29	1
7	4	2	6	3	1	5
3	31	6	38	7	30	2
1	5	3	7	4	2	6
4	32	5	36	5	34	7
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्क्वैश को ओलंपिक में मिली जगह, सौरव घोषाल भविष्य पर फिर से करेंगे विचार

नई दिल्ली ।
भारत के सबसे दिग्गज स्क्वैश खिलाड़ियों में शामिल सौरव घोषाल 40 बरस की उम्र के बाद शायद ही खेल को जारी रखते लेकिन 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक कार्यक्रम में इस खेल को जगह मिलने के बाद वह भविष्य के लिए अपनी योजना को फिर से तैयार करेंगे। घोषाल अभी 37 साल के हैं और 2028 ओलंपिक के समय तक वह 42 साल के हो जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2003 में किशोर खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाने वाले घोषाल ज्यादातर समय तक अपने खेल के शीर्ष पर रहने में सफल रहे हैं।

घोषाल ने 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक को लेकर कहा, मुझे अपनी टीम और परिवार के साथ इस बात पर विचार करना होगा कि क्या मैं तब तक खेलना जारी रखकर भारत के लिए पदक जीतने की स्थिति में रहूंगा। अगर ऐसा हुआ तो यह मेरे कॅरिअर का सबसे यादगार पल होगा। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज घोषाल ने एशियाई खेलों के छह सत्र में देश का प्रतिनिधित्व किया है और पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के एकल स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। घोषाल अभी 37 साल के हैं और 2028 ओलंपिक के समय तक वह 42 साल के हो जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2003 में किशोर खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाने वाले घोषाल ज्यादातर समय तक अपने खेल के शीर्ष पर रहने में सफल रहे हैं। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज घोषाल ने एशियाई खेलों के छह सत्र में देश का प्रतिनिधित्व किया है और पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के एकल स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे।

चुनाव होते ही भारतीय कुश्ती महासंघ से हट जाएगा निलंबन : डब्ल्यूएफआई

मुंबई । यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्लयडब्लयू) ने कहा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से निलंबन हट सकता है। यूडब्लयडब्लयू के अनुसार चुनाव होते ही डब्ल्यूएफआई का निलंबन तत्काल हटा दिया जाएगा और इसमें हमें अधिक खुशी होगी क्योंकि हम खिलाड़ियों का हित चाहते हैं। यूडब्लयडब्लयू ने डब्ल्यूएफआई में जारी विवाद में हस्तक्षेप करने से इंकार करते हुए कहा कि अगर खिलाड़ी उनसे संपर्क करते है तो वे खिलाड़ियों की बात जरुर सुनेंगे। यूडब्ल्यूडब्ल्यू प्रमुख नेनाद लालोविच ने ये बात कही हैं।। इससे पहले इस बीच यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई को भी तय समय सीमा में चुनाव नहीं कराने के लिए निलंबित कर दिया। लालोविच ने यहां अंतरराष्टीय ओलंपिक समिति के 141वें सत्र के इतर कहा कि पहलवानों के विरोध के दौरान जो कुछ हुआ, हमारी नजर उस पर थी क्योंकि हमें अपने खिलाड़ियों की कुशलता की चिंता है। निलंबन की संभावनाओं में यह भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब यह मामला भारतीय अधिकारियों द्वारा देखा जा रहा है। हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे। हम तभी हस्तक्षेप करेंगे जब पहलवान किसी कारण से हमसे दोबारा संपर्क करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों के एकल स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे।

न्यूज ब्रीफ

आंकड़ों में वर्ल्ड कप 2023: पॉइंट्स टेबल में 8वें पर पहुंचा ऑस्ट्रेलिया, कुसल मेंडिस टूर्नामेंट के सिक्सर किंग; बुमराह टॉप बॉलर

सिक्सर किंग
कुसल मेंडिस, श्रीलंका

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप 2023 के 14 मैच खेले जा चुके हैं। 5 बार की वनडे वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने पहली जीत दर्ज की। टीम ने श्रीलंका को 5 विकेट से हराया। ऑस्ट्रेलिया को भारत और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मुकाबलों में हार मिली थी। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया टीम पॉइंट्स टेबल में 2 अंक लेकर आठवें नंबर पर पहुंच गई। श्रीलंका 10वें नंबर पर है। अब तक हुए टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान टॉप रन स्कोरर हैं। वह इस वर्ल्ड कप के 3 मैचों में सबसे ज्यादा 248 रन बना चुके हैं। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 3 मैचों में 8 विकेट हैं। वहीं श्रीलंका के कुसल मेंडिस सिक्सर किंग, उन्होंने 3 मैचों में 14 छक्के लगाए हैं।

इमाद को पाक के सेमीफाइनल में पहुंचने का भरोसा नहीं

नई दिल्ली । पाकिस्तान के ऑलराउंड इमाद वसीम ने कहा है कि विश्वकप में अपनी टीम के

सेमीफाइनल में पहुंचने का उन्हें भरोसा नहीं है। जिस प्रकार लीग मुकाबले में पाक को भारत के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी है। उससे इमाद का टीम को लेकर मनोबल कम हो रहा है। इमाद इस विश्वकप कप के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। वहीं विश्वकप की शुरुआत से पहले जिन चार टीमों को उन्होंने सेमीफाइनल का दावेदार बताया था उनके पाक का नाम भी शामिल था। इमाद ने इस बार सेमीफाइनल के लिए भारत, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड का नाम पक्के तौर पर लिया है। उन्होंने चौथी टीम के तौर पर पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया में से किसी एक के आगे जाने की उम्मीद जताई है पर ह इस बार तो लेकर आश्वसत नहीं हैं कि उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। इमाद ने विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चार टीमों के नाम सामने रखे हैं। उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और भारत को जगह मिलना तय है पर चौथी टीम के तौर पर पाक और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक टीम हो सकती है। इससे पहले इमाद ने जिन चार सेमीफाइनल की टीमों को शामिल किया उसमें भारत, पाक, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के नाम थे पर अफगानिस्तान के हाथों मिली हार के बाद उनका मानना है कि इंग्लैंड टीम के अब अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीदें नहीं हैं।

अकरम ने पाक टीम के लिए फिटनेस टेस्ट बंद होने पर सवाल उठाये

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम वसीम अकरम ने विश्वकप में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन पर

नाराजगी जताते हुए खिलाड़ियों की फिटनेस पर ही सवाल उठा दिये। पाक को भारतीय टीम के हाथों इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा था। अकरम ने पाक क्रिकेट टीम में बंद हुए नियमित फिटनेस टेस्ट पर भी हैरानी जतायी। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की फिटनेस कैसी है कोई नहीं जानता क्योंकि अब कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होता। जब मिस्बाह कोच और चयनकर्ता थे तो वह यो-यो टेस्ट और अन्य टेस्ट कराते थे। एक पेशेवर क्रिकेटर को महीने में कम से कम एक बार फिटनेस टेस्ट कराना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आप इस तरह की हार मिलेगी ही। पाक टीम जकब क्रिकेट विश्व कप 2019 से बाहर हुई थी तो मिस्बाह-उल-हक को मुख्य कोच बनाया गया था पर रमीज राजा के पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। अकरम ने पीसीबी नेतृत्व में लगातार बदलाव को भी सही नहीं बताया। अकरम ने कहा कि पीसीबी ने पिछले 3 वर्षों में 3 अध्यक्ष देखे हैं। इससे टीम के सदस्यों और प्रबंधन के बीच यह डर पैदा हो गया कि वे अगली सीरीज के लिए रहेंगे या नहीं। इसका भी विपरीत प्रभाव टीम पर पड़ा है। अकरम से पहले रमीज ने भी टीम के प्रदर्शन पर सवाल उठाये थे। इसके अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने भी खिलाड़ियों को फटकार लगायी है।

अब ओलंपिक स्टीपलचेस में स्वर्ण जीतना चाहते हैं साबले

नई दिल्ली ।
स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले का लक्ष्य ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण जीतना है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता साबले ने हालांकि माना कि ये आसान नहीं है और इसके लिए उन्हें अपनी अभ्यास रणनीति में बदलाव करना होगा। इस खिलाड़ी ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना असंभव भी नहीं है पर इसके लिए हमें अपनी रणनीति में बदलाव लाना होगा और अभ्यास अमेरिका की जगह पर मोरक्को या यूरोप में करना होगा।

साबले ने हाल में हुए हांगझोउ एशियाई खेलों के स्टीपलचेस में स्वर्ण और 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता था। अब इस खिलाड़ी का लक्ष्य ओलंपिक के स्टीपलचेस (ट्रैक) में भारत को पहला पदक दिलाना है। इस खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले चार पांच साल में मैने प्रदर्शन में जो सुधार किया है, उससे ओलंपिक में स्टीपलचेस में पदक की उम्मीद बनी है। इसके लिए मुझे ट्रेनिंग की योजना में बदलाव करना होगा। अब सिर्फ टाइमिंग का ही ध्यानल नहीं रखना है। रेस जीतने के लिए रणनीति भी बनानी पड़ेगी। ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके साबले ने कहा, 'पदक सिर्फ टाइमिंग से नहीं, सटीक रणनीति से मिलते हैं इसके लिए रेस के दौरान ही फैसले लेना कि कब धीमा भागना है और कब रफ्तार बढ़ानी है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 1994 के बाद से वह पोडियम फिनिश करने वाले पहले गैर कीनियाई खिलाड़ी हैं। वह अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए लगातार कोचों से सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'अमेरिका के कोलाराडो में दो साल ट्रेनिंग करके मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। वहां ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेताओं के साथ अभ्यास करके भरोसा बढ़ा है कि हम भी ओलंपिक में पदक जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन अभी कोलाराडो में मार्च तक बर्फ गिरेगी और ऐसे में वहां ट्रेनिंग करना संभव नहीं। ये चार महीने किसी यूरोपीय देश या मोरक्को में अभ्यास करके नयी चीजें सीखने को मिलेंगी क्योंकि अब अमेरिका में ट्रेनिंग में एकरसता हो गई है।

नॉर्वे को हराकर स्पेन ने बनाई यूरो 2024 के लिए जगह, गावी ने किया गोल

नई दिल्ली । गावी के एकमात्र गोल की मदद से स्पेन ने यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालिफायर के मुकाबले में नॉर्वे को 1-0 से हरा दिया। पूरे मैच में स्पेनिश टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। स्पेन और स्कॉटलैंड ने यूरो 2024 के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं और यह हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ में गोल की शुरुआत स्पेन की टीम ने की। गावी ने 49वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके टीम का मैच में खाता खोल दिया। इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं और मैच स्पेन ने जीत लिया। तीन बार की यूरोपियन विजेता स्पेनिश टीम 2012 के बाद इस ट्रॉफी को जीतने की कोशिश करेगी। स्कॉटलैंड ने लगातार दूसरी बार यूरो के लिए क्वालिफाई किया। वहीं, अन्य मुकाबलों में तुर्की की टीम लातविया को 4-0 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रही, जबकि क्रोएशिया को ग्रुप-डी में लगातार दूसरी बार हार मिली।

बृजभूषण ने कहा पल्स रेट की जांच कोई अपराध नहीं , मुझपर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित

नई दिल्ली ।
भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने अपने ऊपर लगे यौन शोषण और छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर कहा है कि पल्स रेट की जांच करने को छेड़छाड़ नहीं कहा जा सकता है। बृज भूषण ने इस मामले में महिला पहलवानों के अपने ऊपर लगाये आरोपों को भी खारिज कर दिया है। बृज भूषण ने कहा कि उनपर यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के जो भी आरोप लगाये गये हैं। वह राजनीतिक कारणों से लगाये गये हैं। बृज भूषण को दिल्ली की एक अदालत में कहा कि उन्होंने महिला पहलवानों की पल्स रेट की जांच की थी और ऐसा करना कोई अपराध तो नहीं है। उन्होंने कहा कि पल्स रेट की जांच के पीछे उनकी कोई गलत मंशा नहीं थी। यही नहीं उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक ओवरसाइट कमेटी भी बनी थी, जिसने उनपर लगे आरोपों को गलत करार दिया था। वह इस जांच समिति के सामने पेश भी हुए थे और तब उन्होंने अपना पक्ष रखा था।

इस मामले में उनके वकील ने कहा कि छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न में अंतर होता है। यौन उत्पीड़न के मामलों में तीन साल की एक समयसीमा होती है पर बाद में शिकायतकर्ताओं ने छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल से पहले बृजभूषण शरण सिंह पर छेड़छाड़ का तो कोई मामला ही नहीं था। दूसरी ओर महिला पहलवानों की वकील रेबेका जॉन ने कहा कि जांच समिति ने बृजभूषण को क्लीन चिट नहीं दी थी।

बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे शार्दुल

नई दिल्ली ।
भारतीय टीम अब 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। शार्दुल ने अब तक इस विश्वपक में दो मैच खेले हैं जिसमें उन्हें एक ही विकेट मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शार्दुल को केवल 2 ओवर ही गेंदबाजी मिल पायी। वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में शार्दुल ने 6 ओवर गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया था। वहीं अब वह में बांग्लादेश के खिलाफ अवसर मिलने पर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

कप्तान रोहित शर्मा अपने इस गेंदबाज पर काफी भरोसा करते हैं। शार्दुल भी उसपर खरे उतरे हैं। जब भी कोई जोड़ी जम जाती है तो रोहित उन्हें ही विकेट लेने की जिम्मेदारी देते हैं। गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाज में भी वह पीछे नहीं हैं। उन्होंने अपने आक्रामक खेल से कई टीमों को हैरान किया है। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में शार्दुल ने दोनों ही पारियों में अर्धशतक लगाया था और भारत इसी कारण वो टेस्ट 157 रन से जीता था।

शार्दुल ने टीम इंडिया तक पहुंचने के लिए कड़ा संघर्ष किया हैं। उन्होंने 2012 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था और 2016 में उन्होंने पहली बार मुंबई को रणजी ट्रॉफी का चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब उन्होंने फाइनल में सौराष्ट्र के खिलाफ 8 विकेट लिए थे और चेतेश्वर पुजारा जैसे धाकड़ बैटर का शिकार किया था. इसके एक साल बाद उन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों डेब्यू किया और 2018 में पहला टी20 भी खेला।

पूर्व क्रिकेटर बोला, रिंकू को 2024 टी20 विश्वकप के लिए शामिल किया जाये

नई दिल्ली ।
पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को 2024 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। आईपीएल में अपने आक्रामक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में शामिल किये गये रिंकू ने इसके बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने हाल में हुए एशियाई खेलों में भी शानदार प्रदर्शन किया था। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने और आईपीएल 2023 में शानदार प्रदर्शन करने के बाद रिंकू को अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में पहली बार भातरीय टीम में जगह मिली थी। इस दौरे में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था।

चोपड़ा ने कहा, हर किसी ने रिंकू को देखा है और जानता है कि वह क्या करने में सक्षम है। अब मैं टी20 विश्व कप 2024 में उसे भारतीय टीम का हिस्सा बनते देखना चाहता हूं। उसने एशियाई खेलों में अच्छी पारी खेली थी। उससे पहले उन्होंने यूपी टी20 लीग में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें जब भी मौका मिला है उन्होंने भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और आईपीएल में केकेआर के लिए असाधारण रूप से अच्छा खेला है। उनके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि उनका कद छोटा है, उनका शरीर उतना मजबूत नहीं है, लेकिन वह साफ-सुथरा हिट करते हैं और बहुत अच्छा अपनी कलाइयों का इस्तेमाल करते हैं। पूर्व क्रिकेटर ने साई सुदर्शन, तिलक वर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा की भी तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें भी टीम में जगह मिलनी चाहिये। चोपड़ा ने कहा कि रजत पाटीदार भी एक अच्छे खिलाड़ी हैं। थे। चोपड़ा ने कहा, रजत एक और खिलाड़ी हैं जिन्हें मैं सफल होते देखना चाहता हूं। इसके अलावा उन्होंने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज नेहल वढेरा की भी प्रशंसा की है।

कमिंस ने कहा जीत का सिलसिला बनाये रखेंगे,बेहतर प्रदर्शन के लिए गेंदबाजों को सराहा

लखनऊ ।
ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने श्रीलंका के खिलाफ विश्वकप में मिली जीत पर खुशी जतायी है। यह इस विश्वकप में ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिली पहली जीत है। जीत के बाद कमिंस ने अपनी टीम के गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की है। कमिंस ने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने श्रीलंकाई टीम को अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया।

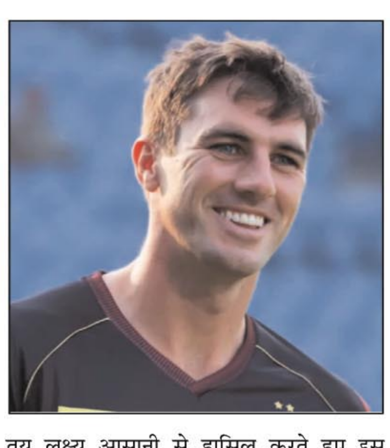

इस मुकाबले में पहले विकेट के लिए कुसल परेरा 78 और पथुम निसंका 61 के बीच 125 रनों की साझेदारी हुई। मैच में एक समय श्रीलंकाई टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी पर बाद में 209 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तय लक्ष्य आसानी से हासिल करते हुए इस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को पांच विकेट से हरा दिया। कमिंस ने मैच के बाद कहा कि विरोधी टीम ने बहुत अच्छी शुरुआत की थी पर जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने गेंदबाजी की उसका लाभ हमें मिला। टीम का ये प्रयास शानदार था। उन्होंने कहा कि हमने खेल के तीनों ही क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया। अब आने वाले मुकाबलों में हम इसे जारी रखेंगे। वहीं दूसरी ओर हार से निराश श्रीलंकाई टीम के कप्तान कुसल मेंडिस ने कहा कि अगर उनकी टीम करीब 290 रन बनाती तो परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी शुरुआत की थी पर हमारा मध्य क्रम उसे बरकारार नहीं रख पायी। अगर हमने 290 या 300 का स्कोर बनाया होता तो इस पिच पर वह अच्छा स्कोर बनता। हम स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाए और हमने काफी गेंद खाली छोड़ी। साथ ही कहा कि हम आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे।

अवसर मिले तो बटलर को अपनी टीम में शामिल करना चाहेंगे नवीन

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के क्रिकेटर नवीन उल हक ने कहा है कि अगर उन्हें अपनी टीम में किसी एक क्रिकेटर को शामिल करने का अवसर मिले तो वह इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर को अपनी टीम में शामिल करेंगे। इस मामले में आईसीसी ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इसमें कई खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं। इसमें नवीन से पूछा जा रहा था कि अगर आपको एक अवसर दिया जाए तो दूसरी टीम के किस खिलाड़ी को अपनी टीम में आप शामिल करना चाहेंगे। इसपर नवीन उल हक ने बटलर का नाम लिया। इस वीडियो में भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, जिमी नीशम, एडम जंपा और हसन अली जैसे खिलाड़ी भी नजर आ रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी बटलर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सूर्यकुमार ने कहा,मैं भी बटलर को खेलते हुए देखना पसंद करता हूं। नीशम ने कहा कि अगर मुझे किसी दूसरे टीम से किसी खिलाड़ी को लेने का विकल्प मिले तो मैं बटलर को रखूंगा। गौरतलब है कि बटलर इंग्लैंड के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं। उनकी कप्तानी में पिछले साल ही इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप जीता था। बटलर अपनी कुशल कप्तानी के लिए भी जाने जाते हैं।

कई बिमारियों में कारगार है ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल एक बहुत ही कारगर घरेलू उपाय है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण की मौजूदगी श्वसन तंत्र को सुचारू बनाने में फायदेमंद होती है। साथ ही यह दर्द को कम करने में मदद करता है। एक आधा छोटी चम्मच ऑलिव ऑयल में सामान मात्रा में शहद मिलाकर, सोने से पहले नियमित रूप से लें। गले में कंपन को कम करने और खर्राटों को रोकने के लिए नियमित रूप से इस उपाय का प्रयोग करें।

धूम्रपान से मुंह की बीमारियों का खतरा क्यों!

सिगरेट पीने से न सिर्फ कुछ जीवाणु मुंह में जमा हो जाते हैं, बल्कि वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर भी हावी हो जाते हैं, जिसके कारण मुंह संबंधी कई बीमारियां हो सकती हैं। ये जीवाणु दांत, हृदय वॉल्व और धमनियों में बायोफिल्म्स का निर्माण करते हैं। बॉयोफिल्म कई सारी सूक्ष्म जीवाणुओं से मिलकर बनी जटिल संरचना होती है। इसके कारण कई अन्य नई समस्याएं भी पैदा हो जाती है।

डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेने से हो सकती हैं ये बीमारियां

सिर में मामूली सा दर्द हुआ नहीं कि रीमा ने पैरासीटामॉल की गोली गटक ली। रीमा हीं नहीं बल्कि रीमा की तरह बहुत से लोग ऐसा हीं करते हैं। लोगों को सेल्फ मेडिकेशन एक आसान, सस्ता और कम समय में होने वाला उपाय लगता है। लेकिन कम समय में मिलने वाली राहत जल्द ही स्थायी आदत में तब्दील हो जाती है और शरीर कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। माना कि पैरासीटामॉल एक ऐसी दर्दनिवारक दवा है जिसे दर्द होने पर समान्य लोगों के साथ-साथ गर्भवती महिलाएं भी आसानी से ले लेती है। और अधिक नुक्सानदेह ना होने कारण भारतीय मेडीकल दुकानों पर यह दवा बिना डॉक्टर की स्लिप आसानी से ली जा सकती हैं। लेकिन डॉक्टरी सलाह के बिना मामूली बुखार से परेशान होने पर भी आप पैरासीटामॉल की गोली ले लेते हैं और ऐसा आप कई सालों से करते आ रहे हैं, तो सावधान हो जाये। क्योंकि हर बार मामूली से दर्द या बुखार में पैरासीटामॉल लेना फायदे से ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। इसके अधिक इस्तेमाल से शरीर के कई अंगों को नुकसान हो सकता है। आइए जानें बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेना शरीर के लिए कैसे नुकसानदेह होता है। क्या आपने कभी भी दवा के पैकेट पर लिखा देखा हैं कि ज्यादा मात्रा में पैरासीटामॉल लेना लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। जीं हां डॉक्टरों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक दिन में 3 ग्राम से ज्यादा पैरासीटामॉल नहीं लेनी चाहिए और अगर किसी कारणवश लेनी भी पड़े तो पहले अपने डॉक्टर से पूछ लेना चाहिए।

गर्भवती और बच्चों के लिए नुकसानदेह: आपको यह जानकर भी हैरानी होगी कि गर्भवती के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली पैरासीटामॉल अगर बिना जांच के गर्भवती को दी जाती है तो सुरक्षित समझे जाने वाली पैरासीटामॉल की गोली गर्भ में पल रहे बच्चे के पूर्ण विकास में रुकवाट पैदा कर सकती है। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार गर्भवती को बिना डॉक्टरी सलाह के पैरासीटामॉल नही लेनी चाहिए।

किडनी पर असर: दर्द निवारक दवा के रूप में पैरासीटामॉल का लंबे समय तक सेवन करना बहुत हानिकारक है। बिना डॉक्टरी सलाह के पीठ दर्द के लिए इसे लेने पर यह लाभ के बजाए नुकसान पहुंचाती है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के शोधकर्ताओं के अनुसार आस्टियोआर्थराइटिस एवं पीठ दर्द को कम करने के लिए लोग पैरासीटामॉल का इस्तेमाल आसानी से करते हैं, पर इसका किडनी पर असर पड़ता है।

अस्थमा की समस्या: हल्का सा बुखार होने पर ही हम अपने बच्चे को पैरासीटामॉल देने लगते हैं। लेकिन कई शोधों से ये बात साबित हुई है कि 6-7 साल की उम्र में बच्चों को पैरासीटामॉल देने से उनके शरीर में अस्थमा के लक्षणों को बढ़ावा मिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों को 101.3 एस्न बुखार होने पर ही पैरासीटामॉल देनी चाहिए।

पेट में गैस की समस्या और त्वचा पर एलर्जी : कई मामलों में तो पैरासीटामॉल का अधिक सेवन पेट में गैस की समस्या पैदा कर सकता है। तो अगर आप अपच या पेट में भारीपन से परेशान हैं तो हो सकता है कि ऐसा पैरासीटामॉल के सेवन से हो रहा हो। इसके अलावा कुछ लोगों को पैरासीटामॉल के अधिक सेवन करने से त्वचा पर लाल चकत्ते और एलर्जी हो जाती है, जिसमें खुजली या जलन भी होती है।

लीवर को नुकसान: अगर आप पीलिया या लीवर संबंधी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो डॉक्टर की सलाह लिए बिना पैरासीटामॉल खाने से लीवर डैमेज हो सकता है। कई मामलों में लीवर फेलियर के भी चांस होते हैं। इसलिए दवा को लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

सुस्ती महसूस होना: इसके अलावा कई बार पैरासीटामॉल लेने के बाद बहुत ज्यादा सुस्ती महसूस होती है। तो ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरुर लें।

आंखों के दर्द से जुड़ी खास बातें

बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये आदत भारी पड़ सकती है और इससे कई समस्याएं हो सकती हैं।

आंखों में दर्द के कारण

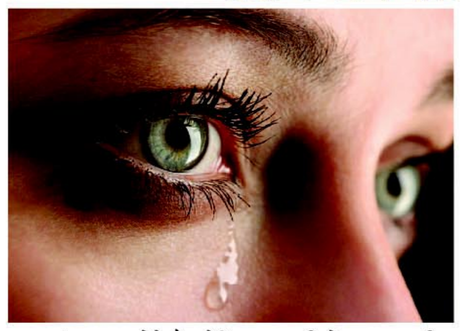

आंखे अनमोल हैं और शायद इसलिए ही ये शरीर का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण अंग हैं। आंखे जितनी अनमोल हैं, इनको देखभाल की भी उतनी ही जरूरत होती है। बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं, और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपकी ये आदत भारी पड़ सकती है। तो आंखों के दर्द को नज़रअंदाज न करें और जानें कि आंख में क्यों दर्द हो रहा है।

ऊपरी सतह पर दर्द

कई बार आपकी आंख की ऊपरी सतह पर दर्द होता है, और आपको इससे आंख में जलन, और खुजली भी महसूस होती है। यह अक्सर तब होता है जब आपको आंख में कोई चोट लगी हो। इस तरह का दर्द होने पर आप डाक्टर की सलाह पर आई ड्राप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भीतरी भाग में दर्द

आंखों के भीतरी भाग में दर्द होने पर आप अपनी आंखों में स्पंदन और किरकिरेपन जैसा महसूस करते हैं। इस तरह की स्थिति तुरंत में डॉक्टर से मिले क्योंकि यह किसी गंभीर चोट की वजह से होने वाला दर्द हो सकता है।

गंदगी की वजह से होने वाला दर्द

धूल मिट्टी से होने वाले दर्द से आंखों में खुजली होती है और वे लाल हो जाती है। इससे बचने के लिए सबसे बढ़िया तरीका है आंखों पर ठंडे पानी की छिटे मार कर इन्हें धोएं। इससे आंखों की गंदगी साफ हो जाएगी। आंखों पर हाथ न लगाएं।

चोट की वजह से आंख में दर्द

चोट लगने पर आंखों को सबसे ज्यादा हानि पहुंचती है। आंखों में जलन या बहुत तेज दर्द होना, इसका सबसे पहला लक्षण होता है। यह बहुत तेज रोशनी या सूरज की किरणों से भी हो सकता है।

गुहेरी

यह आमतौर पर आंखों के अंदरुनी भाग के किनारों पर होती है। ये आंख में किसी फुंसी के हो जाने जैसा होता है। ऐसे में आंख बेहद संवेदनशील हो जाती है और इसकी वजह से थोड़ा दर्द भी महसूस हो सकता है। इसके इलाज का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे छूएं नहीं, और अपने आप ठीक होने दें। बस आंख की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।

कॉंटेक्ट लेंस के कारण

जब आप हर समय कांटेक्ट लेंस पहने रहते हैं और इसे समय-समय पर साफ नहीं करते हैं तो इससे आंखों में जलन होने लगती है और कभी-कभी दर्द भी होता है। पुराने या इक्स्पाइरी कांटेक्ट लेंस पहने से आपकी आंखों में संक्रमण भी हो सकता है।

ग्लूकोमा के कारण

ग्लूकोमा यानी काला मोतिया एक गंभीर नेत्र रोग होता है। यह धीमी गति से आंखों को हानि पहुंचने वाली बीमारी है, इससे आंखों की ऑप्टिक नर्व को नुकसान होता है और यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो इससे आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

उम्मीद की किरण है गर्भ प्रत्यारोपण

गर्भ प्रत्यारोपण उन हजारों महिलाओं के लिए उम्मीद की एक नई किरण है, जो गर्भधारण नहीं कर सकती। इस तकनीक के जरिए दूसरी महिला का गर्भ प्रत्यारोपित करके गर्भधारण कराया जाता है। यह उन महिलाओं के लिए वरदान की तरह है जो किसी बीमारी के कारण या गर्भ में समस्या के कारण मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर सकती हैं।

प्रत्यारोपण रहा सफल

गर्भ प्रत्यारोपण का प्रयास कई सालों से हो रहा है, लेकिन पहली बार सफलता प्राप्त की स्वीडन के चिकित्सकों ने। स्वीडन के डॉक्टरों ने अजूबा कर दिखाया। 36 साल की एक ऐसी महिला को मां बनने की खुशी दे दी, जिसके पास गर्भाशय ही नहीं था। यह मामला इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया में पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रत्यारोपित गर्भाशय से जन्म लेने वाला बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

पहले भी हुए प्रयास

इससे पहले भी गर्भाशय प्रत्यारोपण के जरिए कई प्रयास किए गए लेकिन कभी उन्हें शरीर ने स्वीकार नहीं किया तो उसे निकालना पड़ा तो कभी गर्भपात हो गया। 2000 में पहली बार सऊदी अरब में यूटरस ट्रांसप्लांट किया गया था। चार माह बाद ही महिला के शरीर ने ऑर्गन को रिजेक्ट कर दिया। आखिर उसे निकालना पड़ा। इसके बाद टर्की में कोशिश हुई। शरीर ने गर्भाशय तो स्वीकार कर लिया, लेकिन गर्भपात हो गया।

बच्चा है स्वस्थ

स्वीडन में पैदा हुआ बच्चा 1.8 किलो (3.9 पौंड) का है। प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ है। सात अन्य महिलाओं को भी इसी तरह यूटेरस ट्रांसप्लांट किए गए हैं। पांच अब भी गर्भवती हैं। डॉक्टर आशान्वित है कि जल्द ही और खुश-खबरें भी मिलेंगी।

समस्याएं भी आई

प्रत्यारोपित गर्भ से गर्भधारण के बीच में कई तरह की समस्याएं भी आई। गर्भधारण के 31वें हफ्ते तक सबकुछ सामान्य रहा। इसके बाद महिला को हाई ब्लडप्रेशर से जुड़ी प्री-एक्लांपसिया बीमारी हो गई। बच्चे की हार्ट रेट भी असामान्य पाई गई। डॉक्टरों ने समय पूर्व डिलिवरी कराने का फैसला किया। लेकिन बाद में सबकुछ ठीक हो गया, लेकिन प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ।

महिला ब्रीमारी से ग्रस्त थी

जिस महिला को गर्भ प्रत्यारोपण के बाद मां बनाया गया वह रॉकिटांस्की जेनेटिक सिंड्रोम से पीड़ित थी। 4500 में से किसी एक महिला को यह बीमारी होती है। महिला जब 15 साल की हुई तो पहली बार उसे इसका पता चला। महिला को उसकी 61 साल की पारिवारिक मित्र ने अपना यूटेरस दान किया। चिकित्सक तब हैरान रह गए जब 61 साल की इस महिला की कोख गर्भधारण के लिए टेस्ट में दुरुस्त पाई गई, जबकि सात साल पहले उसका मेनोपॉज बंद हो चुका था। यह उन महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण की तरह है जो किसी परेशानी के कारण मां बनने में सफल नहीं हो पाती है।

किशमिश खाकर करें वजन कम

सूखे मेवे के सेवन से भी वजन को घटाया जा सकता है। इसमें किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए ये पढ़े। किशमिश को सूखे मेवे का राजा कहा जाता है। किशमिश का सेवन सीधे तौर पर वजन घटाने के लिए नहीं होता है लेकिन शरीर को स्वस्थ रखने में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किशमिश को उसके पोषण तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के कारण हीरा माना जाता है। किशमिश खाने से ब्लड बनता है, वायु, पित्त और कफ दोष दूर होता है।

एनर्जी देता है

किशमिश में मौजूद शर्करा शरीर में आसानी से पच जाती है। नतीजनत् शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्राप्त होती है। किशमिश पूरी तरह से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है। किशमिश में घुलनशील फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है। यह घुलनशील फाइबर बुरे कोलेस्ट्रॉल का विरोध करता है। इसके अलावा किशमिश पोलीफेनोल्स एंजाइम को भी दबाता है जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल को अवशोषित के लिए जिम्मेदार होता है।

पाचन को ठीक रखता है

रोजाना किशमिश का सेवन करने से आपका हाजमा ठीक रहता है और पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से कार्य करता है। किशमिश लैक्सटिव के रूप में कार्य करती है। यह पेट में जाकर पानी को अवशोषित करती है, जिसके फलस्वरूप कब्ज से राहत मिलती है। किशमिश में पाये जाने वाले फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल मार्ग से विषाक्त और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत करता है

मोटे लोगो की हड्डियां कमजोर होती है। शरीर का ज्यादा वजन भी हड्डियों को कमजोर और दुर्बल बनाता है। अगर आप वजन कम कर रहे हो तो सारे आहार वजन कम करने वाले नहीं लेने चाहिए, ये तरीका आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको कुछ ऐसे आहार शामिल करने चाहिए जो आपको ऊर्जा दे सके। इसके लिए किशमिश सबसे बेहतर विकल्प है। अगर आप शक्कर बिल्कुल भी नहीं लेते हो तो भी किशमिश आपके शरीर में ग्लूकोज का स्तर बनाए रखती है। किशमिश कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

स्वस्थ रखता है

एक फिट व्यक्ति स्वस्थ रहता है। किशमिश सीधे तौर पर भले ही वजन कम करने में सहायक ना हो, लेकिन इससे मिलने वाले फासदे वजन को नियंत्रित करने में मदद करते है।

उदाहरण के तौर पर रोजाना किशमिश खाने वाले व्यक्ति को हृदय से जुड़ी परेशानियों का सामना कम करना पड़ता है। किशमिश आपके शरीर में पीएच स्तर को भी संतुलित रखता है। आवश्यक मात्रा में किशमिश का सेवन आपके इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

रेसिपी

आलू कुरकुरे

सामग्री

1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1/2 कप कटा हुआ पुदीना, 12 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून भुना हुआ ज़ीरा पाउडर, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, 5 टेबल-स्पून मैदा, 5 टेबल-स्पून पोहा , दरदरा क्रश किया हुआ, तेल,

परोसने के लिए: स्वीट एण्ड सॉर सॉस

विधि

आलू, पुदीना, हरी मिर्च, ज़ीरा पाउडर, नींबू का रस और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के छोटे गोले बना लें। एक तरफ रखें। मैदा को थोड़े पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा और मुलायम पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें। प्रत्येक आलू के बॉल को मैदा के पेस्ट में डुबोकर पोहे में अच्छी तरह से लपेट लें। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े आलू बॉल डालकर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। स्वीट एण्ड सॉर सॉस के साथ गरमा गरम परोसें।

कॉर्न एंड वेजिटेबल रोटी

सामग्री

1 कप मकई का आटा, 1/2 कप कसी हुई फूलगोभी, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप उबले , छिले और कसे हुए आलू, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक सवादअनुसार, मकई का आटा , तेल

परोसने के लिए: ताज़ा दही, अचार

विधि

मकई के आटे को छानकर, सभी सामग्री मिलाकर, ज़रुरत हो उतना गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 7 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे मकई के आटे का प्रयोग कर 125 एमएम। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और थोड़े तेल का प्रयोग कर प्रत्येक रोटी को दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। ताज़े दही और अचार के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**